हैप्पी फादर्स-डे

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

योग दिवस पर हरिभूमि विशेष

योग के सहारे नई उड़ान: 68 छात्राओं में सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा जगा रहीं योगाचार्य रुक्मणी राव

दृष्टिबाधित बालिकाओं में योग ने भर दिया आत्मविश्वास उन्होंने अपनी क्षमता पहचानी और चुनौतियों को समझा

योगाचार्य रुक्मणी राव

> जहां अधिकांश लोग सामान्य विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देना पसंद करते हैं, वहीं रुक्मणी राव ने उन बालिकाओं को चुना जिन्हें समाज अक्सर सीमित संभावनाओं के दायरे में देखता है

अनुरोध पटेरिया ▶▶जबलपुर

योग सीखना और सिखाना दोनों ही चुनौतीपूर्ण कार्य हैं। आसनों और क्रियाओं में थोड़ी-सी त्रुटि भी तत्काल दुष्परिणाम दे सकती है। ऐसे में दृष्टिबाधित बालिकाओं को न केवल योग सिखाना, बल्कि उनके भीतर आत्मविश्वास, उत्साह और जीवन को सकारात्मक दृष्टि से जीने की प्रेरणा जगाना एक असाधारण प्रयास है। यह कार्य कर रही हैं जबलपुर की योगाचार्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर रुक्मणी राव, जिन्होंने नेत्रहीन बालिकाओं के जीवन में योग के माध्यम से नई ऊर्जा का संचार किया है। राइट टाउन स्थित शासकीय नेत्रहीन कन्या विद्यालय की 68 छात्राओं को योग का प्रशिक्षण देकर रुक्मणी राव ने यह साबित किया है कि इच्छाशक्ति और समर्पण के सामने कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती। जहां अधिकांश लोग सामान्य विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देना पसंद करते हैं, वहीं उन्होंने उन बालिकाओं ▶▶शेष पेज 10 पर

> दृष्टिबाधित होने के कारण कई बार इन छात्राओं का आत्मबल कमजोर पड़ जाता था, योग करने के बाद उन्होंने अपने भीतर नई ऊर्जा महसूस की

दृष्टिबाधित बालिकाएं योग करतीं हुईं

योग से मिली दर्द और जकड़न से राहत

रुक्मणी राव ने पाया कि दृष्टिबाधित छात्राओं की दिनचर्या सीमित होने के कारण उनके शरीर में जकड़न (स्टिफनेस) अधिक रहती है। ब्रेल लिपि में लगातार पढ़ने और लिखने से कमर, गर्दन और हाथों में दर्द की शिकायत भी सामान्य थी। यह समस्या दवाइयों से पूरी तरह दूर नहीं हो सकती थी, लेकिन नियमित योगाभ्यास ने आश्चर्यजनक ▶▶शेष पेज 10 पर

छात्राओं ने महसूस किया सकारात्मक बदलाव

आठवीं कक्षा की छात्रा महिमा आरेले बताती हैं कि ब्रेल लिपि में पढ़ाई करते समय उन्हें अक्सर कमर दर्द होता था, जिससे पढ़ने-लिखने की गति भी प्रभावित होती थी। नियमित योग अभ्यास के बाद दर्द लगभग समाप्त हो गया और उनकी कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वहीं, बारहवीं कक्षा की छात्रा सोनिया चौधरी कहती हैं कि ▶▶शेष पेज 10 पर

पैरा ओलंपिक और संगीत के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का सपना

रुक्मणी राव का मानना है कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मबल और आत्मविश्वास का माध्यम है। उनका उद्देश्य बालिकाओं को यह एहसास कराना है कि वे भी अन्य लोगों की तरह स्वस्थ, संयमित और सफल जीवन जी सकती हैं। योग उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने का साहस ▶▶शेष पेज 10 पर

इनसे भी आप ले सकते हैं प्रेरणा

भारत के प्रसिद्ध संत करते हैं रोजाना ये प्रमुख 'योगासन'

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

योग दिवस पर 'हरिभूमि' ने जाना कि भारत के प्रसिद्ध संत अपने को स्वस्थ्य रखने के लिए किन योगासनों को करते हैं। इनसे भी प्रेरणा ली जा सकती है।

स्वामी अवधेशानंद गिरि

ध्यान और प्राणायाम

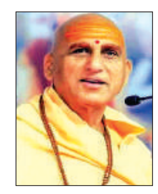

जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि पारंपरिक रूप से ध्यान और प्राणायाम पर विशेष जोर देते हैं। एक संन्यासी और आध्यात्मिक गुरु होने के नाते, उनका योग मुख्य रूप से ▶▶शेष पेज 10 पर

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

दौड़ना व दंड बैठकें

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम सरकार) का मुख्य फोकस सनातन धर्म के प्रचार, कथा वाचन और समाज सुधार पर है। फिटनेस और ऊर्जा के लिए दौड़ने, दंड बैठक और अच्छी दिनचर्या का पालन करते हैं।

पं. प्रदीप मिश्रा

वज्रासन, ताड़ासन, गोमुखासन

पंडित प्रदीप मिश्रा बताते हैं कि स्वास्थ्य लाभ के लिए कुछ सामान्य और प्रमुख योगासन करने चाहिए-जैसे, वज्रासन,ताड़ासन,गोमुखासन। इसके अलावा, घुटनों और जोड़ों के दर्द के लिए वे प्राचीन भारतीय उपचारों और सामान्य गतिविधियों को करने की बात कहते हैं।

शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती

प्राणायाम व ध्यान

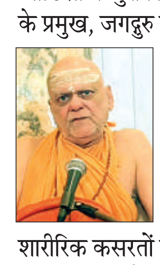

ओडिशा के पुरी स्थित गोवर्धन मठ के प्रमुख, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती के अनुसार योग का वास्तविक स्वरूप शारीरिक कसरतों से कहीं गहरा है। वह मुख्य ▶▶शेष पेज 10 पर

अनिरुद्धाचार्य महाराज

भुजंगासन और शीर्षासन

अनिरुद्धाचार्य भुजंगासन और शीर्षासन करने पर जोर देते हैं जो शरीर को निरोगी और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। वह प्रतिदिन लगभग 20 से 30 मिनट योग और प्राणायाम करते हैं।

बिना टिकट पकड़े जाने पर लगेगा 500 का जुर्माना

■ रेलवे ने 13 साल बाद किया बदलाव

एजेंसी ▶▶जयपुर

अगर आप ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े जाते हैं तो अब आपको पहले के मुकाबले दोगुना जुर्माना देना होगा। रेल मंत्रालय ने रेलवे एक्ट में किए गए संशोधनों को लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी। इसके साथ ही बिना टिकट यात्रा पर लगने वाला न्यूनतम जुर्माना 250 रुपए से बढ़कर 500 रुपए हो गया है। यह नियम 20 जून से लागू माना जाएगा। रेल मंत्रालय ने एक दिन पहले 18 जून को देश के सभी रेलवे जोन्स को पत्र भेजकर नए नियमों की जानकारी दी थी। उस समय रेलवे अधिकारियों को बताया गया था कि संशोधित प्रावधान 1 जुलाई से लागू किए जाएंगे। शुक्रवार को मंत्रालय ने गैजेट नोटिफिकेशन जारी कर इन नियमों को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया। रेलवे अभी तक बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों से 250 रुपए जुर्माना और यात्रा का पूरा किराया वसूलता था।

पेरी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

रोहित शर्मा छूटे पीछे, बनीं दुनिया की पहली क्रिकेटर

टी20 वर्ल्ड कप में 50 मैच खेलने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बनी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की महान ऑलराउंडर एलिस पेरी ने क्रिकेट जगत में एक ऐसा ऐतिहासिक मील का पत्थर छू लिया है, जहां आज तक कोई भी पुरुष या महिला खिलाड़ी नहीं पहुंच सका। वह आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में 50 मैच खेलने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बन गई हैं। यह ऐतिहासिक पल महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के दौरान आया। मैदान पर उतरते ही 35 वर्षीय पेरी ने भारत के दिग्गज बल्लेबाज हिटमैन रोहित शर्मा के 47 मैचों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। पुरुष और महिला दोनों क्रिकेट को मिलाकर अब पेरी सबसे ज्यादा टी20 वर्ल्ड कप मैच खेलने के मामले में शीर्ष पर हैं। साल 2009 से अब तक पेरी ऑस्ट्रेलिया की छह खिताबी जीतों में बेहद अहम भूमिका निभा चुकी हैं और उनकी यह निरंतरता उन्हें खेल के इतिहास में सबसे महान बनाती है।

पतंजलि PATANJALI

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग आह्वान

मूलतः हम सब भारतवासियों के पूर्वज योगी थे। काल के प्रवाह में भले ही अब भिन्न पंथों, जाति, वर्ग, समुदायों के रूप में दिख रहे हों। अतः अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञ रहें तथा कृतघ्नता के पाप से बचें। सामूहिक रूप से योग करें एवं 10-20-50-100 लोगों को करायें एवं फोटो, रील आदि सोशल मीडिया पर शेयर करें। हर गांव, शहर, गली-मोहल्ला में योग के छोटे-छोटे कार्यक्रम करें।

योग, आयुर्वेद व स्वदेशी से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प करें व करवायें।

विरोध– योग, आयुर्वेद, स्वदेशी व सनातन संस्कृति का षड्यंत्र पूर्वक भयंकर विरोध व विध्वंस करने में बहुत–सी आसुरी शक्तियां लगी हैं। राष्ट्रवादी सच्ची सनातनी आत्माओं को पूरी ताकत के साथ इस देवासुर संग्राम, धर्मयुद्ध में पतंजलि व पूजनीय स्वामी रामदेव जी का 100% साथ देना चाहिए। यतो धर्म : ततो जय :, सत्यमेव जयते।

लूट– ऑक्सफैम इंटरनेशनल से लेकर किसी भी AI (ए.आई.) टूल से सर्च करेंगे, तो पाएंगे कि मात्र विगत् 200-250 सालों में 100 ट्रिलियन से अधिक तो विदेशी कम्पनियों ने देश की आर्थिक लूट की है। महान भारत देश को एम.एन.सी. की आर्थिक गुलामी, मैकाले की शिक्षा की गुलामी, वैचारिक व सांस्कृतिक गुलामी में देश को धकेल कर पतन की पराकाष्ठा में पहुंचा दिया। 500-1000 साल पहले के स्वर्णिम काल की गौरवशाली स्मृति के साथ एक महान विकसित भारत बनाने के लिए हम सब संकल्पित होकर अखंड, प्रचंड पुरुषार्थ करें ताकि भारत की विरोधी शक्तियों को परास्त कर सकें और अपने पूर्वज ऋषि–ऋषिकाओं व शहीदों के सपनों का भारत बनायें।

पतंजलि का योगदान– पूजनीय योगऋषि स्वामी रामदेव जी व पूजनीय आचार्य श्री बालकृष्ण जी व पतंजलि के पुरुषार्थ से आज पूरे विश्व में योग–आयुर्वेद, स्वदेशी व सनातन संस्कृति का समग्र गौरव सम्पूर्ण विश्व में पहुंचा है। हरिद्वार से लेकर देश व दुनिया तक, इस महान सेवा में लाखों करोड़ों की चैरिटी पतंजलि ने की है। लगभग 10 हजार रिसर्च प्रोटोकॉल फॉलो करके 500+ रिसर्च पेपर इंटरनेशनल जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्वविद्यालय, भारतीय शिक्षा बोर्ड (BSB), पतंजलि कैरियर एकेडमी, पतंजलि सिविल सर्विसेस एकेडमी (PCSA), पतंजलि वेलनेस, योगग्राम, निरामयम्, पतंजलि रिसर्च फाउण्डेशन, गौशाला, पतंजलि के राष्ट्रव्यापी संगठन में करोड़ों कार्यकर्ताओं की निष्काम सेवा व तप से आज एक कालजयी ऐतिहासिक सेवा चल रही है। सैकड़ों संन्यासियों का तप, लाखों कर्मयोगी भाई–बहनों की निष्काम सेवा एवं आप सभी करोड़ों देशवासियों का आशीर्वाद ही हमारा एकमात्र सम्बल है और हमारा संकल्प है कि हम अन्तिम श्वास तक भारत माता व मानवता की सेवा में अपना सर्वस्व आहूत करते रहेंगे।

पतंजलि से जुड़कर हमारी सेवाओं का लाभ उठायें। योगत्व, रामत्व, कृष्णत्व तथा शिवत्व आदि को अपने स्वभाव व आचरण में अपनायें। क्योंकि सनातन धर्म हमारे आचरण का विषय है, मात्र प्रवचन का नहीं।

प्रतिदिन आस्था चैनल व इंडिया टीवी या यूट्यूब आदि से जुड़कर योग अवश्य करें।

आस्था LIVE – प्रतिदिन सुबह 5:00 से 7:30 और रात 8:00 बजे | संस्कार – रोज रात 9:00 बजे | INDIA TV – रोज सुबह 8:00 बजे | YouTube – Swami Ramdev | Acharya Bal Krishna

पतंजलि के हेल्दी प्रोडक्ट्स ख़रीदनें व रिसर्च एवं एविडेंस–बेस्ड मेडिसिन से रोगों को जड़ से मिटाने के लिए गूगल पर Patanjali Store Near Me (पतंजलि स्टोर नियर मी) सर्च करें। पतंजलि के सभी स्वदेशी प्रोडक्ट्स जैसे– गाय का घी, दन्त कान्ति, हनी, केश कान्ति, शर्बत, जूस आदि देश के सभी प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। जहाँ उपलब्ध नहीं है वहाँ आप दुकानदार से पतंजलि के प्रोडक्ट्स रखने के लिए निवेदन करें।

पतंजलि की सभी प्रमुख संस्थानों की वेबसाइट पर जाकर अधिक जानकारी प्राप्त करें।

पतंजलि वेलनेस में आकर आरोग्य का लाभ प्राप्त करें, रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क करें– 8954-666-111

भारतीय शिक्षा बोर्ड व पतंजलि सिविल सर्विसेस एकेडमी हेतु सम्पर्क करें– 8954-555-999

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

वैश्विक आंदोलन बना योग...शुरुआत वर्ष 2015 में हुई थी

190 से अधिक देशों में मनाया जाएगा आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

- 2026 के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग'
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) की शुरुआत वर्ष 2015 में हुई थी। पिछले 11 वर्षों में यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त एक वार्षिक आयोजन से आगे बढ़कर दुनिया के सबसे बड़े सहभागी आरोग्य आंदोलनों में शामिल हो गया है। योग के माध्यम से विभिन्न देशों, संस्कृतियों और समुदायों के लाखों लोग एक साझा मंच पर जुड़ रहे हैं। वर्ष 2026 के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' रखी गई है, जो निवारक स्वास्थ्य देखभाल, सक्रिय जीवनशैली और दीर्घकालिक आरोग्य को ▶▶ शेष पेज 10 पर

2015 : पीएम मोदी योग करते हुए

कॉमन योग प्रोटोकॉल बना वैश्विक आधार

दुनिया भर में एक समान और समन्वित तरीके से योग दिवस मनाने के लिए आयुष मंत्रालय ने 2015 में प्रमुख योग संस्थानों और विशेषज्ञों के सहयोग से कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) तैयार किया था। यह 45 मिनट का मानकीकृत योग अभ्यास कार्यक्रम है, जिसमें शरीर को तैयार करने वाले अभ्यास, योगासन, कपालभाति, प्राणायाम, ध्यान और विश्राम तकनीकें शामिल हैं।

'योग फॉर एयर ट्रैवल'

आयुष मंत्रालय ने इस वर्ष कई नई पहलें शुरू की हैं। इनमें 'योग फॉर एयर ट्रैवल' विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिसे मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने लंबी हवाई यात्राओं के दौरान स्वास्थ्य और ▶▶ शेष पेज 10 पर

गैरिसन ग्राउंड में सुबह 7.30 बजे से आयोजन

राष्ट्रपति मुर्मू जबलपुर में करेंगी योग, सीएम व तीन मंत्री भी रहेंगे मौजूद

- राष्ट्रपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36 वें दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी
- 31 स्कूलों के 3 हजार से ज्यादा विद्यार्थी करेंगे सामूहिक योग, 5 हजार नागरिक भी होंगे शामिल
- दीक्षांत समारोह के बाद राष्ट्रपति ग्वालियर से होते हुए कूनो नेशनल पार्क में पहुंचेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू रविवार को 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व तीन अन्य मंत्री भी मौजूद रहेंगे। योग कार्यक्रम जबलपुर में सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड में सुबह 7.30 बजे से आयोजित किया जाएगा। योग में लगभग 5 हजार लोग शामिल होंगे। साथ ही 31 स्कूलों के लगभग 3 हजार 400 छात्र-छात्राएं भी शामिल होंगे। योग ▶▶ शेष पेज 10 पर

240 स्वर्ण पदकों का होगा वितरण और 182 को मिलेंगी पीएचडी उपाधियां

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर का 36 वां दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के 141 मेधावी विद्यार्थियों को 240 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु चयनित विद्यार्थियों को 20 स्वर्ण पदक प्रदान करेंगी। समारोह में 182 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त 3 विद्वानों को डी-लिट, एक को डीएससी तथा एक विशिष्ट व्यक्तित्व को मानद उपाधि ▶▶ शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

65 हस्तियों को मंगलवार को मिलेगा पद्म पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार शाम 5 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित दूसरे नागरिक अलंकरण समारोह में 65 मशहूर हस्तियों को प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित करेंगी। इस भव्य समारोह में दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 56 पद्म श्री पुरस्कार दिए जाएंगे। इस वर्ष, सार्वजनिक क्षेत्र में योगदान के लिए पूर्व न्यायाधीश के. टी. थॉमस को पद्म विभूषण मिलेगा।

खाई में गिरी कार, आग लगने से 2 जिंदा जले

चंपावत। उत्तराखंड में चंपावत जिले के लोहाघाट क्षेत्र में एक कार के खाई में गिरने के बाद उसमें आग लग गयी जिससे उसमें जलकर दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी तथा तीन अन्य घायल हो गए। लोहाघाट की उप जिलाधिकारी नीतू डांगर ने बताया कि दुर्घटना टनकपुर-पिथौरागढ़ बारहमासी सड़क के बंतोली क्षेत्र में शुक्रवार को हुई। बंतोली के पास कार अचानक अनियंत्रित होकर 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई और गिरते ही उसमें आग लग गई।

नासिक में 16.71 लाख की ड्रग्स जब्त, 3 अरेस्ट

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से तीन लोगों को गिरफ्तार कर 320 ग्राम मादक पदार्थ एमडी (मेफेड्रोन) जब्त किया है जिसकी अवैध बाजार में कीमत करीब 16.71 लाख रुपए आंकी गई है। अधिकारी ने बताया कि एक मोटरसाइकिल को रोका, तलाशी के दौरान 200 ग्राम मेफेड्रोन बरामद किया जिसकी कीमत 10.70 लाख रुपए है। सद्गुरु नगर इलाके में एक फ्लैट पर छापा मारकर 6.01 लाख रुपए मूल्य का 120.35 ग्राम एमडी जब्त किया।

नीट-2026 पुनर्परीक्षा आज: रेलवे चलाएगा स्पेशल ट्रेन, बनाए गए हेल्प बूथ

सीआरपीएफ बल लेकर आएगा पेपर जैमर लगे, सीसीटीवी से होगी निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रश्नपत्र ले जाने वाले वाहनों की मॉनिटरिंग के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों की तैनाती की गई है, रात भर जागे

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-2026) की पुनर्परीक्षा का आयोजन 21 जून रविवार को किया जाएगा। भोपाल के 32, इंदौर के 57, जबलपुर के 23 केंद्रो सहित मध्यप्रदेश के 31 जिलों में बनाए गए केंद्रो पर कड़ी सुरक्षा और निगरानी के बीच यह परीक्षा आयोजित होगी। भोपाल में इस परीक्षा में करीब 13 हजार 774 विद्यार्थियों के शामिल होने की उम्मीद है। प्रदेशभर में परीक्षा की शुचिता और छात्रों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए हाई अलर्ट जारी किया गया है।

परीक्षा के लिए रेलवे, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी तैनात किए गए है। शनिवार देर रात तक प्रशासन द्वारा परीक्षा के निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन के लिए सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। केंद्रो पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और जैमर ▶▶ शेष पेज 10 पर, ▶▶ पढ़ें पेज 03 भी

शनिवार को सभी केंद्रों पर की गई मॉक ड्रिल

राजधानी के सुभाष स्कूल में पुलिस की चौकसी

- *भोपाल में 32, इंदौर में 57, जबलपुर में 23 केंद्र सहित 31 जिलों में बनाए गए परीक्षा केंद्र*
- *भोपाल में करीब 13 हजार 774 विद्यार्थी होंगे शामिल*
- *देश के 551 शहरों में 22 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे*

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पर पाबंदी, कड़ी जांच के बाद एंट्री

पात्रता परीक्षा में कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने पर पाबंदी रहेगी। मोबाइल, ब्लूटूथ, ईयरफोन-स्मार्ट वॉच भी नहीं ले जा सकेंगे। मध्य प्रदेश के सभी जिलों में कलेक्टरों ने परीक्षा से पहले गाइडलाइन जारी कर दी है। परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा केंद्रों पर समय से पहले पहुंचे। अभ्यर्थियों को दोपहर 1:30 बजे से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने, आवश्यक दस्तावेज साथ रखने और सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। परीक्षा केंद्रों पर रिपोर्टिंग, फ्रिस्किंग और बायोमेट्रिक सत्यापन की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से शुरू होगी। परीक्षा केंद्र में प्रवेश का अंतिम समय दोपहर 1:30 बजे निर्धारित किया गया है। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध

पेपर लीक और नकल रोकने के लिए शनिवार को सभी 32 केंद्रों पर मॉक ड्रिल की गई है। सभी केंद्र प्रभारियों द्वारा शाम 5 बजे से पहले मॉक ड्रिल कर व्यवस्थाएं देखी गई। मॉक ड्रिल को लेकर भी पूरी गोपनीयता बरती गई। इसमें अभ्यर्थियों की एंट्री, बायोमीट्रिक सत्यापन, फ्रिस्किंग, सुरक्षा व्यवस्था और परीक्षा संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का परीक्षण किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान ▶▶ शेष पेज 10 पर

दो-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था रहेगी, 400 से अधिक पुलिस बल

भोपाल में 400 से अधिक पुलिस बल तैनात किया गया है। भोपाल में 10 नोडल अधिकारी, 32 कार्यपालिक मजिस्ट्रेड और 3 एडीएम की ड्यूटी लगाई गई है। पेपर पहुंचाने सहित अन्य व्यवस्था के लिए सीआरपीएफ की 32 टुकड़ियां तैनात की गई हैं। महिला अभ्यर्थियों के लिए अलग (फ्रिस्किंग) सुरक्षा जांच व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की तैयारियां की गई हैं।

उफ ! ऐसे टूट रहा है समाज में धैर्य

1 शाहदरा स्टेशन प्लेटफॉर्म-3 पर वारदात

ट्रेन में एक सीट के लिए हत्या कर दी लाश पड़ी रही.. लोग रील बनाते रहे

आरपीएफ की भूमिका पर सवाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के दौरान हुए विवाद ने एक दर्दनाक रूप ले लिया, जहां एक यात्री की पिटाई के बाद मौत हो गई। यह घटना प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर योगा एक्सप्रेस में चढ़ने के दौरान हुई, जिससे रेलवे परिसर में हड़कंप मच गया। बागपत निवासी पंकज धामा योगा एक्सप्रेस में चढ़ने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान बोगी के गेट पर मौजूद कुछ यात्रियों से उनकी कहा-सुनी हो गई। मामूली विवाद धीरे-धीरे हिंसक झड़प में बदल गया। गुस्साए सह-यात्रियों ने पंकज धामा पर हमला कर दिया और उन्हें ▶▶ शेष पेज 10 पर

15 दिन से जेल में बंद, जमानत खारिज

दुष्कर्म केस में डिप्टी कलेक्टर माहौर का होगा डीएनए टेस्ट

अरविंद माहौर

जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुरैना

दुष्कर्म के आरोप में पिछले 15 दिन से जिला जेल में बंद डिप्टी कलेक्टर अरविंद माहौर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जिला न्यायालय ने पुलिस के आवेदन पर उनके डीएनए टेस्ट की अनुमति दे दी है। वहीं, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई पेशी के दौरान उन्हें जिला अदालत से राहत नहीं मिली। अब उनकी जमानत याचिका उच्च न्यायालय में पहुंच गई है। सबलगढ़ निवासी एक युवती, जो वर्तमान में मुरैना में रह रही है, ने ▶▶ शेष पेज 10 पर

शहडोल में बंद खदान में डूबा युवक, मौत

मुआवजे की मांग पर 4 घंटे प्रदर्शन आश्वासन के बाद खुल सका रास्ता

खदान में नहीं हैं सुरक्षा के पूरे इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहडोल

शहडोल में एसईसीएल सोहागपुर एरिया की शारदा ओपन कास्ट माइंस की बंद पड़ी कोयला खदान में एक युवक की डूबने से मौत हो गई। यह घटना शनिवार को हुई। हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव रखकर प्रदर्शन किया, जिससे कॉलरी मार्ग करीब चार घंटे तक बाधित रहा। मृतक की पहचान रवि सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रवि अन्य लोगों के साथ शारदा ओपन ▶▶ शेष पेज 10 पर

जीएमसी भावनगर की शर्मनाक घटना

ओटी में मुर्गा बनाया, रातभर जगाया, बोले- सेल्फी भेजो

मेडिकल स्टूडेंट्स के साथ घटिया सलूक 6 सस्पेंड

एजेंसी ▶▶ भावनगर

गुजरात के भावनगर से रैगिंग का एक गंभीर मामला सामने आया है। दो जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर को ऑपरेशन थिएटर के अंदर जबरदस्ती रातभर मुर्गा बनने को मजबूर किया गया। घटना जब सामने आई तो दोषी स्टूडेंट्स के खिलाफ एक्शन लेते हुए उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। मैं गुजरात के जीएमसी भावनगर के ऑर्थोपेडिक्स डिपार्टमेंट में फर्स्ट ईयर का रेजिडेंट डॉक्टर हूं। यहां का टॉर्चर अब बर्दाश्त से ▶▶ शेष पेज 10 पर

2 भिंड के मेहगांव थाना क्षेत्र की घटना

5 रुपए के पीछे चक्की वाले ने युवक का कान दांत से काट लिया

45 की जगह 40 रुपए देने पर भड़का चक्की वाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिंड

मेहगांव थाना क्षेत्र में पांच रुपए के लेनदेन को लेकर आटा चक्की पर विवाद हिंसक हो गया। शुक्रवार शाम खैरियातोर मोड़ स्थित चक्की पर पिसाई के पैसों को लेकर हुए विवाद में संचालक ने ग्राहक का कान दांत से काट लिया। आरोपी का मुंह खून से लाल हो गया। हमले में ग्राहक महरौली गांव निवासी धान सिंह भदौरिया के कान का एक हिस्सा कटकर अलग हो गया। घायल ने मेहगांव थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर ▶▶ शेष पेज 10 पर

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कर दिया स्पष्ट

भारत में कम नहीं होंगे पेट्रोल व डीजल के दाम, वे पहले से ही अन्य देशों से काफी कम

एजेंसी ▶▶ सोनभद्र

हरदीप सिंह पुरी

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि निकट भविष्य में पेट्रोल-डीजल के दाम कम करने की केंद्र सरकार की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें दुनिया के अनेक देशों की तुलना में पहले से ही कम हैं। वह शनिवार को लोढ़ी स्थित सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि भारत उन देशों में शामिल है जहां पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सबसे कम वृद्धि हुई है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश में पेट्रोलियम उत्पादों के दामों में लगभग 80 प्रतिशत तक वृद्धि हुई, जबकि भारत में वृद्धि अपेक्षाकृत काफी कम रही। केंद्र सरकार ने नवंबर 2021 और मई 2022 में एक्साइज ▶▶ शेष पेज 10 पर

यहां पेट्रोल डीजल की कीमतों में सबसे कम वृद्धि

फाइल फोटो

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : सभी संदिग्धों को चेतावनी- अयोध्या न छोड़ें

चंपत राय पर एक्शन लगभग तय, ट्रस्टी अनिल भी हटाए जा सकते हैं, एसआईटी योगी को सौंपेगी रिपोर्ट

जांच में 150 संदिग्धों के नाम, इनमें से 25 लोगों पर होगी कार्रवाई

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच में 150 संदिग्धों के नाम सामने आए हैं। इनमें से 25 लोगों पर कार्रवाई के आसार हैं। जिन लोगों से एसआईटी पूछताछ कर चुकी है, उन्हें अगले आदेश तक कहीं बाहर न जाने की चेतावनी दी गई है। शनिवार को छठे दिन एसआईटी जांच के लिए मंदिर पहुंच गई है।

जांच पूरी कर एसआईटी सोमवार को सीएम योगी को जांच रिपोर्ट सौंपेगी। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा पर कार्रवाई लगभग तय मानी जा रही है। दोनों को पद से हटाया जा सकता है। इसके अलावा मंदिर के निर्माण प्रभारी गोपाल राव को भी पद से हटाया जा सकता है। एसआईटी ने मंदिर परिसर में करीब 6 घंटे तक जांच की। टीम ने चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से अलग-अलग पूछताछ की। साथ ही एसबीआई बैंक के मैनेजर और कैशियर से भी सवाल किए। एसआईटी गोपाल के भतीजे और राम मंदिर कर्मचारी सोमेश आनंद से भी पूछताछ करना चाहती थी, लेकिन वे नहीं मिले। उनका फोन स्विच ऑफ है। जब मामले को लेकर आरोप लगे तब चंपत ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है। विवाद बढ़ा तो भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने 9 जून को पीएम को लेटर लिखकर सीबीआई जांच की मांग की। अगले दिन यानी 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंदिर ट्रस्ट से मामले की रिपोर्ट मांग ली थी।

चंपत राय

अनिल मिश्रा

गोपाल राव

अब तक 2 करोड़ की बरामदगी

चढ़ावा चोरी मामले में 5 लोगों लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर उर्फ टिन्नू की निशानदेही पर अब तक 2 करोड़ रुपए की रिकवरी की गई है। ये सभी मंदिर में दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े थे। मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी टिन्नू के घर से 13 जून को सोना मिला था। हालांकि, सोना कितना है, यह अभी कन्फर्म नहीं है।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

मप्र सरकार ने योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए

स्वस्थ, जागरूक और विकसित भारत की आधारशिला है 'योग'

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मप्र

सीएम का ब्लॉग

'समत्वं योग उच्यते' अर्थात संतुलन ही योग है...श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण का यह संदेश जहां समूचे विश्व को संतुलित करने का सूत्र है और महर्षि पतंजलि ने पतंजलि योग सूत्र में 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' के माध्यम से मानव जीवन को स्वस्थ और निरोग रहने का मार्ग प्रदान किया गया है। भारत की यही सनातन योग परंपरा विश्व को शरीर, मन और आत्मा के स्तर पर संतुलित और समृद्ध बनाने का आधार है। सदियों पूर्व ऋषि-मुनियों द्वारा विकसित जीवन पद्धति आज संपूर्ण विश्व के लिए सुख, शांति और संतुलन का मार्ग है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि योग विश्व मानवता के कल्याण का माध्यम बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की गई। यह निर्णय भारतीय संस्कृति और जीवन-दर्शन के प्रति विश्व समुदाय के सम्मान का प्रतीक है। दुनियाभर के 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग को अपने जीवन का हिस्सा बना चुके हैं। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक नेतृत्व का प्रमाण है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' रखी गई है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मध्यप्रदेश की पावन धरती पर आयोजित समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। उनका आगमन मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। मध्यप्रदेश सरकार ने योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए हैं। प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति के स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए 'घर-घर योग - हर व्यक्ति निरोग' अभियान शुरू किया गया है। प्रदेश में 800 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों तथा विभिन्न चिकित्सालयों में नियमित योग गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। योग-सखी और योग-दूत गांव-गांव और शहर-मोहल्लों तक योग का संदेश पहुंचा रहे हैं।

'हर घर योग अभियान' से जनभागीदारी का नया अध्याय

प्रदेश में 12 मई से आरंभ हुआ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन 'हर घर योग अभियान' से जनभागीदारी का नया अध्याय लिख रहा है। इसी क्रम में आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन योग सत्रों का लाभ प्रदेश के लोगों को प्राप्त हो रहा है। हम सभी के लिए गौरव की बात है कि विगत दिनों इंदौर स्थित मालवांचल यूनिवर्सिटी में आयोजित योग महोत्सव में 35 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने सामूहिक योग कर एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। योग 'वन अर्थ-वन हेल्थ' विचार को व्यवहार में उतारने का माध्यम है जो हमें स्वयं, समाज और प्रकृति से जोड़ता है। यह शरीर को स्वस्थ रखने के साथ जीवन को संतुलित, सार्थक और उत्कृष्ट बनाता है। आज जब दुनिया तनाव, अवसाद, जीवनशैली जनित रोगों और सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे समय में योग मानवता के लिए बड़ा संबल है। ऐसे यह स्वस्थ शरीर, शांत मन और सुखी जीवन का आधार है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अवैध रेत पर कार्रवाई 750 ट्रॉली की नष्ट

मुरैना। चंबल अभयारण्य क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और भंडारण के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है।

पुलिस, वन विभाग और एसएएफ की संयुक्त टास्क फोर्स ने जिले के दो थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर अवैध रूप से डंप की गई 750 ट्रॉली रेत को मौके पर ही नष्ट कर दिया। इस नष्ट की गई रेत की कुल बाजार कीमत करीब 15.40 लाख रुपए आंकी गई है।

सुप्रिया सुले की बेटी की शादी में शामिल हुए डॉ. भागवत

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र) नेता सुप्रिया सुले की बेटी और पार्टी प्रमुख शरद वार की

नातिन रेवती सुले का नागपुर के उद्योगपति सारंग लखानी से विवाह हुआ। इस मौके पर आरएसएस प्रमुख डॉ.मोहन भागवत, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी शामिल हुए।

ऋषिकेश में गंगा स्नान के दौरान 4 पर्यटकों की मौत

ऋषिकेश। ऋषिकेश में गंगा स्नान के दौरान अलग-अलग हादसों में 4 पर्यटकों की डूबने से मौत हो गई।

एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी के शव बरामद कर लिए हैं। मृतकों में दिल्ली का एक दंपत्ति मनीष आर्य और जानकी,शैलेंद्र गुर्जर एवं शौर्य शामिल हैं, जो रविवार को चंद्रेश्वर नगर घाट पर बह गए थे।

सीएम डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री खट्टर ने किया भूमि-पूजन, 2 हजार 548 करोड़ रुपए से अधिक के बनेंगे आवास

मप्र को मिली दोहरी सौगात

38 हजार आवासों में हुआ गृह-प्रवेश, हाईवे के लिए 28 गांवों के 916 किसानों को दिया 816 करोड़ रुपए का मुआवजा

2 हजार 935 करोड़ में बनेगी इंदौर और उज्जैन ग्रीनफील्ड फोर-लेन सड़क

अब इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, धार और रतलाम तक 16 हजार वर्ग किमी में फैले मेट्रोपोलिटन एरिया में 6 रेलवे जंक्शन, 2 एयरपोर्ट, 4 हवाई पट्टी और 2 राजमार्ग शामिल होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने उज्जैन को शनिवार को कई सौगातें दीं। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 2,548 करोड़ से बनने वाले आवासों का भूमि-पूजन किया। इससे 42 हजार से ज्यादा हितग्राहियों को लाभ होगा। 2,935 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली 48.10 किमी लंबी इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड फोर-लेन परियोजना का भूमि-पूजन किया। इससे इंदौर के 20, उज्जैन के 8 और आसपास के ▶▶ शेष पेज 10 पर

सीएम ने कहा कि यह रोड उज्जैन-इंदौर मेटोपोलिटन सिटी के लिए नए सूर्योदय के समान

भूमिपूजन करते खट्टर व सीएम

खट्टर बोले - उज्जैन-इंदौर मेट्रोपोलिटन एरिया के निर्माण से रोजगार, शिक्षा और अधोसंरचना का बड़े पैमाने पर विकास होगा

सांवेर में होंगे 5,657 करोड़ रुपए के विकास कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा इंदौर, उज्जैन और सांवेर को आज 5,657 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात मिली है। इंदौर के पितृेश्वर महादेव से बाबा महाकाल तक आने के लिए सीधी सड़क का ▶▶ शेष पेज 10 पर

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हुए सराहनीय काम : खट्टर

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि लगभग 2900 करोड़ की लागत के इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड फोरलेन परियोजना से दोनों शहरों की दूरी कम होगी। उज्जैन धार्मिक और प्रेरणा की नगरी है और इंदौर आर्थिक और रोजगार का केंद्र है। उज्जैन-इंदौर मेट्रोपोलिटन एरिया के निर्माण से रोजगार, शिक्षा और अधोसंरचना का बड़े पैमाने पर विकास होगा। 38 हजार परिवारों ▶▶ शेष पेज 10 पर

ऐसी मची अफरातफरी

महाराष्ट्र के परभणी में बड़ा हादसा

हनुमान मंदिर के सामने बना सभा मंडप गिरा, सात की मौत

पीएम मोदी ने दुख व्यक्त किया, सीएम देवेंद्र फडणवीस ने 5 लाख की सहायता का ऐलान किया

एजेंसी ▶▶ परभणी

परभणी के मानवत तालुका के यशवाड़ी में मशहूर हनुमान मंदिर के सामने बना सभा मंडप गिर गया है। इस हादसे में कम से कम सात भक्तों की मौत हो गई और अन्य 40 घायल हो गए। मंडप के नीचे फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर बचाव कार्य चल रहा है। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। मानवत तालुका के यशवाड़ी में स्थित हनुमान मंदिर बहुत मशहूर है। यहां पूरे महाराष्ट्र से श्रद्धालु बड़ी संख्या में आते हैं। शनिवार होने के कारण वहां काफी भीड़ थी। साथ ही वीकेंड की छुट्टी होने ▶▶ शेष पेज 10 पर

छह घायल श्रद्धालुओं की हालत गंभीर

हादसे के बाद वहां भगदड़ मच गया। कम से कम सात भक्तों की मौत हो गई और अन्य 30 घायल हो गए। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचा और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। मानवत के तहसीलदार पांडुरंग मोचेवाड ने कहा कि लगभग छह घायल श्रद्धालुओं की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा कि बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और समन्वित प्रयासों से फंसे हुए श्रद्धालुओं को बाहर निकाला।

राजगढ़ में शक्ति प्रदर्शन के बीच यह नजारा

भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष के स्वागत में टूट गया मंच, नीचे गिरे नेता

भीड़ में जिलाध्यक्ष दावेदार के 1.09 लाख रुपए चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजगढ़

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के राजगढ़ दौरे के दौरान शनिवार को शक्ति प्रदर्शन के बीच अव्यवस्थाओं की तस्वीरें भी सामने आईं। श्याम टेलर के स्वागत के लिए बनाए गए एक मंच पर कार्यकर्ताओं की भीड़ इतनी बढ़ गई कि मंच अचानक भरभराकर टूट गया। हादसे में श्याम टेलर, भाजपा जिला अध्यक्ष सहित कई नेता और कार्यकर्ता गिर पड़े। राहत की बात यह रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। वहीं, कार्यक्रम के दौरान शहर में जाम की स्थिति बनी रही और भीड़ का फायदा उठाकर चोरों ने भाजयुमो जिला अध्यक्ष पद के दावेदार गौरव सोनी की जेब से 1 लाख 9 हजार 400 रुपए भी चुरा लिए। टेलर के स्वागत के लिए ब्यावरा नाका से लेकर खिलचीपुर नाका तक बैनर-पोस्टर और स्वागत मंच लगाए ▶▶ शेष पेज 10 पर

अब सेहत से खिलवाड़ मंजूर नहीं

सरकार ने 16 फिक्स्ड-डोज दवाओं पर लगाया पूरा प्रतिबंध

इनसे मरीजों की जान को जोखिम हो सकता है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश में 16 फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। एफडीसी दवाएं वे होती हैं, जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय सामग्रियां (एपीआई) एक निश्चित अनुपात में मिलाई जाती हैं। सरकार का स्पष्ट मानना है कि इन दवाओं का कोई वैज्ञानिक या चिकित्सीय औचित्य नहीं है और इनसे मरीजों की जान को जोखिम हो सकता है। यह कड़ा निर्णय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद फिक्स्ड-डोज दवाओं की समीक्षा के आधार पर लिया गया है। ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति ने इन दवा संयोजनों की बारीकी से जांच की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26ए के तहत अधिसूचना जारी कर इन पर प्रतिबंध लगा दिया। प्रतिबंधित दवाओं का दायरा काफी बड़ा है, जो सीधे आम आदमी की मेडिकल किट से ▶▶ शेष पेज 10 पर

मानसून का अभी 4 से 5 दिन और इंतजार, देरी भी संभव

नौगांव, सीधी और दतिया में पारा 41 से 42 डिग्री के बीच

प्री-मानसून बादल और बौछारों के बीच 4 जिलों में लू, भोपाल में 4 डिग्री गिरा पारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में अब तक दीर्घावधि औसत से 46 प्रतिशत कम बारिश, भोपाल में 40.6 मिमी ज्यादा दर्ज

कोलार के दानिश चौराहे की तस्वीर

राजधानी सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों में शनिवार को सुबह से शाम के बीच मौसम बदला रहा। इस बीच 15 जिलों में पारा बढ़त के साथ दर्ज हुआ। इससे 4 जिलों में लू का असर रहा। इधर, दतिया, नौगांव और सीधी में तापमान 41 से 42 डिग्री तक रहने से तेज गर्मी और उमस महसूस की गई। वहीं, जबलपुर, मंडला, सीधी और मलाजखंड में लू चली। यहां पारा सामान्य से 5 से 8 डिग्री तक अधिक दर्ज हुआ है। भोपाल में 3.9 डिग्री गिरकर 33.4 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.8 डिग्री कम है। इससे शहर में दोपहर बाद कुछ राहत रही। मौसम केंद्र के अनुसार प्रदेश में एक जून से अब तक दीर्घावधि औसत से 46 प्रतिशत कम बारिश हुई है। पूर्वी मध्य प्रदेश में औसत से 65 प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से में औसत से 30 फीसदी कम बारिश हुई है। प्रदेश में अब तक औसतन 31.1 मिमी बारिश हुई, जबकि औसतन 58 मिमी होना थी। यह औसत सामान्य से 46 फीसदी कम है। भोपाल में अब तक कुल 112.4 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 40.6 मिमी अधिक है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार ▶▶ शेष पेज 10 पर

मानसून तीन दिन में बढ़ेगा आगे

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार अभी मानसून अपनी यथा स्थिति में है। यह अगले 2 से 3 दिन में कुछ और आगे बढ़ेगा। मौसम केंद्र ने सीहोर, भोपाल, विदिशा, रायसेन, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, धार, इंदौर, देवास, शाजापुर, आगर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, ▶▶ शेष पेज 10 पर

12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

'स्वस्थ आयु के लिए योग' I 'Yoga for Healthy Ageing'

सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति

मुख्य अतिथि

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

भारत की माननीय राष्ट्रपति

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल

राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

21 जून 2026 | गैरीसन ग्राउंड, जबलपुर

आयुष से आरोग्य

आयुष शिक्षा का विस्तार

9 आयुष महाविद्यालय संचालित एवं
9 नये आयुर्वेदिक महाविद्यालयों को स्वीकृति

तकनीकी नवाचार

'वैद्य आपके द्वार' योजना अंतर्गत ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन परामर्श की सुविधा,
अब तक 23 हजार से अधिक को मिला लाभ

वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा

उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, कान्हा जैसे 18 प्रमुख धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थलों पर
वेलनेस टूरिज्म को नई पहचान देते हुए विशेष वेलनेस केन्द्रों का विकास

जन-जन तक स्वास्थ्य का संबल

800+ आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से गांव-गांव तक स्वास्थ्य सुरक्षा,
हर जिला चिकित्सालय में आयुष विंग सक्रिय

"प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज यह विश्व को स्वस्थ, संतुलित एवं एक सूत्र में जोड़ने का सशक्त माध्यम बन गया है।"

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D- 11046/26

सीधा प्रसारण

@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh

@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP

JansamparkMP

संगीत परिवारों की प्रेरक गाथा, जहां पिता बने 'गुरु' और संतान बनी परंपरा की नई 'पहचान'.....

जब घर का माहौल ही बन जाए गुरुकुल तब सुर स्वयं ही बन जाते हैं 'विरासत'

विश्व संगीत दिवस और फादर्स डे विशेष

मधुरिमा राजपाल ▶▶ भोपाल

संगीत केवल एक कला नहीं, बल्कि पीढ़ियों को जोड़ने वाली ऐसी सांस्कृतिक विरासत है, जो समय के साथ और समृद्ध होती जाती है। जब कोई पिता अपने जीवन को सुरों की साधना में समर्पित करता है और वही संस्कार उसकी संतान के व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाते हैं, तब संगीत केवल मंचों तक सीमित न रहकर परिवार की पहचान बन जाता है। विश्व संगीत दिवस और फादर्स डे के अवसर पर हरिभूमि ने ऐसे कुछ संगीत साधक पिताओं की तलाश की, जिन्होंने न केवल स्वयं संगीत की ऊंचाइयों को छुआ, बल्कि अपनी संतानों को भी सुरों की दुनिया से जोड़कर इस अमूल्य विरासत को आगे बढ़ाया।

वायलिन से मोहन वीणा तक, सुरों में बंधा परिवार

प्रख्यात वायलिन वादक प्रवीण शेवलीकर के लिए संगीत किसी विषय की तरह नहीं, बल्कि जीवन का स्वाभाविक हिस्सा रहा है। उनके पिता संगीत नाटक अकादमी द्वारा सम्मानित पंडित वसंत रामभाऊ शेवलीकर संगीत की दुनिया का प्रतिष्ठित नाम रहे हैं, पिता की उंगलियों से निकलते सुरों को सुनते-सुनते प्रवीण ने संगीत सीखा और आज उसी परंपरा को अपनी बेटियों तक पहुंचा रहे हैं। उनकी बेटी चैताली वायलिन वादन में अपनी पहचान बना रही हैं, जबकि साक्षी मोहन वीणा की साधना में रत हैं। दोनों ने संगीत में विशारद की उपाधि प्राप्त की है। प्रवीण कहते हैं कि उन्होंने कभी अपनी बेटियों पर संगीत सीखने का दबाव नहीं बनाया। घर का वातावरण ही ऐसा था कि संगीत उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बनता चला गया। उन्होंने कहा कि संगीत सिखाया नहीं गया, बल्कि घर के माहौल में जीया गया। शायद यही वजह है कि नई पीढ़ी ने इसे अपने दिल से अपनाया।

वायलिन वादक प्रवीण शेवलीकर।

जहां विरासत बना रियाज, और रियाज बना संस्कार

शास्त्रीय संगीत में विशारद और प्रसिद्ध गायक अनूप जलोटा के शिष्य कैलाश यादव की कहानी भी संगीत और संस्कारों के गहरे रिश्ते को दर्शाती है। संगीत को जीवन का अभिन्न हिस्सा मानने वाले कैलाश यादव ने अपनी पत्नी गुंजन की स्मृति में गुंजन फाउंडेशन की स्थापना की, जिसके माध्यम से वे समाज के विभिन्न वर्गों खासकर आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, व्यवसायी और जनप्रतिनिधि जैसे लोगों को संगीत सिखा रहे हैं। सुरों की भाषा हर वर्ग को जोड़ती है जैसी सोच रखने वाले कैलाश का यही समर्पण उनके बेटे वरुण यादव में भी दिखाई देता है। बचपन से ही संगीत सीख रहे वरुण सूफी गायन की ओर विशेष रुचि रखते हैं, और घंटों सूफियाना संगीत का रियाज करते हैं। कम उम्र में ही उनके कई संगीत एल्बम भी रिलीज हो चुके हैं।

बेटे वरुण के साथ संगीतगुरु कैलाश यादव।

पिता से मिली ध्रुपद साधना, पीढ़ियों तक पहुंचाने का है संकल्प

प्रसिद्ध ध्रुपद गायक पद्मश्री पं. रमाकांत गुंदेचा के पुत्र अनंत गुंदेचा का कहना है कि उनके पिता केवल प्रेरणा स्रोत नहीं, बल्कि गुरु, मार्गदर्शक और जीवन के सबसे बड़े शिक्षक थे। वर्ष 2019 में पिता के निधन के उपरांत उमाकांत गुंदेचा के साथ 'गुंदेचा बंधु' के रूप में ध्रुपद गायन की प्रसिद्ध जुगलबंदी को आगे बढ़ाने वाले अनंत कहते हैं कि बचपन से घर में संगीत का वातावरण था तो संगीत जीवन का स्वाभाविक हिस्सा बन गया। पिता ने भी अपनी रुचि के अनुसार आगे बढ़ने की स्वतंत्रता दी। ध्रुपद गायन से गहराई से प्रभावित होने के बाद उन्होंने पिता तथा पंडित उमाकांत व अखिलेश गुंदेचा से इसकी विधिवत शिक्षा ली। अनंत कहते हैं कि संगीत को साधना और आत्मिक यात्रा मानने वाले मेरे पिता का सबसे बड़ा सपना था कि ध्रुपद अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे और नई पीढ़ी में इसके प्रति रुचि विकसित हो, पिता के इस स्वप्न को हम ध्रुपद संस्थान के माध्यम से आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगीत मेरे लिए केवल कला या पेशा नहीं, बल्कि जीवन को समझने व जीने का माध्यम है। धुरपद गायन के माध्यम से लोगों को संगीत से जोड़ने और प्रेरित करने की यही दृष्टि मुझे मेरे पिता से विरासत में मिली है।

अनंत पिता उमाकांत गुंदेचा के साथ।

रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए रूट तय

नीट परीक्षा आजः ट्रैफिक पुलिस ने किए विशेष इंतजाम, रेलवे ने स्टेशनों पर बनाए 'हेल्प बूथ'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के आयोजन को लेकर भोपाल में व्यापक तैयारियां की गई हैं। रविवार को दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक शहर के 32 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित होगी।

परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की सुविधा के लिए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष यातायात व्यवस्था लागू की है, ताकि मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आने वाले अभ्यर्थियों को जाम या ट्रैफिक बाधा के कारण परीक्षा केंद्र पहुंचनेम देरी न हो।

- ▶▶ दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक शहर के 32 परीक्षा केंद्रों पर 13,774 छात्र देंगे परीक्षा
- ▶▶ परीक्षा केंद्रों में फोन पर रोक लगाने के लिए लगाए जैमर

सुभाष एक्सीलेंसी स्कूल में नीट परीक्षा की तैयारी को लेकर चर्चा करते पुलिसकर्मी।

परीक्षा केंद्रों के आसपास लाउडस्पीकर पर रोक

परीक्षा के दौरान सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन का उद्देश्य है कि परीक्षा दे रहे विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की आवाज या अन्य व्यवधान का सामना न करना पड़े। ट्रैफिक पुलिस और प्रशासन ने अभ्यर्थियों से यातायात नियमों का पालन करने और निर्धारित मार्गों का उपयोग करने की अपील की है, ताकि परीक्षा का आयोजन सुचारू रूप से संपन्न हो सके। ट्रैफिक पुलिस अधिकारी ,एडीशनल डीसीपी बसंत कौल ने बताया कि नीट एग्जाम को लेकर शहर की यातायात व्यवस्था को दुरूस्त किया गया है। ताकि एग्जाम देनें आए अभ्यर्थियों को कोई परेशानी न हो।

गीतांजलि कन्या पीजी कॉलेज पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग

शासकीय गीतांजलि कन्या पीजी कॉलेज, गौतम नगर के आसपास मेट्रो निर्माण कार्य के कारण सिंधी कॉलोनी से कॉजी कैंप और डीआईजी बंगला के बीच का मार्ग काफी संकरा हो गया है। ऐसे में अभ्यर्थियों को नादरा बस स्टैंड, अग्रवाल धर्मशाला, छोला गणेश मंदिर और जेपी ब्रिज तिराहा होते हुए डीआईजी बंगला चौराहे के रास्ते परीक्षा केंद्र पहुंचने की सलाह दी गई है।

आनंद नगर परीक्षा केंद्र के लिए यह रहेगा मार्ग

टीटी नगर, एमपी नगर, कोलार रोड और पुराने भोपाल क्षेत्र से आने वाले अभ्यर्थी शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल आनंद नगर पहुंचने के लिए चेतक ब्रिज, गोविंदपुरा, भेल, महात्मा गांधी चौराहा और पिपलानी पेट्रोल पंप मार्ग का उपयोग कर सकेंगे।

ट्रैफिक पुलिस की परिजनों से अपील...

ट्रैफिक पुलिस ने अभ्यर्थियों और उनके परिजनों से अपील की है कि वे परीक्षा केंद्रों का पहले से निरीक्षण कर लें और परीक्षा शुरू होने से कम से कम 30 मिनट पहले घर से निकलें, ताकि समय पर केंद्र पहुंच सकें।

परीक्षा केंद्रों में लगाए जैमर

परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन खासी सतर्कता बरत रहा है। विद्यार्थी परीक्षा के दौरान फोन के उपयोग न कर सकें, इसके लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए गए हैं।

रेलवे चलाएगा ऑन डिमांड स्पेशल ट्रेनें, रखे रिजर्व रैक

भोपाल। रविवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा देने के लिए हजारों की संख्या में छात्र दूसरे जिलों से राजधानी भोपाल पहुंचेंगे। रेलवे की ओर से अभ्यर्थियों की सुविधा एवं उनके परीक्षा केन्द्रों तक सुगम आवागमन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भोपाल मंडल द्वारा विशेष व्यवस्था की गई हैं तो वहीं रेलवे की ओर से ऑन डिमांड स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना भी बनाई है। इसके चलते स्टेशनों पर रिजर्व में रैक रखा गया।

रेलवे कर्मचारियों की लगाई विशेष ड्यूटी

भोपाल मंडल के अंतर्गत परीक्षा केन्द्रों वाले प्रमुख शहरों भोपाल, विदिशा, होशंगाबाद, गुना एवं अशोकनगर में बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों के आगमन की संभावना को देखते हुए संबंधित रेलवे स्टेशनों पर विशेष हेल्प बूथ स्थापित किए गए हैं। इन हेल्प बूथों पर रेलवे कर्मचारियों द्वारा परीक्षार्थियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान करेंगे। इसके लिए विशेष ड्यूटी लगाई है। सीनियर मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि हेल्प बूथों पर परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचने के मार्ग, स्थानीय परिवहन सुविधाओं, स्टेशन परिसर की आवश्यक जानकारियों तथा अन्य उपयोगी सूचनाओं के संबंध में सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त स्टेशन परिसरों में यात्रियों एवं अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पूछताछ केंद्रों पर विशेष टीम तैनात रहेंगी।

भोपाल में 13,774 छात्र होंगे शामिल : *भोपाल मंडल के क्षेत्राधिकार में स्थित परीक्षा केन्द्रों वाले शहरों में भोपाल में 13,774, गुना में 1,839, विदिशा में 1,709, होशंगाबाद में 1,283 तथा अशोकनगर में 865 परीक्षार्थियों के परीक्षा में सम्मिलित होने की संभावना है।*

एक्शन में जिला प्रशासन, रसूख ध्वस्त...

82 करोड़ की जमीन पर बन रहीं अवैध कॉलोनियों का स्ट्रक्चर ढहाया, कॉलोनाइजरों में हड़कंप

- ***जिला प्रशासन ने कहा- अवैध कॉलोनियां लिस्टेड, आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई***
- ***बाउंड्रीवाल-गेट तोड़े, उखाडी सडकें और अन्य निर्माण***

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में विकसित हो रहीं अवैध कॉलोनियों पर शनिवार को जिला प्रशासन ने बड़ह कार्रवाई करते हुए छह अवैध कॉलोनियों के स्ट्रक्चर को ढहा दिया। जेसीबी और बुल्डोजर से बाउंड्रीवॉल, गेट, सड़कें उखाड़ी गईं। अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई से रिक्त हुई भूमि की कीमत 82 करोड रुपए आंकी गई है। हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। कई प्रभावशाली और रसूखदारों की अवैध कॉलोनियों पर हुई इस कार्रवाई से कॉलोनाइजरों में हड़कंप मच गया।

जिला प्रशासन ने आगे भी कार्रवाई जारी रखने की बात कही है। जिला प्रशासन का अमला सुबह ग्राम जमोनिया छीर, बेरखेड़ी बाज्याफत, सेमरी बाज्याफत, कोलूखेड़ी आदि क्षेत्रों में अवैध रूप से विकसित हो रहीं कॉलोनियों में कार्रवाई करने पहुंचा। इस दौरान बाउंड्रीवाल, गेट, सीसी सडकें व अन्य स्ट्रक्चर ढहाने की कार्रवाई की गई। दिनभर चली इस कार्रवाई से शहर के अन्य कॉलोनाइजरों में हड़कंप मच गया। जिला प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार शहर के अन्य क्षेत्रों में भी अवैध कॉलोनियां लिस्टेड की गई हैं। जिन पर आगे और लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

17 एकड़ भूमि पर बन रही थीं कॉलोनियां

रिद्धि सिद्धि कॉलोनी रकबा 0.6000 है। यह कॉलोनी ओमप्रकाश मीना द्वारा काटी गई है। सपना कॉलोनी का रकबा 1.1189 है। सुनील नागर व अन्य द्वारा इसे विकसित किया जा रहा था। हरदौल कोलिस्टा इकोसिटी कॉलोनी का रकबा 1.846 है। राजेश सिंघानिया के द्वारा काटी जा रही थी। ग्राम जमोनिया छीर स्थित श्रद्धा नाम की अवैध कॉलोनी रकवा 3.3143 है। यह सुनील कुमार सिंह के द्वारा काटी गई है। शनिवार को हुई कार्रवाई में कुल रकबा 6.8792 है। करीब 17 एकड़ उक्त भूमि की बाजार कीमत 48 करोड़ आंकी गई है। जबकि सभी कॉलोनियों का कुल बाजार मूल्य 82 करोड़ रुपए आंका गया है।

इन कॉलोनियों पर कार्रवाई

कोलूखेड़ी में रिद्धि-सिद्धि एवं सपना कॉलोनी, कोलूखेड़ी में राजेश सिंघानिया द्वारा खसरा नंबर-128 के रकबा 1.846 हेक्टेयर पर कॉलोनी काटी जा रही थी। इसका मूल्य करीब 13 करोड़ रुपए है। बरखेड़ी बज्याफत में भूपति परिसर व राधा परिसर के साथ ग्राम सेमरी बज्याफत में विंध्या रैंबो फॉर्म्स पर कार्रवाई की। ग्राम जमोनिया छीर स्थित श्रद्धा नाम की अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई हुई।

भीख मांगने और बिना अनुमति फेरी लगाकर सामान बेचने पर 2 हजार तक की पेनाल्टी लगाई जाएगी

भोपाल रेल मंडल में लागू हुए नए नियम, अधिकारी बोले यात्रियों को नियमानुसार करना होगा सफर

महिला कोच में पुरुष घुसे तो 2500, स्मोकिंग करते पकड़े गए तो लगेगा 2 हजार का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अब ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों बिना टिकट पकड़े जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जुर्माना पहले से दोगुना लगेगा। दरअसल, रेलवे की ओर से नियम तोड़ने वाले यात्रियों को लेकर नियम अपडेट किए हैं। इसके तहत बिना टिकट यात्रा करने पर 500 रुपए जुर्माना लिया जाएगा, जो पहले 250 रुपए था।

वहीं, महिला कोच में घुसने पर 2500 रुपए, स्मोकिंग करने पर 2 हजार रुपए, भीख मांगने और बिना अनुमति फेरी लगाकर सामान बेचने पर 2 हजार तक की पेनाल्टी लगाई जाएगी। भोपाल रेल मंडल की ओर से इन नियमों को लागू कर दिए हैं।

फाइल फोटो

टिकट ट्रांसफर को लेकर भी लगेगा जुर्माना

रेलवे ने किसी दूसरे व्यक्ति के नाम पर बुक टिकट लेकर यात्रा करने वालों पर भी सख्ती बढ़ा दी है। ऐसे मामलों में टिकट जब्त हो सकता है और यात्री से पूरा किराया वसूला जाएगा, साथ ही कम से कम 500 रुपए का अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया जाएगा। जन विश्वास अधिनियम के तहत रेलवे अधिनियम, 1989 की कई धाराओं में बदलाव किया गया है। रेलवे का कहना है कि इन बदलावों का मकसद यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाना, रेलवे परिसर में अनुशासन बनाए रखना और नियम तोड़ने वालों पर सख्ती करना है।

भोपाल स्टेशन पर हो रहा अनाउंसमेंट

रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार यह बदलाव 1 जुलाई से लागू होना था, लेकिन फिर इन नियमों को 20 जून से ही लागू करने का फैसला लिया। भोपाल रेल मंडल में तत्काल से इन नियमों को लागू कर दिया गया। इसको लेकर रेलवे स्टेशनों पर इसको लेकर अनाउंसमेंट किया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्री नियमानुसार टिकट लेकर ही सफर करें।

रेलवे परिसर में थूकने पर देना होगा 500 रुपए

वहीं, अगर कोई व्यक्ति नशे की हालत में ट्रेन या स्टेशन परिसर में हंगामा करता है, यात्रियों को परेशान करता है या रेलवे व्यवस्था में बाधा डालता है तो उसे ट्रेन से हटाया जा सकता है। ऐसे मामलों में 1000 रुपए तक पेनल्टी देनी होगी। इसके अलावा रेलवे परिसर में थूकना, अभद्र व्यवहार करना, प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसना, ट्रैक या यार्ड में बिना अनुमति जाना और यातायात नियम तोड़ना भी कार्रवाई के दायरे में आएगा। ऐसे मामलों में 500 रुपए तक पेनल्टी और गंभीर मामलों में जेल हो सकती है तो वहीं प्रतिबंधित सामान लेकर यात्रा करने वालों के खिलाफ सबसे सख्त नियम बनाए हैं। ऐसे मामलों में सामान जब्त किया जा सकेगा और न्यूनतम 10 हजार रुपए तक पेनल्टी लग सकती है या फिर एक साल तक की सजा भी दे सकती है।

अब प्लॉट के क्षेत्रफल के हिसाब से लगेगा सीवेज कनेक्शन शुल्क, निगम ने तय कीं नई दरें

- ***अब कनेक्शन की राशि के साथ देना होगा मेंटेनेंस शुल्क***
- ***अवैध कनेक्शन को वैध करने दो साल का उपभोक्ता प्रभार लगेगा***
- ***होटल, हॉस्टल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सरकारी संस्थान भी होंगे दायरे में***

भोपाल। नगर निगम प्रशासन ने शहर में सीवेज कनेक्शन के लिए अलग-अलग श्रेणी में 2026-27 के लिए नई दरें तय कर दी हैं। कनेक्शन शुल्क के साथ मेंटेनेंस शुल्क भी देना होगा। इसके अलावा अवैध कनेक्शन पाए जाने पर उसे वैध कराने के लिए दो साल का उपभोक्ता प्रभार भी वसूला जाएगा। निगम परिषद ने मार्च-26 में नई दरों को लागू करने की मंजूरी दी थी। इन दरों को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। निगम द्वारा जारी स्थाई आदेश के तहत आवासीय सीवेज कनेक्शन के लिए एक हजार वर्गफुट तक 3450 रुपए व मेंटेनेंस शुल्क 100 रुपए रहेगा जबकि 3000 वर्गफुट से अधिक क्षेत्रफल पर 5750 रुपए शुल्क रखा गया है। इसी तरह ईडब्ल्यूएस कच्चा और पक्का आवास के लिए राशि 250-500 रुपए रहेगी। व्यक्तिगत दुकानों के लिए 200 वर्गफुट तक निर्मित क्षेत्रफल तक 5175 जबकि 200-500 और 1000 वर्गफुट के लिए 9200, 17250 व 28750 रुपए सीवेज कनेक्शन के लिए चार्ज लगेगा।

मेंटेनेंस शुल्क अलग रहेगा

हॉस्टल, गेस्ट हाउस, होटल, धर्मशाला, अस्पताल, क्लीनिक, नर्सिंग होम, पैथालाजी लैब के लिए 25 बेड तक 34500, 50 बेड तक 57500, 100 बेड तक 80500 और 100 बेड से अधिक तक 115000 रुपए तय किए गए हैं। जबकि मेंटेनेंस शुल्क अलग रहेगा। इसके अलावा स्कूल, कॉलेज, कोचिंग, राज्य और केंद्र सरकार के कार्यालय, संस्थान, शो-रूम, वर्कशाप, शापिंग काम्प्लेक्स, मॉल, निजी कार्यालय, पेट्रोल पंप आदि के लिए अलग-अलग राशि रहेगी। जबकि कॉलोनियों और बहुमंजिला इमारतों के लिए सीवेज कनेक्शन शुल्क 1150 से 3450 रुपए श्रेणीवार तय किया है।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और मंत्री विश्वास सारंग के साथ हजारों युवा हुए शामिल

बड़े तालाब से टीटी नगर स्टेडियम तक गूंजा योग का संदेश

योग से ही बनेगा स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन

बोट क्लब पर योग कार्यक्रम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार सुबह पर राजधानी भोपाल में आयोजित योग कार्यक्रमों में उत्साह और जनभागीदारी का अद्भुत संगम देखने को मिला। टीटी नगर स्टेडियम में आयोजित योग कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ एवं सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने सहभागिता कर योगाभ्यास किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने योग को स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन का आधार बताते हुए नागरिकों, विशेषकर युवाओं से नियमित योग अपनाने का आह्वान किया। इसके पश्चात मंत्री विश्वास सारंग बड़ा तालाब स्थित बोट क्लब में आयोजित योग अभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। प्राकृतिक वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में भोपाल के हजारों युवा, खिलाड़ी, खेल प्रेमी एवं नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए और सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया। मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज पूरी दुनिया भारतीय योग परंपरा को अपना रही है। इस योग दिवस पर 192 देश सामूहिक योग करेंगे, उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और सशक्त जीवन का माध्यम है।

जिलेवार मुख्य अतिथि तय, मुख्यमंत्री जबलपुर में रहेंगे

राज्य शासन ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के लिए जिलेवार होने वाले कार्यक्रमों के लिए मुख्य अतिथि की सूची जारी की है। इसमें मंत्री, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, राज्य मंत्री, सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष व नगर पालिका अध्यक्ष जैसे जन प्रतिनिधि योग दिवस में शामिल होंगे। सूची इस प्रकार है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) से जारी सर्कुलर के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्री राकेश सिंह और इंदर सिंह परमार सभी जबलपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगे।

विधायक व भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल बैतूल में रहेंगे

राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह सिंगरौली, सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी देवास, सुधीर गुप्ता मंदसौर, दर्शन सिंह चौधरी नर्मदापुरम, हिमाद्री सिंह शहडोल, भारती बालाघाट, डॉ राजेश मिश्रा सीधी, बंटी विवेक शाह छिंदवाड़ा,बंशीलाल गुर्जर नीमच, गजेंद्र पटेल बड़वानी, गणेश सिंह मैहर, ज्ञानेश्वर पाटिल बुरहानपुर, शिवमंगल सिंह तोमर शिवपुरी, इसीतरह विधायक व भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल बैतूल, गिरीश गौतम मऊगंज, बृजेंद्र प्रताप सिंह पन्ना, हरिशंकर खटीक टीकमगढ़, अनिल जैन निवाड़ी, मुकेश टंडन विदिशा, सुश्री मीणा मांडवे उमरिया, आदि कार्यक्रम में शामिल होंगे।

काटजू अस्पतालः योग और जुंबा कार्यक्रम आज

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डॉ. कैलाशनाथ काटजू मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान में रविवार सुबह सात बजे योग एवं जुंबा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में संस्थान के चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी तथा अन्य अस्पताल स्टाफ शामिल होंगे। संस्थान की नोडल एवं सेंटर हेड डॉ. रचना दुबे ने बताया कि यह कार्यक्रम वर्ष 2026 अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'योगा फार हेल्दी एजिंग' पर आधारित होगा।

योग अभ्यास को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं:महापौर

योग करतीं महापौर।

भोपाल। योग अभ्यास हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमें इसके महत्व को समझते हुए योग अभ्यास को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लेना चाहिए। यह बात महापौर मालती राय ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व बेला पर आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में कही। वे जोन-2 और जोन-7 में आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में शामिल हुईं और योगासन किया। उन्होंने योग अभ्यार्थियों को प्रोत्साहित भी किया। निगम के सभी जोन क्षेत्रों के चिन्हित स्थानों पर सामूहिक योग कार्यक्रम हुए। इनमें निगम के सफाई मित्रों सहित अन्य कर्मचारी व अधिकारी तथा जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर विभिन्न योग आसनों का अभ्यास किया। उक्त कार्यक्रमों में निगम के उपायुक्त हीरेन्द्र सिंह कुशवाह, महापौर परिषद के सदस्य आरके सिंह बघेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि व गणमान्य लोग मौजूद थे।

मंत्री व अन्य प्रतिनिधि मंडल रहेंगे मौजूद

योग दिवस के चलते आज टीटी नगर स्टेडियम के आस-पास बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रविवार (21 जून) विश्व योग दिवस पर राजधानी के टीटी नगर स्टेडियम में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके चलते स्टेडियम के आस-पास सुबह 6 से 8 बजे तक सभी वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बंद रहेगा। इसलिए आज यहां से निकलने से बचें, नहीं तो परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों का कहना है योग दिवस पर टीटी नगर स्टेडियम पर एक बड़ा आयोजन किया जाएगा। इसमें मंत्री व अन्य जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल होंगे। इसलिए यहां पर ट्रैफिक व्यवस्था को परिवर्तन किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए व्यवस्थित तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम में निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा। योग दिवस का यह आयोजन न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का माध्यम बनेगा, बल्कि नागरिकों को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए भी प्रेरित करेगा।

सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा

यह रहेगी पार्किंग व्यवस्था

- कमला नेहरू स्कूल से मॉडल स्कूल तक का मार्ग प्रतिबंधित रहेगा।
- काटजू अस्पताल, राजस्थान मिष्ठान भंडार और टीटी नगर थाना चौराहे से स्टेडियम की ओर जाने वाले रास्ते बंद रहेंगे।
- टीटी नगर स्टेडियम और उसके आसपास के इलाकों में यातायात व्यवस्था बदली रहेगी।
- कार्यक्रम के दौरान रोशनपुरा चौराहा, अपेक्स बैंक तिराहा, माता मंदिर मार्ग, रंगमहल चौराहा, जवाहर चौक और भारत माता चौराहे पर वाहनों का अत्यधिक दबाव रहने की संभावना है।

वैकल्पिक मार्ग

- **कोलार से शहर आने वालेः** माता मंदिर, पीएनटी चौराहा और स्मार्ट रोड होते हुए पॉलिटेक्निक चौराहे की ओर जा सकेंगे।
- **पुराने शहर से नए शहर जाने वालेः** कंट्रोल रूम, जेल रोड और व्यापम चौराहे से होकर लिंक रोड-2 का उपयोग कर सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील बनेंगे सभी विवि

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण को लेकर जुलाई में होगी विशेष ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के महत्व को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी सरकारी और निजी कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के 25 जुलाई 2025 के महत्वपूर्ण निर्णय के पैरा 35 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों, शैक्षणिक सहायकों, अधिकारियों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

6, 7 और 8 जुलाई को दिया जाएगा प्रशिक्षण

प्रदेशभर में 6, 7 और 8 जुलाई को आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण अभियान का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों के हर कर्मचारी को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाना है, जिससे किसी भी विद्यार्थी में मानसिक तनाव, अवसाद अथवा अन्य मनोवैज्ञानिक समस्याओं के प्रारंभिक संकेतों की समय रहते पहचान कर उसे उचित परामर्श, सहायता एवं विशेषज्ञ उपचार की दिशा में मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा सके। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों के लिए अधिक संवेदनशील, सहयोगी एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्राचार्य के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण 6 जुलाई से

उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए यह ऑनलाइन प्रशिक्षण 6 जुलाई 2026 को किया जाएगा, जबकि निजी कॉलेजों के प्राध्यापकों और कर्मचारियों के लिए 7 जुलाई को होगा।

प्री मानसून बारिश में तरबतर राजधानी...

भोपाल। प्रीमानसून बारिश ने शनिवार को राजधानी के अधिकतर हिस्सों को तरबतर कर दिया। पहला चित्र कमला पार्क रोड का है जहां दोपहर 1 बजे बारिश हुई। वहीं, दूसरा चित्र दानिश चौराहे का है जहां दोपहर 2.30 बजे तेज बारिश ने परेशान कर दिया।

छात्राओं से राज्यपाल ने की आत्मीय भेंट

इंजीनियर-डॉक्टर बनकर देश का नाम रोशन करें

छात्राओं से भेंट करते राज्यपाल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने शनिवार को जबलपुर में शास्त्री ब्रिज स्थित नरसिंह मंदिर परिसर में संचालित भगिनी निवेदिता बालिका छात्रावास पहुंचकर जनजाति छात्राओं से आत्मीय भेंट की और परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने, इंजीनियर और डॉक्टर बनकर देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल पटेल के आगमन पर छात्राओं तथा विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अखिलेश मिश्रा एवं प्रादेशिक सचिव डॉ. सुधीर अग्रवाल ने शाल एवं पुष्प भेंटकर उनका स्वागत किया। राज्यपाल पटेल ने छात्रावास के कमरों का भ्रमण किया तथा बालिकाओं से संवाद किया और उन्हें पढ़ाई के प्रति गंभीर रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्राओं से उनके परिवार और पढ़ाई-लिखाई के बारे में भी आत्मीयता से जानकारी प्राप्त की।

भगिनी निवेदिता छात्रावास पहुंचे राज्यपाल

पूरी लगन और मेहनत से अध्ययन करें

छात्राओं से बातचीत में राज्यपाल ने कहा कि उनकी भी तीन बेटियां हैं और उनकी नातिन कंप्यूटर इंजीनियर है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि आप सभी इंजीनियरिंग की छात्राएं हैं, इसलिए पूरी लगन और मेहनत से अध्ययन करें, डॉक्टर और इंजीनियर बनें तथा देश का नाम रोशन करें। उन्होंने यह भी कहा कि विद्या भारती जैसे संस्थान में पढ़ना सौभाग्य की बात है। राज्यपाल ने शिक्षकों से भी मुलाकात कर छात्राओं की पढ़ाई और छात्रावास की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अखिल भारतीय बालिका शिक्षा प्रमुख रेखा चूड़ासमा के कार्यों की सराहना भी की। कार्यक्रम में आयुक्त धनंजय सिंह, आईजी प्रमोद वर्मा, विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अखिलेश मिश्रा, प्रादेशिक सचिव डॉ. सुधीर अग्रवाल, संगठन मंत्री अमित दवे, विष्णुकांत ठाकुर, ईश्वर पटेल, हरिराम तिवारी, विवेक चौधरी, कमलेश अग्ररेही मंजू दीदी सहित बड़ी संख्या में छात्राएं और शिक्षकगण उपस्थित रहे।

डॉक्टर्स-सीटी स्कैन की भी हो व्यवस्था

श्रमिक संगठनों ने किया ईएसआई अस्पताल का घेराव मल्टी-स्पेशियलिटी सुविधाएं आरंभ करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

श्रमिक संगठनों ने किया ईएसआई अस्पताल का घेराव।

सोनागिरी स्थित कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति और मरीजों को हो रही परेशानियों को लेकर शनिवार को श्रमिक संगठनों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद अस्पताल प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की मांग की गई। ज्ञापन में अस्पताल में मल्टी स्पेशियलिटी सेवाएं शुरू करने, विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की संख्या बढ़ाने, सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने, आवश्यक दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा 24 घंटे प्रभावी आपातकालीन सेवाएं संचालित करने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने यह भी मांग उठाई कि अन्य स्थानों पर स्थानांतरित किए गए चिकित्सकों और कर्मचारियों को पुनः ईएसआई अस्पताल सोनागिरी में पदस्थ किया जाए, ताकि अस्पताल में डॉक्टरों और स्टाफ की कमी दूर हो सके और मरीजों को बेहतर उपचार मिल सके। श्रमिक नेता दीपक गुप्ता ने कहा कि ईएसआई अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले श्रमिकों और उनके परिवारों को गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

सामान्य सभा, प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित

यूनाइटेड हॉस्पिटल्स डायरेक्टर्स एसोसिएशन की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

यूनाइटेड प्राइवेट हॉस्पिटल्स डायरेक्टर्स एसोसिएशन मप्र अस्पताल संचालक यूनियन की 16वीं सामान्य सभा एवं प्रदेश स्तरीय बैठक गुरुवार को आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विशाल सिंह बघेल ने की। इस मौके पर डॉ. जीशान अहमद, डॉ. जेपी पालीवाल, डॉ. कृष्णा काटेवा, डॉ. राहुल सप्रे, डॉ. नरेंद्र सिंह सहित प्रदेश भर के अस्पताल संचालक शामिल हुए। इस दौरान निजी अस्पतालों पर बढ़ते नियामकीय दबाव, जटिल अनुपालन प्रक्रियाओं, बढ़ती संचालन लागत और बदलते स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य पर गहरी चिंता जताई गई। इस मौके पर निजी अस्पतालों की एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए सभी निजी अस्पतालों को एक मंच पर आकर सामूहिक आवाज बुलंद करने को लेकर सहमति बनी।

■ सामूहिक आवाज बुलंद करने पर सहमति

निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने रिजिड ब्रोंकोस्कोपी से बिना ऑपरेशन बचाई मासूम की जान

खेल-खेल में मासूम ने निगला पत्थर, श्वांस नली में जाकर अटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के एक निजी अस्पताल में डॉक्टरों ने साढ़े चार साल के मासूम की सांस की नली में फंसे पत्थर को बिना सर्जरी के सफलतापूर्वक बाहर निकाला गया। पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. प्रखर अग्रवाल और डॉ. कीर्ति ने जनरल एनेस्थीसिया में रिजिड ब्रोंकोस्कोपी तकनीक का उपयोग करते हुए पत्थर को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की। यह प्रक्रिया तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि पत्थर सांस की नली में काफी गहराई पर फंसा हुआ था। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि पूरी प्रक्रिया के दौरान बच्चे की स्थिति स्थिर बनी रही और बिना किसी जटिल सर्जरी के पत्थर को सफलतापूर्वक निकाल लिया गया। पत्थर हटते ही बच्चे की श्वांस नली पूरी तरह खुल गई और उसकी सांस लेने की समस्या तुरंत ठीक हो गई।

सफल ऑपरेशन के बाद स्वस्थ बच्चे और परिजनों के साथ मौजूद टीम।

खांसी और सांस लेने में मासूम को हो रही थी परेशानी

टीकमगढ़ निवासी करीब साढ़े चार साल का बच्चा पिछले एक महीने से लगातार खांसी, सांस लेने में परेशानी और बार-बार छाती में संक्रमण जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। परिजन उसे स्थानीय स्तर पर इलाज कराते रहे, लेकिन बीमारी का सही कारण सामने नहीं आ सका। जब स्थिति ज्यादा बिगड़ी तब बच्चे को भोपाल एक निजी अस्पताल में लाया गया। यहां जांच के दौरान एक्स-रे में सांस की नली में किसी विदेशी वस्तु के फंसे होने की आशंका सामने आई। इसके बाद ब्रोंकोस्कोपी (दूरबीन से जांच) की गई, जिसमें स्पष्ट हुआ कि काले रंग का लगभग 1 से 1.5 सेंटीमीटर आकार का पत्थर बच्चे के बाएं फेफड़े की मुख्य श्वासनली के अंतिम हिस्से में फंसा हुआ है।

अभा विद्युत मजदूर महासंघ की पुणे में राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक शुरू

भोपाल। अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक 20 एवं 21 जून को पुणे में आयोजित की जा रही है। प्रथम दिवस पदाधिकारी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, प्रदेश महामंत्री एवं राज्यों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। शुभारंभ अखिल भारतीय अध्यक्ष मधुसूदन जोशी, होल्डिंग कंपनी के डायरेक्टर विश्वास पाठक, विद्युत प्रभारी राधेश्याम जायसवाल, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरलीकृष्णन तथा महामंत्री डी. राजा मुरुगन की उपस्थिति में हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक प्रारंभ हुई, जो 21 जून तक चलेगी। बैठक में विद्युत क्षेत्र से जुड़े कर्मियों, अधिकारियों, पेंशनरों एवं संविदा कर्मियों की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व टीटी नगर स्टेडियम में कार्यक्रम

योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी संतुलित बनाता है, भारत की संस्कृति और लोक परंपरा की अद्भुत जीत: सेठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत की दुनिया में शक्तिशाली होने का प्रमाण इसी से लगाया जा सकता है कि जब भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री दुनिया से योग को अपनाने के लिए आह्वाहन करते है तो तुरन्त ही दुनिया के 177 देश इसे स्वीकार करते हुए 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का संकल्प लेते हैं। यह भारत, भारत की संस्कृति और भारत की लोक परम्परा की ही जीत है।

यह विचार केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार संजय सेठ ने आरोग्य भारती द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर सामूहिक योग अभ्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रखी। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के पूर्व दिवस पर मप्र योग आयोग के संयुक्त तत्वावधान में टीटी नगर स्टेडियम में 'स्वस्थ आयु के लिए योग' विषय पर आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि सेठ ने कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मन को भी संतुलित एवं सकारात्मक बनाता है। उन्होने सभी से योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वाहन किया। उन्होने स्वयं का उदाहरण देते हुए बताया कि मेरे स्वास्थ्य का राज यही है कि मैं स्वयं प्रतिदिन 400 कपालभाती एवं 40 मिनट अनुलोम-विलोम, योग एवं प्राणायाम नियमित करता हूं।

आरोग्य भारती के सामूहिक योग अभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री

पांच हजार से अधिक लोग हुए शामिल

कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, सभी विधा के चिकित्सकों, चिकित्सा विद्यार्थियों एवं शहर के अन्य गणमान्य सहित लगभग 5000 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में 92 वर्ष की शशि सूद जो स्वयं योग करते हुए योग कक्षाएं चलाती हैं तथा लगातार 12 घंटे तक सूर्यनमस्कार लगाने वाले प्राण पटेल को सम्मानित किया गया।

डॉ. वार्ष्णेय ने योग के महत्व पर डाला प्रकाश

कार्यक्रम सारस्वत वक्ता के रूप में उपस्थित आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय ने आरोग्य भारती का परिचय कराते हुए योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास तनाव, चिन्ता एवं विभिन्न जीवन शैली जनित रोगों से बचाव में सहायक है। साथ ही व्यक्ति के समग्र व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि के रूप में मंत्री विश्वास सारंग एवं विधायक भगवानदास सबनानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्षता मध्य प्रदेश योग आयोग के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र शर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन आरोग्य भारती मध्य भारत प्रांत के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा के द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, प्राकृतिक खेती में अत्यंत सहायक है गोमाता के गोबर-गोमूत्र से बनी खाद

प्राकृतिक खेती अपनाने वाले राज्यों में मप्र अव्वल फसलों में रासायनिक खाद का उपयोग नुकसानदेह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बरखेड़ीकला स्थित राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान (सिपेट) में 'प्राकृतिक खेती कार्यशाला सह कृषक संगोष्ठी' में पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संपूर्ण संबोधन का श्रवण किया। मुख्यमंत्री ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने गांव, गरीब, अन्नदाता किसान, युवा और नारी सहित सभी वर्गों के कल्याण से विश्व में भारत की अलग ही पहचान बनाई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश को दो-दो नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है। इससे प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा और उनके सूखे खेतों में फसलें लहलहाएंगी। आज देश के हर गांव-कस्बे तक बिजली, पानी, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं का जाल बिछ रहा है। प्रधानमंत्री ने ही देश के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि देने की योजना प्रारंभ की है। इस अवसर पर विधायक रामेश्वर शर्मा, अपर मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल, आयुक्त श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव, कलेक्टर भोपाल प्रियंक मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में साकार होते देख रहे हैं रामराज्य की संकल्पना

गाय प्राकृतिक खेती में सर्वाधिक मददगार, गाय पालने वालों को सहायता

हमारी प्राकृतिक खेती से दुनिया लाभान्वित हो, यही उद्देश्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फसलों में कीटनाशक और रासायनिक खाद का उपयोग नुकसानदेह है। इससे कैंसर जैसी कई घातक बीमारियां जन्म लेती हैं। सरकार ने किसानों को पुनः प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए पहल की है, इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। आज हमारा मध्यप्रदेश देश में सर्वाधिक प्राकृतिक खेती करने वाला राज्यों में अव्वल स्थान पर है। उन्होंने कहा, प्राकृतिक खेती की उपज को उचित दाम दिलवाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। हमारी प्राकृतिक खेती से दुनिया लाभान्वित हों, इसी भाव से कार्य करते हुए प्रदेश में तेजी से गोशालाओं का विस्तार किया जा रहा है।

किसान गोबर-गौमूत्र से खाद बनाकर खेतों में डालें

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी गौमाता प्राकृतिक खेती में सबसे अधिक मददगार प्राणी है। किसान गोबर और गौमूत्र से खाद बनाकर खेतों में डालें, इसी उद्देश्य से गौपालक किसानों को हमारी सरकार हर महीने 1100 रुपए प्रति गाय की दर से आर्थिक सहायता दे रही है। गौ-आधारित कृषि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्राकृतिक खेती के जरिए किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है। इससे धरती माता की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी और विदेशी रासायनिक खाद पर निर्भरता भी घटेगी। प्रदेश के नागरिकों को प्राकृतिक तरीके से उगाए देसी ज्वार, बाजरा और गेहूं-चना का स्वाद मिलेगा।

आय बढ़ाने के साथ-साथ प्राकृतिक खाद निर्माण में भी मिलेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को दूध उत्पादन से भी जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती में मिट्टी की जल धारण क्षमता बढ़ती है। कम सिंचाई में भी फसल अच्छी होती है। प्राकृतिक खेती केवल खेती की एक तकनीक ही नहीं, धरती माता, किसान और उपभोक्ता- तीनों के स्वास्थ्य की रक्षा का अभियान है। जलवायु परिवर्तन के दौर में यह एक महत्वपूर्ण समाधान है।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने कपिला गोशाला पहुंचकर किया गौ पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य, बिजली मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को उज्जैन के ग्राम रत्नाखेड़ी स्थित कपिला गौशाला पहुंचकर गौ-माता की पूजा कर पशु आहार खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य शासन की ओर से स्थानीय निकायों के माध्यम से गौशाला संचालन का मॉडल विकसित किया गया है। इसके तहत नगरीय एवं ग्रामीण निकायों को गौशाला संचालन के लिए आवश्यक सहयोग एवं सहायता उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही बड़े स्तर पर सामुदायिक गौशाला संचालित करने के इच्छुक संस्थानों एवं व्यक्तियों को भी शासन कीओर से प्रोत्साहन एवं सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

गौशाला का निरीक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया

इसके अतिरिक्त गोवंश औषधालय, भूसा भंडारण शेड, गौ सेवा शाला, बायोगैस संयंत्र, प्रशासनिक भवन, प्रयोगशाला, डेयरी, गोवंश अंतिम संस्कार क्षेत्र, आगंतुकों के लिए पार्किंग एवं उद्यान क्षेत्र, वॉच टावर तथा वृक्षारोपण क्षेत्र का निर्माण भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने गौशाला का निरीक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गौ शाला के रख-रखाव के लिए नगर निगम के किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा इस क्षेत्र का कायाकल्प कर इसे गौ संरक्षण एवं संवर्धन के एक आदर्श केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

ये लोग मुख्य रूप से रहे मौजूद

इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बाल योगी उमेश नाथ महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, संभागायुक्त आशीष सिंह, एडीजी राकेश गुप्ता, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, एडीएम अत्येंद्र सिंह गुर्जर सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

हजारों किसानों ने लिया भाग

भाजपा किसान मोर्चा ने लगाईं कृषि कार्यशालाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण एवं विकास के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा 19 एवं 20 जून को प्रदेशभर में प्राकृतिक खेती कार्यशालाओं का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में हजारों किसानों ने भाग लेकर प्राकृतिक खेती की तकनीकों, लाभों एवं पर्यावरण संरक्षण में इसकी भूमिका की जानकारी प्राप्त की। प्रदेश के सभी जिलों में दो-दो प्राकृतिक खेती कार्यशालाएं आयोजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके तहत कृषि विभाग एवं भाजपा किसान मोर्चा के समन्वय से व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यशालाओं का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना, खेती की लागत कम करना तथा उनकी आय में वृद्धि के लिए प्रेरित करना था। राज्य स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन भोपाल स्थित राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान, बरखेड़ी कला में किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

पीएम मोदी के कार्यक्रम का प्रसारण देखा

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पश्चिम बंगाल के कोलकाता से प्रसारित किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किसानों एवं जनप्रतिनिधियों ने देखा और सुना। संबोधन में पीएम मोदी ने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया। मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ने ग्वालियर जिले के बिलोआ में किसानों से संवाद किया तथा प्राकृतिक खेती को आत्मनिर्भर और लाभकारी कृषि का आधार बताया।

कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अहम चर्चा

महिला मोर्चा ने पर्यावरण पर आयोजित किया संवाद कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शनिवार को संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर भारतमाता चौराहे के समीप स्थित दद्दू के मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर "एक पेड़ माँ के नाम", ईंधन की खपत कम करने हेतु जन-जागरण तथा खाद्य तेल के कम उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक पौधरोपण, ईंधन की बचत के प्रति जनजागरुकता तथा स्वस्थ जीवन के लिए खाद्य तेल के सीमित उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

कर्मचारी घट रहे हैं, जिम्मेदारियां बढ़ रही हैं

नगर निगम में हर महीने कई कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, लेकिन उनकी जगह नए लोगों की नियुक्ति नहीं हो पा रही। नतीजा यह है कि जमीनी स्तर पर कामकाज प्रभावित होने लगा है। पुराने शहर के एक जोन में ही पिछले कुछ समय में 15 से 20 कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं, जिससे काम का दबाव शेष कर्मचारियों पर बढ़ गया है। हालात ऐसे हैं कि एक ही कर्मचारी को शिकायतें सुनने, संपत्तिकर वसूली, नोटिस तामील कराने और नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान करने जैसे कई काम एक साथ संभालने पड़ रहे हैं। क्षेत्रीय पार्षद भी इस समस्या से निगम प्रशासन को अवगत करा चुके हैं, लेकिन समाधान नजर नहीं आ रहा। दूसरी ओर निगम लगातार नई जिम्मेदारियां बढा रहा है। जलापूर्ति, सीवेज और मानसून से जुड़े कार्यों का दबाव अलग है। कर्मचारियों की कमी किसी एक जोन या वार्ड तक सीमित नहीं, बल्कि कई कार्यालय इसी समस्या से जूझ रहे हैं। सवाल यह है कि बढ़ते शहर की जरूरतों के बीच निगम मानव संसाधन की इस कमी को कब और कैसे दूर करेगा?

तेज हवा-पानी निगम के लिए बना मुसीबत

शहर में पिछले दिनों आई तेज हवा और बारिश ने नगर निगम की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। महज एक दिन के बिगड़े मौसम ने हजारों पेड़ों को धराशायी कर दिया, लेकिन दस दिन बाद भी हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हो सके हैं। अनुमानित 10 हजार से अधिक पेड़ और बड़ी शाखाएं अलग-अलग इलाकों में गिरीं। मुख्य मार्गों से तो इन्हें हटाकर यातायात बहाल कर दिया गया, लेकिन कॉलोनियों और अंदरुनी क्षेत्रों में अब भी कई स्थानों पर पेड़ पड़े हैं। वजह वही पुरानी-अमले और संसाधनों की कमी। गार्डन विभाग के पास सीमित कर्मचारी और गिने-चुने वाहन हैं। हालात ऐसे बने कि सिविल, जलप्रदाय, सीवेज और अतिक्रमण शाखा के कर्मचारियों को भी पेड़ हटाने के काम में लगाना पड़ा। सवाल यह है कि हर साल मानसून से पहले तैयारियों के दावे किए जाते हैं, फिर एक बारिश व्यवस्था पर इतनी भारी क्यों पड़ जाती है?

पौधरोपण में भी आंकड़ों में हेराफेरी की चर्चाएं

नगर निगम के गलियारों में इन दिनों पौधरोपण के आंकड़ों को लेकर खूब चर्चाएं हैं। शहर के प्रमुख चौराहों, पॉश इलाकों और सेंट्रल वर्ज पर हरियाली बढ़ाने के नाम पर हजारों पौधे लगाने का दावा किया गया है, लेकिन इन दावों पर सवाल भी उठ रहे हैं। चर्चा है कि कहीं 10 श्रमिकों ने दो दिन में तीन हजार से अधिक पौधे रोप दिए, तो कहीं 12 कर्मचारियों ने महज तीन-चार दिन में आठ हजार पौधे लगाने का रिकॉर्ड बना दिया। मिट्टी की ढुलाई और उपयोग के आंकड़े भी कम हैरान करने वाले नहीं बताए जा रहे हैं। बेशक शहर में हरियाली बढ़ना अच्छी बात है, लेकिन यदि हजारों पौधे लगाए गए हैं तो उनका धरातल पर दिखाई देना भी जरूरी है। कई स्थानों पर अपेक्षित संख्या में पौधे नजर नहीं आ रहे, जिससे दावों और वास्तविकता के बीच अंतर की चर्चा तेज हो गई है। अब जरूरत इस बात की है कि पौधरोपण के आंकड़ों का भौतिक सत्यापन हो, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि हरियाली सिर्फ कागजों पर बढ़ी है या जमीन पर भी।

एमएम सिद्दीकी

चीता मॉनिटरिंग टीम के सदस्यों से करेंगी मुलाकात

राष्ट्रपति मुर्मु आज कूनो नेशनल पार्क में करेंगी रात्रि विश्राम, सुरक्षा मुस्तैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु 21 जून को श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में रात्रि विश्राम करेंगी। राष्ट्रपति 21 जून को पहले

ग्वालियर पहुंचेंगी। इसके बाद वे वायु सेना के विशेष हेलिकॉप्टर से रवाना होकर कूनो नेशनल पार्क के पालपुर पहुंचेंगी। राष्ट्रपति मुर्मु कूनो में बोत्सवाना से लाए गए चीतों के बाड़ों, उनकी देखरेख और प्रोजेक्ट चीता की प्रगति की जानकारी लेंगी। राष्ट्रपति मुर्मु कूनो में 22 जून को चीता सफारी करेंगी, साथ ही चीता मित्रों, चीता मॉनिटरिंग टीम के सदस्यों और कूनो के गाइडों से भी मिलेंगी।

राष्ट्रपति की अगवानी के लिए मंत्री शुक्ला मिनिस्टर-इन-वेटिंग

राज्य शासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मु की श्योपुर में 21 जून को अगवानी एवं 22 जून को विदाई के लिए नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला को मिनिस्टर- इन- वेटिंग नामित किया गया है।

विद्युत सब स्टेशनों का निरीक्षण कर एमडी ने दिए निर्देश

सिंहस्थ-2028 के लिए एमपी ट्रांसको के कार्यों में समय-सीमा का रखा जाए विशेष ध्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश पर राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के अंतर्गत मप्र पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की ओर से किए जा रहे पारेषण अधोसंरचना विकास कार्यों का निरीक्षण कंपनी के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने किया। उन्होंने 132 केवी सब स्टेशन चिंतामन तथा उज्जैन के प्रथम 132 केवी जीआईएस सब स्टेशन त्रिवेणी विहार के निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। प्रबंध संचालक ने अधिकारियों एवं कार्यदायी एजेंसियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ से संबंधित नोटिफाइड कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर तथा उच्चतम गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाए।

750 मेगावाट की तैयारी

सिंहस्थ -28 के दौरान विद्युत की अनुमानित अधिकतम 750 मेगावाट की मांग रहने का आकलन किया गया है। इस मांग की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एमपी ट्रांसको द्वारा उज्जैन में विभिन्न सब स्टेशनों का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में शहर में दो नए एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचटी) विद्युत सब स्टेशनों के कार्यों की समीक्षा की। अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करते हुए सभी परियोजनाओं को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक के साथ निरीक्षण में उज्जैन एवं इंदौर क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

पारदर्शी कृषि विपणन व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

देश में पहली बार लागू की गई एक अभिनव व्यवस्था

मप्र की भावांतर भुगतान योजना को मिला प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड-2026

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र शासन की किसान हितैषी एवं नवाचार आधारित भावांतर भुगतान योजना-2025 को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार शनिवार 20 जून को पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में भावांतर योजना-2025 तथा ई-मंडी योजना को एकीकृत डिजिटल ढांचे के तहत लागू किया गया है। यह पहल किसानों को मूल्य संरक्षण, त्वरित भुगतान और पारदर्शी कृषि विपणन व्यवस्था

उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भावांतर योजना-2025 के तहत सोयाबीन की खरीदी पूर्णतः ई-मंडी एप्लीकेशन के माध्यम से की गई। यह देश में पहली बार लागू की गई एक अभिनव व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य किसानों को बाजार भाव में गिरावट से सुरक्षा प्रदान करना है।

यह उपलब्धि मप्र की कृषि के लिए राष्ट्रीय स्तर का प्रमाण

मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड भोपाल की ओर से यह सम्मान प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशन में सहायक संचालक योगेश नागले, गोविंद शर्मा एवं निरंजन सिंह ने ग्रहण किया। दोनों एप्लीकेशन एनआईसी भोपाल से विकसित की गई हैं। पुरस्कार समारोह में अध्यक्ष प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद प्रो. एस. महेंद्र देव, अपर सचिव विधि एवं न्याय मंत्रालय डॉ. मनोज कुमार, संचालक इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन

मप्र पर्यटन के 'रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन' को 'स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2026'

भोपाल। मप्र पर्यटन बोर्ड ने पर्यटन क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित करते हुए अपने 'रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन' के लिए प्रतिष्ठित 'स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2026' प्राप्त किया है। यह सम्मान राज्य में सतत, समुदाय-केंद्रित एवं पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिये किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान 108वें स्कॉच समिट 'विकसित भारत' के अंतर्गत नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह प्रदान किया गया। इस अवसर पर देश से नीति-निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ उपस्थित रहे। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की ओर से रेसिडेंट मैनेजर देवेंद्र राय ने यह सम्मान ग्रहण किया। यह उपलब्धि प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में नवाचार, समावेशिता एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के प्रति मप्र पर्यटन की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

खबर संक्षेप

नगर परिषद उपयंत्री मुकेश जैन को दी विदाई

औबेदुल्लागंज। नगर परिषद औबेदुल्लागंज के उपयंत्री मुकेश जैन का नर्मदापुरम नगर पालिका में स्थानांतरण होने पर शनिवार को नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारियों ने एक समारोह में उन्हें विदाई दी। अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे एवं पार्षद सुजीत यादव, हेमलता चौरसिया ने कहा कि इनके द्वारा साढ़े तीन वर्ष के कार्यकाल में विकास कार्यो की झडी लगा दी, तभी हम जनता को सुविधाएं दे सके। सीएमओ किरण राहंगडाले ने कहा कि मुकेश जैन तकनीकी एवं प्रशासनिक रूप से दक्ष हैं। निर्विवाद एवं निष्पक्ष रहते हुए विकास कार्यो की योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण धरातल पर उतारा।

सीएमओ के तबादले की अफवाह पर विराम

औबेदुल्लागंज। पिछले कुछ दिनों से नगर में यह चर्चा जोरों पर थी कि नगर पंचायत की मुख्य नगर पालिका अधिकारी किरण रंगडाले का तबादला होने वाला है। हालांकि अब यह स्पष्ट हो गया है कि उनका तबादला नहीं हुआ है, जिससे नगर में चल रही सभी अटकलों और अफवाहों पर विराम लग गया है। सीएमओ किरण रंहगडाले के पद पर बने रहने से नगरवासियों, जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों में खुशी का माहौल है। नगर के 8 पार्षदों ने कहा कि रंगडाले बेहतर कार्य कर रही हैं और वर्तमान समय में नगर को उनकी सेवाओं की आवश्यकता है। खुशी व्यक्त करने वालों में पार्षद नमिता बागिश अग्रवाल, भारती नरेश सेठी, दीपू परमार, शंकर इरपाचे, सरोज रामेश्वर नगर, गुड्डू साहू हेमलता मनोज चौरसिया एवं आमिर ममनून प्रमुख रहे।

मामा के दोस्त ने किशोरी से किया दुष्कर्म

भोपाल। छोला मंदिर पुलिस ने 13 साल की किशोरी की शिकायत पर मामा के दोस्त के खिलाफ दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार छोला मंदिर क्षेत्र में रहने वाली 13 साल की किशोरी आठवीं कक्षा की छात्रा है। घर के पास ही उसके चाचा रहते हैं। चाचा के घर पर मामा के दोस्त करण का आना-जाना था। उसी दौरान उसकी बच्ची से जान-पहचान हो गई। वह बच्ची से बात करने लगा। विगत 13 जून की दोपहर करण ने किशोरी को डराया-धमकाया कि तू मुझसे बात करती है। मैं तुझे समाज में बदनाम कर दूंगा। बदनामी का डर दिखाकर उसने किशोरी को घर बुलाकर गलत काम किया। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात मां बेटी को लेकर थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया। पुलिस ने आरोपी करणर को हिरासत में ले लिया है।

भोजपुर मीडिया प्रभारी कोठारी की चाची का निधन

औबेदुल्लागंज। भोजपुर मीडिया प्रभारी पंकज कोठारी की चाची मधु कोठारी का शनिवार को निधन हो गया। वे वीरेंद्र कोठारी की पत्नी थीं, उनके निधन पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विधायक सुरेंद्र पटवा, भाजपा नेता जयंत डागा, सुदामा तिवारी, नीरज चावला, विक्रम धाड़ी, आशीष दीक्षित, मनोज चौरसिया, वरिष्ठ पत्रकार ऋषभ जैन, जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन, मुकेश जैन, मधु जैन, संजीव जैन, तिलक जैन, श्याम मालवीय, राजेश दीक्षित आदि ने शोक व्यक्त किया। उनका अंतिम संस्कार रविवार शाम 4 औबेदुल्लागंज मुक्ति धाम पर किया जाएगा।

शुभांक

कल्याण:	1329		
दिन:	469	92	156
रात:	457	64	680
तारा:			
दिन:	679	28	800
रात:	230	57	700

स्वदेशी उपकरणों का समावेश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता दर्शाता है: रक्षा राज्य मंत्री

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भोपाल मिलिट्री स्टेशन स्थित सुदर्शन चक्र कोर का किया दौरा, क्षमता संवर्धन के पहल की समीक्षा की

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए।

बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शनिवार को भोपाल मिलिट्री स्टेशन स्थित सुदर्शन चक्र कोर का दौरा किया तथा बदलते सुरक्षा परिदृश्य के अनुरूप कोर की संचालनात्मक तैयारियों एवं क्षमता संवर्धन हेतु चल रही पहलों की विस्तृत समीक्षा की। मंत्री सेठ ने हाल ही में शामिल किए गए स्वदेशी उपकरणों के स्थैतिक प्रदर्शन का अवलोकन किया। इस प्रदर्शन ने संचालनात्मक तत्परता को सुदृढ़ करने में उन्नत स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के बढ़ते उपयोग को दर्शाया। स्टेशन पर उपस्थित तीनों सेनाओं के अधिकारियों एवं जवानों को संबोधित करते हुए, राष्ट्र सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सैनिकों के उच्च स्तर के व्यावसायिक कौशल, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उपकरणों का समावेश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में राष्ट्र की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है तथा यह 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को और अधिक सशक्त करता है। रक्षा राज्य मंत्री ने कोर के सभी अधिकारियों एवं जवानों की उत्कृष्ट पेशेवर क्षमता तथा राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण की प्रशंसा की और भारतीय सशस्त्र बलों के भविष्य के सभी प्रयासों हेतु पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ सेना के अधिकारियों से भेंट करते हुए।

सेवा से बाहर होने वाले 75% अग्निवीरों को अन्य सरकारी नौकरियों में मिले अवसर : पारवानी

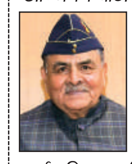

अग्निपथ योजना अब सेना भर्ती का स्थायी माध्यम बन चुकी है, इसलिए इसकी कमियों को दूर करना आवश्यक है। इस तरह के कई उपयोगी सुझाव देते हुए रिटायर्ड करनल नारायण पारवानी बताया कि चार वर्ष बाद सेवा से बाहर होने वाले 75 फीसदी अग्निवीरों को अन्य सरकारी नौकरियों में पर्याप्त अवसर मिलें तथा उन्हें वरिष्ठता और वेतन लाभ के लिए चार वर्ष की पूर्व वरिष्ठता दी जाए। उन्होंने कहा कि गृह, रक्षा एवं राज्य पुलिस विभागों में 10 प्रतिशत आरक्षण पर्याप्त नहीं है। प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त होने वाले अग्निवीरों को आरक्षण कम 30 प्रतिशत होना चाहिए। अग्निवीरों के वेतन में महंगाई से जोड़कर महंगाई भत्ता दिया जाना चाहिए। परवानी ने कहा की वर्तमान 30 दिन की छुट्टी बढ़ाकर 45 दिन की जाए, जिससे दूरदराज़ क्षेत्रों में तैनात जवान अपने परिवारों के साथ समय बिता सकें। छह माह का प्रशिक्षण अपर्याप्त प्रतीत होता है, विशेषकर तकनीकी और ड्राइविंग जैसे कार्यों के लिए। इसे बढ़ाकर कम से कम नौ माह किया जाना चाहिए। चार वर्ष की सेवा अवधि दक्षता और अनुभव अर्जित करने के लिए कम है।

नर्मदपुरम रोड पर मिडनाइट फडल कोरल वुड बार के पास की घटना

बार बंद होने पर प्रवेश नहीं दिया तो हुआ जमकर विवाद, युवक पर एक्सयूवी चढ़ाई, हालत नाजुक

पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित नर्मदापुरम रोड पर होंडा शोरूम के सामने मिड नाइट फडल कोरल वुड के पास युवक पर एक्सयूवी चढ़ाने का मामला सामने आया है। एक्यूवी की चपेट में आने से युवक को गंभीर चोट आई है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। दरअसल, बार में देरी से पहुंचने के कारण बाउंसरों ने प्रवेश देने से मना कर दिया था। बाउंसरों और आरोपी के बीच कहासुनी हुई। कहासुनी में घायल युवक ने बाउंसरों की तरफदारी कर दी।

इससे नाराज होकर बदमाश ने बाउंसरों सहित युवक पर एक्सयूवी चढ़ाने का प्रयास किया। किसी तरह बाउंसरों ने डिवाइडर पर चढ़कर जान बचाई, लेकिन युवक एक्सयूवी की चपेट में आने से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मोहित दांगी इवेंट ऑर्गनाइजर का काम करता है। उसका साथी उत्कर्ष (27) बाढ़ी बरेली, जिला रायसेन का है। उत्कर्ष फिलहाल मिसरोद में रहता है और प्राइवेट काम करता है। गुरुवार रात करीब 12 बजे उत्कर्ष पटेल, शशांक मालवीय, श्रेष्ठ परमार और मोहित के साथ मिड नाइट फडल कोरल वुड में पार्टी करने आया था। वहां पहुंचने पर बाउंसरों ने बताया कि बार बंद हो चुका है। हम सभी बार के बाहर खड़े थे। इस दौरान वहां उत्कर्ष का दोस्त आर्यन तिवारी पहले से खड़ा था। आर्यन तिवारी ने कहा कि बार बंद होने के कारण बाउंसरों ने हमें अंदर जाने नहीं दिया। यह बात सुनकर आर्यन तिवारी के दोस्तों का बार के बाउंसरों से विवाद हो गया। उत्कर्ष ने आर्यन के दोस्तों को समझाया कि जब बार बंद हो गया है तो अंदर प्रवेश नहीं मिलेगा। उत्कर्स का बीच में बोलना आर्यन तिवारी के दोस्तों को बुरा लगा और उन्होंने उत्कर्ष से गाली-गलौज शुरू कर दी। वह मारपीट पर उतारू हो गए थे। हालांकि हम लोगों ने उन्हें समझाया और विवाद रोका। इसके बाद उत्कर्स को लेकर जाने लगे।

गुरुवार रात करीब 12 बजे युवक मिड नाइट फडल कोरल वुड में पार्टी करने आए थे

एक्सयूवी चढ़ाने के बाद आदित्य वहां से गाड़ी लेकर भाग निकला

बाउंसरों ने किसी तरह डिवाइडर पर चढ़ कर बचाई अपनी जान

बाउंसरों से बात कर रहा था उत्कर्ष

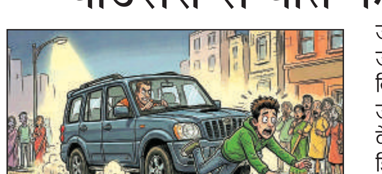

एआई जनरेट फोटो

होंडा शोरूम के सामने मुख्य सड़क किनारे उत्कर्ष खड़ा था। उसके पास बार के बाउंसर गब्बर दांगी, माखन चौधरी और रोहित सूद खड़े थे। सभी आपस में बात कर रहे थे। हम लोग भी कुछ दूरी पर थे। कुछ दूरी पर अवधपुरी निवासी आदित्य तिवारी एक्सयूवी स्टार्ट कर खड़ा था। उसके साथ कार में बैठे उसके दो दोस्त कार से उतरकर अपनी कार में चले गए। आदित्य तिवारी हम लोगों को देख रहा था और एकाएक उसने एक्सयूवी उत्कर्ष और बाउंसरों पर चढ़ाने के लिए आगे बढ़ा दी। बाउंसर किसी तरह डिवाइडर पर चढ़ गए, लेकिन उत्कर्ष डिवाइडर पर चढ़ नहीं सका और एक्सयूवी से टकराकर डिवाइडर की दूसरी तरफ जा गिरा। इस हादसे में उत्कर्स को नाक मुंह और सिर में गंभीर चोट आई थी। वह बेहोश हो गया। हम सभी दोस्तों ने रोड से गुजर रही एक कार को रुकवाया और उत्कर्ष को लेकर निजी अस्पताल पहुंचे। वहां उसका इलाज चल रहा है। एक्सयूवी चढ़ाने के बाद आदित्य वहां से गाड़ी लेकर भाग निकला।

बीएएमएस डॉक्टर ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित रोहित नगर फेस टू में बीएएमएस डॉक्टर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी लाश रूम पार्टनर ने दुपट्टे के सहारे फांसी के फंदे पर लटकी देख रिश्तेदार और पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दी है। ग्वालियर से परिजन के भोपाल पहुंचने पर डॉक्टर का पीएम कराया जाएगा। मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। साथ ही दोस्तों से भी पूछताछ में अब तक आत्महत्या की वजह का पता नहीं चल सका है। पुलिस के अनुसार सौरभ सिंह पिता गजराज सिंह (28) ग्वालियर के रहने वाले थे। सौरभ ने राजीव गांधी कॉलेज से बीएएमएस की पढ़ाई पूरी की थी और अभी पीजी की तैयारी कर रहे थे। वह अपने दो दोस्तों में आदित्य और रीतेश के साथ रोहित नगर फेस टू में रहते थे। उनके दोस्त रीतेश ने बताया कि तीनों के कमरे अलग-अलग थे। शनिवार सुबह सौरभ अपने कमरे में था। उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उसने दरवाजा नहीं खोला। खिड़की से झांककर देखने पर पता चला कि सौरभ ने फांसी लगा ली है। इसके बाद भोपाल में रहने वाले सौरभ के रिश्तेदारों को घटना की जानकारी दी। साथ ही पुलिस को भी सूचना दी गई। पुलिस ने एफएसएल की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण कराने के बाद शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है।

गैस सिलेंडर हादसे में झुलसे दो भाइयों की एम्स में इलाज के दौरान हुई मौत

एक ही घर से उठीं दो सगे भाइयों की अर्थियां, हजारों नम आंखों ने दी अंतिम विदाई

अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए

मृतक भाई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

वार्ड 10 अर्जुन नगर निवासी पत्रकार राजकुमार लोधी एवं उनके छोटे भाई अजय लोधी के निधन से पूरे नगर में शोक की लहर है। दोनों भाई 15 जून को हुए घरेलू गैस सिलेंडर हादसे में गंभीर रूप से झुलस गए थे। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भोपाल रेफर किया गया था, जहां एम्स भोपाल में उनका उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान दोनों भाइयों ने दम तोड़ दिया। एक ही घर से दो सगे भाइयों की अर्थी उठने का मार्मिक दृश्य देखकर परिजनों सहित नगरवासियों की आंखें नम हो गईं। अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए और दोनों दिवंगत भाइयों को नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की।

15 जून को हुआ था हादसा

जानकारी के अनुसार 15 जून, सोमवार को घरेलू गैस सिलेंडर में आग लगने से दोनों भाई गंभीर रूप से झुलस गए थे। घटना के बाद उन्हें स्थानीय शासकीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए भोपाल रेफर किया गया। एम्स भोपाल में कई दिनों तक उनका इलाज चला, लेकिन चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। दिवंगत राजकुमार लोधी पत्रकारिता से जुड़े हुए थे और क्षेत्र में एक सक्रिय एवं मिलनसार व्यक्तित्व के रूप में पहचाने जाते थे। उनके निधन से पत्रकार जगत को भी अपूर्णीय क्षति हुई है।

आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग

औबेदुल्लागंज प्रेस क्लब के पत्रकारों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शासन, क्षेत्रीय विधायक और सांसद से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है। वहीं जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

दूषित पानी से बच्चों और बुजुर्गों में पेट संबंधी बीमारियां का खतरा बढ़ा

संतनगर में नलों से आ रहा गंदा पानी लोग बाजार से केन खरीदने मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

बैरागढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से नलों में गंदा मटमैला और दूषित पानी आने की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि कई इलाकों में लोगों को पीने योग्य पानी नहीं मिल पा रहा है। रहवासी दूषित पानी के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं और मजबूरन बाजार से पानी के केन मंगवाकर अपनी दैनिक जरूरतें पूरी कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नलों से आने वाला पानी पीले और मटमैले रंग का है, जिसमें मिट्टी और अन्य अशुद्धियां साफ दिखाई दे रही हैं। लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। बैरागढ़ के अधिकांश क्षेत्रों में यह समस्या बनी हुई है, लेकिन वन ट्री हिल्स कॉलोनी में हालात अधिक चिंताजनक बताए जा रहे हैं। यहां रहने वाले परिवारों का कहना है कि दूषित पानी के कारण बच्चों और बुजुर्गों में पेट संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे।

नल से आया दूषित पानी।

पटवारियों पर प्रॉपर्टी कारोबार में संलिप्त होने का आरोप

औबेदुल्लागंज। गौहरगंज तहसील में पदस्थ कुछ पटवारियों पर ओबेदुल्लागंज क्षेत्र में प्रॉपर्टी के सौदों में सक्रिय भूमिका निभाने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि भूमि संबंधी सौदों में दस्तावेजों से लेकर रजिस्ट्री तक उनकी सहभागिता रहती है। आरोप यह भी हैं कि कलेक्टर के तबादला आदेशों के बावजूद कई पटवारी वर्षों से एक ही क्षेत्र में जमे हुए हैं।

स्थानीय नागरिकों ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। किसानों ने बताया कि पटवारीयों के पास महंगी और लग्जरी कारें हैं इन कारों से पटवारी निरीक्षण करते हैं। वहीं तहसीलदार दफ्तर में तहसीलदार से तो कम ही लोग मिलने आते हैं परंतु पटवारीयों से अधिक मिलने आते हैं और पटवारी की रिपोर्ट पर कार्य होते हैं। भूमि संबंधित कार्य में पटवारी का अहम रोल होता है, तभी तो पटवारी करोड़पति है, जबकि तहसीलदार पैदल चलते हैं और सरकारी वाहन का ही उपयोग करते हैं। तहसीलदार निलेश सरवटे से फोन पर पूछा कि पटवारी के पास तो लग्जरी कार है तो सरवटे ने कहा कि पटवारी ही रीड़ की हड्डी है उनकी ही रिपोर्ट पर ही जमीन का काम होता है।

मारुति नगर फेज-2 को लेकर गहराता जा रहा विवाद

निजी भूमि से मिट्टी खोदकर कॉलोनी में डाल रहे कॉलोनाइजर, शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

मारुति नगर फेज-2 को लेकर एक बार फिर विवाद गहराता नजर आ रहा है। स्थानीय निवासी एवं शिकायतकर्ता अनमोल मित्तल ने आरोप लगाया है कि कॉलोनी विकास से जुड़े लोगों द्वारा उनकी निजी भूमि से मिट्टी खोदकर अपनी कॉलोनी में डाल रहे हैं। मामले की शिकायत पुलिस, राजस्व एवं नगर पालिका प्रशासन से किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

शिकायतकर्ता के अनुसार मामले का मौका मुआयना पुलिस विभाग के अधिकारियों, पटवारी एवं नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा किया गया था, लेकिन निरीक्षण के बाद भी जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अनमोल मित्तल का कहना है कि मारुति नगर फेज-2 द्वारा सरकारी नाले पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत पिछले तीन वर्षों से लगातार की जा रही है, लेकिन संबंधित विभागों ने अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया।

सरकारी नाले पर अतिक्रमण

कार्रवाई के अभाव में कॉलोनी संचालकों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि अब वे दूसरों की निजी भूमि से मिट्टी निकालकर अपनी कॉलोनी में डाल रहे हैं। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया है कि सरकारी नाले पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया गया है, जिससे भविष्य में जल निकासी की समस्या उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

दो पैनल में सीधी टक्कर, 12 पदों के लिए 23 उम्मीदवार मैदान में

पूज्य सिंधी पंचायत के चुनाव की अंतिम तैयारिया पूर्ण, कड़ी सुरक्षा और पादर्शिता के साथ आज किया जाएगा मतदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

पूज्य सिंधी पंचायत संत हिरदाराम नगर के त्रिवर्षिक चुनाव-2026 के लिए अंतिम तैयारियां पूर्ण हो गई हैं। रविवार को मतदान किया जाएगा। चुनाव में कुल 12 पदों के लिए 23 उम्मीदवार मैदान में है। इसमें पुराने पदाधिकारियों की जन सेवा पैनल और प्रतिद्वंद्वी झूलेलाल पेनल आमने-सामने हैं। चुनाव संपन्न होने के बाद आज शाम को ही परिणाम घोषित किए जाएंगे।

चुनाव अधिकारी बसंत चेलानी एवं सह चुनाव अधिकरी धर्म प्रकाश मोटवानी एवं आयलदास साधवानी ने बताया कि चुनाव रविवार को प्रातः 8 से दोपहर 3 बजे तक मतदान होंगे। इसके बाद शाम 4 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी और उसी दिन रात को परिणाम घोषित किए जाएंगे। मतदान प्रक्रिया के लिए 9 टेबल एवं मतदान के लिए 15 बूथ लगेंगे।

चुनाव संपन्न होने के बाद शाम को ही परिणाम घोषित किए जाएंगे

बैठक में चुनाव अधिकारी चर्चा करते हुए।

चुनाव कराने के लिए 60 सदस्यों की टीम तैयार

चुनाव कराने के लिए लगभग 60 सदस्यों की टीम तैयार की गई है, जिनको परिचय पत्र वितरित किए जाएंगे, जिसके आधार पर वे मतदान एवं मतगणना स्थल पर जा सकेंगे। मतदान निष्पक्ष पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण हो उसके सम्पूर्ण प्रयास किए गए हैं। मतदान के लिए पर्ची एवं फोटोयुक्त आईडी होना अनिवार्य है। सभी प्रत्याशियों को भी परिचय पत्र जारी किया गया है। बिना परिचय पत्र के किसी को भी मतदान केन्द्र के अन्दर जाने की अनुमति नहीं होगी।

जन सेवा पैनल का झूलेलाल पैनल से होगी टक्कर

इस चुनाव में जन सेवा पैनल के अध्यक्ष पद पर माधु चांदवानी की टक्कर झूलेलाल पैनल राज मनवानी से है। तीन उपाध्यक्ष के लिए भरत आसवानी, गुलाब जेठानी, जगदीश आसवानी, शेरू रीझवानी व कमलेश देवानी मैदान में हैं। महासचिव पर नंद दादलानी व राजकुमार (राऊ) वाधवानी आमने सामने है। दो पद सचिव पर हरीश मेहरचंदानी, जेठानंद मगतानी व प्रकाश वीधानी सहित डॉक्टर जगदीश खेराजानी, इसी तरह दो पद सहसचिव पद पर किशोर साधवानी, माधवदास परदासानी, कैलाश आसवानी व रूपचंद सोनी मैदान में हैं। कोषाध्यक्ष पद पर राकेश शेवानी व गुरदास रामचंदानी और सह कोषाध्यक्ष पद पर अमित राजानी व रवि नारायणी सतानी आमने सामने हैं। ऑडिटर पद पर पुरुषोत्तम हरचंदानी व राजेश पेसवानी उम्मीदवार अपनी किस्मत अजमा रहे हैं।

जिला अभिभाषक संघ चुनाव को लेकर हुई बैठक

तदर्थ, चुनाव समिति एवं पर्यवेक्षक ने तैयारियों को दिया अंतिम रूप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

16 जुलाई को होने वाले भोपाल जिला अभिभाषक संघ के चुनाव की तैयारियों को लेकर मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद द्वारा गठित की गई तदर्थ समिति के संयोजक टीपी विश्वकर्मा, सदस्य हरीश मेहता, मो.अलाउद्दीन, हरिकिशन गोहर और शिवपूजन सिंह तथा मुख्य चुनाव अधिकारी वासू वासवानी ने चुनाव समिति एवं पर्यवेक्षकों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित कर भोपाल जिला अभिभाषक संघ के चुनाव की तैयारियों को अंतिम मूर्त रूप दिया। बरसात के मौसम को देखते हुए जिला न्यायालय परिसर में मतदान स्थल पर वाटर प्रूफ टेंट लगाए जाने सहित मतदाताओं एवं प्रत्याशियों की सुविधा के लिए अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने पर विचार विमर्श किया गया। निष्पक्षता के साथ चुनाव कराए जाने के लिए अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी एवं सहायक चुनाव अधिकारियों को पाबंद किया गया। इस संयुक्त बैठक में पर्यवेक्षक वरिष्ठ अधिवक्ता पर्यवेक्षक सै.साजिद अली,आईबी शास्त्री,दीपचंद यादव, एचएल झा, मोहम्मद महबूब अंसारी, उमेश निगम, संजय गुप्ता, अखिलेश श्रीवास्तव, अनिल भार्गव, मो.समीर, मेहमूद खान, एमएलए राय, अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी और मीडिया प्रभारी खालिद हफीज, पुरुषोत्तम पंजवानी आदि अधिवक्ता उपस्थित थे।

क्या स्टार्टअप फंड्स दिला सकते हैं 10 गुणा रिटर्न?

स्टार्टअप फंड्स उच्च जोखिम और संभावित रूप से असाधारण रिटर्न का देने में सक्षम

● अब हाई-रिस्क, हाई-रिवॉर्ड निवेश का बढ़ रहा आकर्षण ● स्टार्टअप निवेश और एसआईपी दो बिल्कुल अलग निवेश श्रेणियां ● एसआईपी स्थिरता और अनुशासित निवेश का माध्यम

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों का लक्ष्य अपनी पूंजी को धीरे-धीरे बढ़ाना होता है। इसके लिए एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) लंबे समय से सबसे लोकप्रिय और भरोसेमंद विकल्प माना जाता रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में स्टार्टअप्स की सफलता की कहानियों ने निवेशकों का ध्यान एक नए एसेट क्लास की ओर खींचा है। कई लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या स्टार्टअप फंड्स या एंजेल इन्वेस्टिंग वास्तव में 10 गुना या उससे अधिक रिटर्न दे सकते हैं? इसका जवाब है—हां, लेकिन इसके साथ जोखिम भी उतना ही बड़ा होता है। स्टार्टअप निवेश और एसआईपी दो बिल्कुल अलग निवेश श्रेणियां हैं। जहां एसआईपी स्थिरता और अनुशासित निवेश का माध्यम है, वहीं स्टार्टअप फंड्स उच्च जोखिम और संभावित रूप से असाधारण रिटर्न का अवसर प्रदान करते हैं।

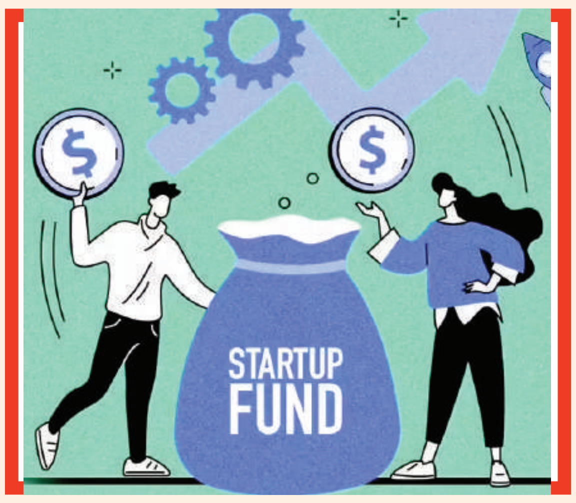

एसआईपी-स्टार्टअप फंड्स में अंतर

- एसआईपी के माध्यम से निवेशक म्यूचुअल फंड में नियमित अंतराल पर छोटी-छोटी राशि निवेश करते हैं। यह पैसा विभिन्न कंपनियों और सेक्टरों में फैला होता है, जिससे जोखिम कम हो जाता है। लंबी अवधि में कंपाउंडिंग का लाभ मिलने से निवेशक अच्छी संपत्ति बना सकते हैं।
- स्टार्टअप फंड्स या एंजेल निवेश में पैसा सीधे उन कंपनियों में लगाया जाता है जो अपने शुरुआती विकास चरण में होती हैं। इन कंपनियों का भविष्य अनिश्चित होता है। यदि बिजनेस मॉडल सफल हो गया तो निवेशकों को कई गुना रिटर्न मिल सकता है, लेकिन यदि स्टार्टअप असफल हुआ तो पूरी पूंजी डूबने का खतरा भी रहता है।

एक्सपोनेंशियल ग्रोथ की ताकत

स्टार्टअप्स की सबसे बड़ी विशेषता उनकी तेज विकास क्षमता होती है। पारंपरिक कंपनियों की तुलना में स्टार्टअप्स नई तकनीक, नए बिजनेस मॉडल और बड़े बाजार अवसरों के कारण बहुत तेजी से बढ़ सकते हैं। यदि किसी निवेशक ने शुरुआती दौर में किसी सफल स्टार्टअप में निवेश किया हो और वह कंपनी बाद में बड़ी बन जाए, तो निवेश की गई राशि कई गुना बढ़ सकती है। दुनिया भर में कई उदाहरण हैं जहां शुरुआती निवेशकों ने 10, 50 और यहां तक कि 100 गुणा तक का रिटर्न हासिल किया है।

तुरंत नहीं मिलता एग्जिट

स्टार्टअप निवेश में धैर्य सबसे महत्वपूर्ण गुण माना जाता है। यहां निवेशक को अपने पैसे पर रिटर्न पाने के लिए कई वर्षों तक इंतजार करना पड़ सकता है। आमतौर पर किसी स्टार्टअप से लाभ कमाने के लिए कंपनी का अधिग्रहण, शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना या किसी बड़े निवेशक द्वारा हिस्सेदारी खरीदना आवश्यक होता है। यह प्रक्रिया अक्सर 5 से 10 वर्ष या उससे अधिक समय ले सकती है।

कम लिक्विडिटी

एसआईपी या शेयर बाजार में निवेश को जरूरत पड़ने पर अपेक्षाकृत आसानी से भुनाया जा सकता है, जबकि स्टार्टअप निवेश में ऐसा संभव नहीं होता। इसलिए इस श्रेणी में वही पैसा लगाना चाहिए जिसकी तत्काल आवश्यकता न हो।

निवेश के नए अवसर

पहले स्टार्टअप निवेश केवल बड़े निवेशकों और वेंचर कैपिटल फंड्स तक सीमित था। लेकिन अब भारत में एंजेल नेटवर्क, स्टार्टअप निवेश प्लेटफॉर्म और वैकल्पिक निवेश साधनों के जरिए छोटे निवेशकों के लिए भी अवसर बढ़ रहे हैं। कई प्लेटफॉर्म निवेशकों को चुनिंदा स्टार्टअप्स में भागीदारी का मौका देते हैं।

सीमित समय में बड़ी वैल्यूएशन

जब कोई स्टार्टअप लगातार फंडिंग जुटाता है और उसका कारोबार बढ़ता है, तो उसकी वैल्यूएशन भी तेजी से बढ़ती है। शुरुआती निवेशक कम वैल्यूएशन पर हिस्सेदारी खरीदते हैं, इसलिए कंपनी की कीमत बढ़ने पर उनके निवेश का मूल्य भी कई गुना बढ़ जाता है।

अधिकांश स्टार्टअप्स हो जाते हैं असफल

स्टार्टअप निवेश का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें असफलता की दर बहुत अधिक होती है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, अधिकांश शुरुआती स्टार्टअप्स लंबे समय तक टिक नहीं पाते। कई कंपनियां फंडिंग की कमी, कमजोर बिजनेस मॉडल या प्रतिस्पर्धा के कारण बंद हो जाती हैं। यही कारण है कि अनुभवी निवेशक केवल एक या दो स्टार्टअप्स पर दांव नहीं लगाते, बल्कि कई कंपनियों में निवेश करके जोखिम को फैलाने की कोशिश करते हैं।

पूंजी डूबने की संभावना

म्यूचुअल फंड या सूचीबद्ध शेयरों की तरह स्टार्टअप निवेश में निवेशक को रोजाना बाजार मूल्य देखने या आसानी से पैसा निकालने की सुविधा नहीं मिलती। यदि स्टार्टअप बंद हो जाए तो निवेश की गई पूरी राशि खोने की संभावना रहती है।

रिसर्च सबसे महत्वपूर्ण

स्टार्टअप में निवेश करते समय केवल आकर्षक प्रेजेंटेशन या बड़े दावों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। निवेश से पहले फाउंडर्स की क्षमता, बिजनेस मॉडल, कंपनी की आय संभावनाएं, प्रतिस्पर्धा, बाजार का आकार और स्केलेबिलिटी जैसे पहलुओं का गहराई से विश्लेषण करना आवश्यक है।

पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा ही लगाएं

वित्तीय सलाहकार आमतौर पर सुझाव देते हैं कि स्टार्टअप निवेश को कुल पोर्टफोलियो का सीमित हिस्सा ही रखा जाए। अधिकांश निवेशकों के लिए यह अनुपात 5% से 10% के बीच उपयुक्त माना जाता है। मुख्य निवेश, आपातकालीन फंड और रिटायरमेंट की तैयारी जैसी महत्वपूर्ण वित्तीय जरूरतें अभी भी एसआईपी, म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और अन्य अपेक्षाकृत स्थिर निवेश साधनों पर आधारित होनी चाहिए।

विविधीकरण बनाए रखें

एक ही स्टार्टअप में बड़ी राशि लगाने की बजाय अलग-अलग क्षेत्रों और कंपनियों में निवेश करना जोखिम कम करने का बेहतर तरीका हो सकता है। इससे किसी एक असफल निवेश का प्रभाव पूरे पोर्टफोलियो पर कम पड़ता है।

डेट फंड्सः टैक्स लाभ खत्म क्या एफडी बेहतर विकल्प?

● इंडेक्सेशन हटने के बाद निवेशकों के सामने बड़ा सवाल

जानकारी
बिजनेस डेस्क

एक समय था जब डेट म्यूचुअल फंड्स को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) का बेहतर विकल्प माना जाता था। इसकी सबसे बड़ी वजह थी इंडेक्सेशन का टैक्स लाभ, जिससे निवेशकों का वास्तविक टैक्स बोझ काफी कम हो जाता था। लेकिन 2023 में सरकार द्वारा इंडेक्सेशन बेनिफिट हटाने के बाद निवेशकों के सामने नया सवाल खड़ा हो गया है—क्या अब डेट फंड्स की उपयोगिता खत्म हो गई है और एफडी बेहतर विकल्प बन गए हैं? विशेषज्ञों का मानना है कि केवल टैक्स के आधार पर यह फैसला लेना सही नहीं होगा। निवेश का चुनाव करते समय लिक्विडिटी, रिटर्न, कंपाउंडिंग, ब्याज दरों का रुझान, महंगाई और निवेश अवधि जैसे कई अन्य पहलुओं पर भी विचार करना जरूरी है।

टैक्स बराबर, लेकिन दोनों उत्पाद समान नहीं

इंडेक्सेशन हटने के बाद डेट फंड्स से होने वाला लाभ अब निवेशक की आयकर स्लैब के अनुसार टैक्स के दायरे में आता है। यही नियम अधिकांश एफडी निवेशकों पर भी लागू होता है। इसलिए पहली नजर में दोनों उत्पाद टैक्स के मामले में समान दिखाई देते हैं। हालांकि एक महत्वपूर्ण अंतर अब भी मौजूद है। एफडी में अर्जित ब्याज पर हर वर्ष टैक्स देना पड़ता है, चाहे निवेशक पैसा निकाले या नहीं। इसके विपरीत डेट फंड्स में टैक्स तभी लगता है जब निवेशक यूनिट्स को रिडीम करता है। इसका फायदा यह होता है कि पूरा निवेश बिना टैक्स कटौती के लंबे समय तक कंपाउंड होता रहता है।

रिटर्न के मामले में अभी भी प्रतिस्पर्धी हैं डेट फंड्स

इंडेक्सेशन हटने के बावजूद डेट फंड्स ने अपनी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति बरकरार रखी है। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि लिक्विड फंड और लो-ड्यूरेशन फंड जैसी श्रेणियों ने कई मामलों में आकर्षक रिटर्न दिए हैं। हालांकि डेट फंड्स का रिटर्न बाजार आधारित होता है और इसमें कुछ उतार-चढ़ाव संभव है, लेकिन उचित अवधि के लिए निवेश करने पर ये एफडी के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन भी कर सकते हैं।

जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाले जा सकते हैं पैसे

एफडी और डेट फंड्स के बीच सबसे बड़ा अंतर लिक्विडिटी का है। यदि निवेशक एफडी को समय से पहले तोड़ता है तो उसे पेनाल्टी या कम ब्याज दर का सामना करना पड़ सकता है। दूसरी ओर अधिकांश डेट फंड्स में कोई लॉक-इन नहीं होता। निवेशक जरूरत पड़ने पर आसानी से अपना पैसा निकाल सकता है। यही कारण है कि कई वित्तीय विशेषज्ञ डेट फंड्स को अल्प और मध्यम अवधि की वित्तीय जरूरतों के लिए बेहतर विकल्प मानते हैं। कई मामलों में दोनों का संयोजन ही सबसे प्रभावी रणनीति साबित हो सकता है।

गिरती ब्याज दरों में बढ़ सकता है फायदा

एफडी निवेशकों को पहले से तय रिटर्न मिलता है। इसमें बाजार परिस्थितियों का कोई असर नहीं पड़ता।लेकिन डेट फंड्स बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड-इनकम सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं। जब ब्याज दरें घटती हैं, तो पुराने उच्च ब्याज वाले बॉन्ड की कीमत बढ़ जाती है, जिससे डेट फंड्स को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। यानी यदि भविष्य में ब्याज दरों में कटौती का दौर जारी रहता है, तो डेट फंड्स **FD** की तुलना में बेहतर प्री-टैक्स रिटर्न दे सकते हैं।

एफडी में सुरक्षा, डेट फंड्स में सीमित उतार-चढ़ाव

एफडी का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी निश्चितता है। निवेशक को पहले दिन ही पता होता है कि मैच्योरिटी पर कितनी राशि मिलेगी। वहीं डेट फंड्स में नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) में हल्का उतार-चढ़ाव संभव है। हालांकि यह उतार-चढ़ाव इक्विटी फंड्स की तुलना में काफी कम होता है। जो निवेशक बाजार आधारित मामूली जोखिम स्वीकार कर सकते हैं, उनके लिए डेट फंड्स अतिरिक्त लाभ का अवसर प्रदान कर सकते हैं।

महंगाई को नजरअंदाज करना नुकसानदायक

कई निवेशक केवल ब्याज दर देखकर एफडी चुन लेते हैं, लेकिन वास्तविक रिटर्न का आकलन महंगाई और टैक्स को घटाने के बाद ही किया जाना चाहिए। यदि कोई निवेश 7% रिटर्न दे रहा है और महंगाई 5% के आसपास है, तो वास्तविक संपत्ति निर्माण सीमित रह सकता है। इसलिए निवेशकों को नाममात्र रिटर्न की बजाय वास्तविक रिटर्न पर ध्यान दें।

एफडी किसके लिए उपयुक्त?

- सेवानिवृत्त निवेशक
- आपातकालीन फंड रखने वाले
- पूंजी सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाले निवेशक
- एक से दो साल के निश्चित लक्ष्य वाले निवेशक

डेट फंड्स किसके लिए उपयुक्त?

- 1 से 5 वर्ष की निवेश अवधि वाले
- बेहतर लिक्विडिटी चाहने वाले
- सीमित जोखिम लेकर अतिरिक्त रिटर्न की संभावना तलाशने वाले
- टैक्स-डिफर्ड कंपाउंडिंग का लाभ चाहने वाले निवेशक
- दोनों का संयोजन भी बेहतर
- वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि एफडी और डेट फंड्स को प्रतिस्पर्धी उत्पाद मानने की बजाय पूरक निवेश साधन के रूप में देखना चाहिए।
- उदाहरण के लिए, आपातकालीन फंड और निकट भविष्य की जरूरतों के लिए एफडी उपयुक्त हो सकती है, जबकि 2 से 5 वर्षों के वित्तीय लक्ष्यों के लिए डेट फंड्स बेहतर लचीलापन और संभावित रूप से बेहतर रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।

लार्ज कैप फंड्स पिछड़ रहे हैं क्या अब निकल जाना बेहतर

आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष लार्ज कैप फंड्स का औसत रिटर्न नकारात्मक रहा है, जबकि मिड और स्मॉल कैप श्रेणियों ने सकारात्मक रिटर्न दिया है। इसलिए अब निवेशक इनका रुख कर सकते हैं। हालांकि यह ध्यान रखने योग्य है कि हर साल हर सेगमेंट रिटर्न अलग-अलग रहता है। इसलिए सोच समझकर ही कदम उठाएं

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

पिछले कुछ महीनों में मिड कैप और स्मॉल कैप फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिए हैं, जबकि लार्ज कैप फंड्स अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन करते नजर आए हैं। यही वजह है कि कई निवेशकों के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या अब लार्ज कैप फंड्स से पैसा निकालकर मिड और स्मॉल कैप फंड्स में शिफ्ट कर देना चाहिए? वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष लार्ज कैप फंड्स का औसत रिटर्न नकारात्मक रहा है, जबकि मिड और स्मॉल कैप श्रेणियों ने सकारात्मक रिटर्न दिया है। हालांकि केवल कुछ महीनों के प्रदर्शन के आधार पर निवेश रणनीति बदलना हमेशा सही निर्णय नहीं होता। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्ज कैप फंड्स अभी भी किसी भी संतुलित निवेश पोर्टफोलियो की मजबूत नींव बने हुए हैं। हाल के महीनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली की है। इसका सबसे ज्यादा असर बैंकिंग, आईटी और ऑयल एंड गैस जैसे सेक्टरों पर पड़ा, जिनका लार्ज कैप इंडेक्स में बड़ा हिस्सा होता है। आईटी सेक्टर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी अनिश्चितताओं का दबाव रहा, जबकि बैंकिंग और ऊर्जा क्षेत्र वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और महंगाई संबंधी चिंताओं से प्रभावित हुए। इन परिस्थितियों ने लार्ज कैप शेयरों की बढ़त को सीमित कर दिया।

हर दौर का अपना विजेता

निवेश की दुनिया में कोई भी श्रेणी हमेशा नंबर-1 नहीं रहती। कभी लार्ज कैप आगे रहते हैं तो कभी मिड और स्मॉल कैप निवेशकों को बेहतर रिटर्न देते हैं। इतिहास बताता है कि बाजार का नेतृत्व समय-समय पर बदलता रहता है। जब मिड और स्मॉल कैप शेयरों की वैल्यूएशन बहुत अधिक हो जाती है या उनकी कमाई की रफ्तार धीमी पड़ती है, तब निवेशकों का रुझान फिर से लार्ज कैप कंपनियों की ओर बढ़ता है। इसलिए केवल वर्तमान प्रदर्शन देखकर निवेश निर्णय लेना नुकसानदायक साबित हो सकता है।

क्यों अब भी महत्वपूर्ण लार्ज कैप फंड्स?

1. **मजबूत और स्थापित कंपनियों में निवेश**
   लार्ज कैप फंड्स देश की सबसे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन कंपनियों के पास मजबूत बैलेंस शीट, स्थिर कारोबार और बेहतर कॉरपोरेट गवर्नेंस होती है। बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान ये कंपनियां अपेक्षाकृत बेहतर स्थिरता प्रदान करती हैं।
2. **विदेशी और संस्थागत निवेशकों की पहली पसंद**
   जब बाजार में जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है, तो सबसे पहले बड़े निवेशक लार्ज कैप शेयरों में पैसा लगाते हैं। उनकी बेहतर लिक्विडिटी और मजबूत व्यवसायिक स्थिति उन्हें निवेशकों के लिए आकर्षक बनाती है। यही कारण है कि बाजार में सकारात्मक माहौल बनने पर लार्ज कैप शेयर तेजी से वापसी कर सकते हैं।
3. **कम जोखिम के साथ संतुलित रिटर्न**
   लार्ज कैप कंपनियां पहले से ही बड़े बाजार हिस्से पर कब्जा रखती हैं, इसलिए उनकी वृद्धि दर मिड और स्मॉल कैप कंपनियों की तुलना में धीमी हो सकती है। फिर भी उन्होंने लंबे समय में अपेक्षाकृत कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न देने का रिकॉर्ड बनाया है। जो निवेशक स्थिर और दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण चाहते हैं, उनके लिए यह श्रेणी आज भी महत्वपूर्ण है।

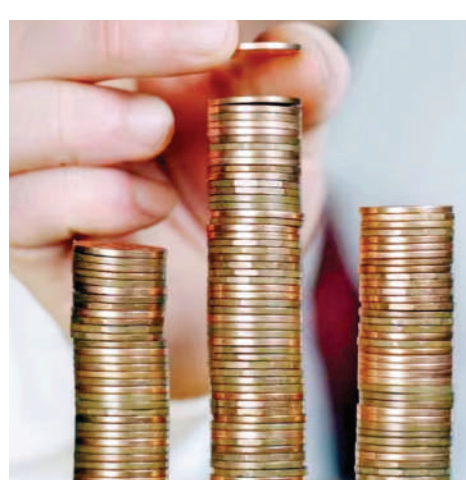

क्या अभी वैल्यूएशन का अवसर बन रहा

सस्ते होते लार्ज कैप शेयर
कई बार लंबे समय तक कमजोर प्रदर्शन किसी निवेश श्रेणी को आकर्षक बना देता है। जब निवेशकों का ध्यान मिड और स्मॉल कैप शेयरों की ओर चला जाता है, तब कई अच्छी लार्ज कैप कंपनियां उचित या कम वैल्यूएशन पर उपलब्ध हो जाती हैं। ऐसी स्थिति भविष्य में बेहतर रिटर्न का आधार बन सकती है। निवेशक जब फिर से सुरक्षित और स्थिर कंपनियों की ओर लौटते हैं, तब लार्ज कैप शेयर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

विविधीकरण और स्थिरता

किसी भी संतुलित इक्विटी पोर्टफोलियो में लार्ज कैप फंड्स की भूमिका सिर्फ हर साल सबसे ज्यादा रिटर्न देना नहीं होती। उनका मुख्य उद्देश्य निवेशकों को बाजार की अग्रणी कंपनियों में भागीदारी, बेहतर लिक्विडिटी और अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव प्रदान करना है। यही कारण है कि अधिकांश वित्तीय सलाहकार लार्ज कैप फंड्स को पोर्टफोलियो का ₹कोर₹ हिस्सा मानते हैं।

नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प

जो निवेशक पहली बार इक्विटी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, उनके लिए लार्ज कैप फंड्स अपेक्षाकृत सुरक्षित शुरुआत माने जाते हैं। इनमें जोखिम कम होने के कारण निवेशक बाजार की प्रकृति को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।

मिड और स्मॉल कैप फंड्स में निवेश किसे करना चाहिए?

मिड और स्मॉल कैप फंड्स में लंबी अवधि में अधिक रिटर्न की संभावना होती है, लेकिन इनके साथ उतार-चढ़ाव भी काफी अधिक होता है। कई बार ये फंड्स कुछ ही महीनों में 20-30 प्रतिशत तक गिर सकते हैं। इसलिए इनमें वही निवेशक अधिक निवेश करें जो लंबी अवधि का निवेश दृष्टिकोण रखते हों। बाजार की बड़ी गिरावट सहन कर सकते हों। उच्च जोखिम लेने के लिए तैयार हों। अपने पोर्टफोलियो में पहले से स्थिर निवेश बनाए हुए हों।

यह भी रखें ध्यान

- लार्ज कैप फंड्स का हालिया कमजोर प्रदर्शन निवेश से बाहर निकलने का पर्याप्त कारण नहीं है। बाजार चक्रों में अलग-अलग समय पर अलग-अलग श्रेणियां बेहतर प्रदर्शन करती हैं। लार्ज कैप फंड्स आज भी स्थिरता, लिक्विडिटी, विविधीकरण और मजबूत कंपनियों में निवेश का अवसर प्रदान करते हैं।
- निवेशकों को हाल के विजेताओं का पीछा करने की बजाय अपनी एसेट एलोकेशन रणनीति पर कायम रहना चाहिए। यदि आपका लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण है, तो लार्ज कैप फंड्स को पूरी तरह छोड़ने की बजाय उन्हें पोर्टफोलियो के मजबूत आधार के रूप में बनाए रखना अधिक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

कमाई के साथ सुरक्षा भी, निवेशकों का बदल रहा नजरिया

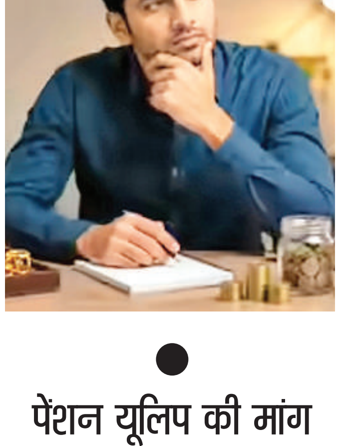

● पेंशन यूलिप की मांग में 10 गुना उछाल ● केवल वेल्थ क्रिएशन नहीं, अब वेल्थ प्रोटेक्शन भी प्राथमिकता ●

सुझाव
बिजनेस डेस्क

भारतीय निवेशकों की सोच में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। पहले जहां अधिकांश लोग केवल अधिक रिटर्न और संपत्ति निर्माण पर ध्यान देते थे, वहीं अब वे अपनी पूंजी की सुरक्षा और भविष्य की आय सुनिश्चित करने पर भी जोर दे रहे हैं। यही कारण है कि रिटायरमेंट-केंद्रित निवेश उत्पादों और गारंटीड रिटर्न योजनाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि निवेशक अब ऐसे विकल्प तलाश रहे हैं जो बाजार आधारित वृद्धि के साथ-साथ वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करें। इस बदलती सोच का सबसे बड़ा लाभ पेंशन यूलिप (यूएलआईपी) और गारंटीड रिटर्न प्लान्स को मिल रहा है।

पेंशन यूलिप की मांग में 10 गुना वृद्धि

बीते वित्त वर्ष की तुलना में पेंशन यूलिप योजनाओं की मांग में लगभग 10 गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह संकेत है कि लोग अब रिटायरमेंट की तैयारी को गंभीरता से लेने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती जीवन प्रत्याशा, महंगाई और पारंपरिक पारिवारिक सुरक्षा ढांचे में बदलाव के कारण लोग अपनी वृद्धावस्था की वित्तीय जरूरतों के लिए पहले से योजना बना रहे हैं। पेंशन यूलिप की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण यह भी है कि इसमें निवेशकों को बाजार आधारित वृद्धि के साथ दीर्घकालिक रिटायरमेंट फंड बनाने का अवसर मिलता है।

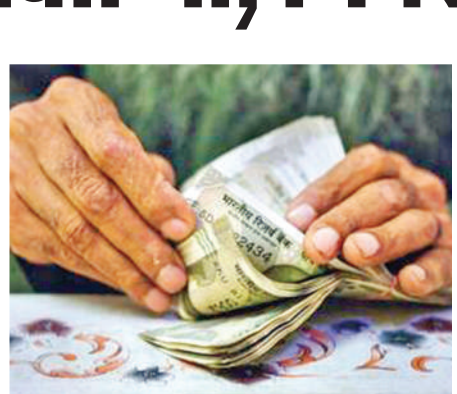

बदल रही है निवेश की परिभाषा

पहले निवेशक अक्सर अधिक रिटर्न और सुरक्षा में से किसी एक को चुनते थे, लेकिन अब वे दोनों का संतुलन चाहते हैं। इसी वजह से कई निवेशक पेंशन यूलिप के साथ ₹वेवर ऑफ प्रीमियम₹ जैसी अतिरिक्त सुविधाएं भी चुन रहे हैं। यह सुविधा किसी अप्रत्याशित स्थिति में भी निवेश योजना को जारी रखने में मदद करती है। वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार आज का निवेशक केवल संपत्ति बनाना नहीं चाहता, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि उसका परिवार और भविष्य वित्तीय रूप से सुरक्षित रहे।

रिटायरमेंट प्लानिंग की बढ़ती जागरूकता

पेंशन यूलिप खरीदने वालों में सबसे बड़ा हिस्सा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग का है। इस वर्ग की भागीदारी लगभग 40 प्रतिशत है। वहीं 36 से 45 वर्ष आयु वर्ग के निवेशकों की हिस्सेदारी करीब 35 प्रतिशत है। इस प्रकार कुल मिलाकर 36 वर्ष से अधिक आयु के निवेशक पेंशन यूलिप निवेश का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा बना रहे हैं। यह दर्शाता है कि मध्यम आयु वर्ग रिटायरमेंट प्लानिंग को लेकर पहले से अधिक जागरूक हो रहा है।

स्थिरता की ओर बढ़ रहा झुकाव

दिलचस्प बात यह है कि 26 से 35 वर्ष आयु वर्ग के निवेशक गारंटीड रिटर्न प्लान्स को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। इस आयु वर्ग का इन योजनाओं में लगभग 50 प्रतिशत योगदान है। विशेषज्ञों का मानना है कि नौकरीपेशा युवाओं में वित्तीय अनुशासन और भविष्य की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में निश्चित आय और पूंजी सुरक्षा वाले उत्पाद उन्हें अधिक भरोसेमंद लग रहे हैं।

हर आय वर्ग के लिए विकल्प

पेंशन यूलिप और गारंटीड रिटर्न प्लान्स की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें छोटे निवेशक भी आसानी से शुरुआत कर सकते हैं। पेंशन यूलिप में निवेश कुछ हजार रुपये से शुरू होकर लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। वहीं गारंटीड रिटर्न प्लान्स में भी कम मासिक प्रीमियम से निवेश शुरू करने की सुविधा उपलब्ध है।

निवेश संस्कृति का विस्तार

पहले निवेश संबंधी जागरूकता मुख्य रूप से महानगरों तक सीमित थी, लेकिन अब टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी वित्तीय योजनाओं के प्रति रुचि तेजी से बढ़ रही है। हालांकि मेट्रो शहर अभी भी निवेश में अग्रणी हैं, लेकिन छोटे शहरों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। यह संकेत है कि वित्तीय साक्षरता और डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म्स ने निवेश को देश के हर हिस्से तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

क्या पेंशन यूलिप और गारंटीड प्लान

- पेंशन यूलिप उपयुक्त हो सकते हैं यदिः
- आपका लक्ष्य रिटायरमेंट कॉर्पस बनाना है।
- निवेश अवधि लंबी है।
- आप बाजार आधारित वृद्धि चाहते हैं।
- बीमा और निवेश का संयोजन पसंद करते हैं।

गारंटीड रिटर्न प्लान

- जोखिम लेने की क्षमता सीमित है।
- पूंजी सुरक्षा प्राथमिकता है।
- भविष्य की निश्चित वित्तीय जरूरतों की योजना बना रहे हैं।
- हालांकि गारंटीड रिटर्न योजनाएं सुरक्षा प्रदान करती हैं, लेकिन निवेशकों को वास्तविक रिटर्न का मूल्यांकन महंगाई को ध्यान में रखकर करना चाहिए। इसी तरह यूलिप में निवेश से पहले शुल्क, लॉक-इन अवधि, फंड विकल्प और दीर्घकालिक रिटर्न की संभावनाओं को समझना जरूरी है।

देश की राजनीति में उठापटक का दौर जारी है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है। विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। 'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है। दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ), जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूंढ़ ली है। यह स्थिति बेहद निराश करने वाली है। इसके सभी प्रावधानों पर पुनर्विचार की भी जरूरत है और कुछ कठोर व अलोकप्रिय निर्णय की भी शिद्दत से दरकार है। आम जनता दलबदलू नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि इस दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा? ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

दलबदल कानून पर पुनर्विचार की दरकार

विश्लेषण
डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय राजनीति के इतिहास में 1960 और 70 के दशक को राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादिता के एक बेहद चिंताजनक दौर के रूप में याद किया जाता है। इसी राजनीतिक अनैतिकता पर अंकुश लगाने और चुनी हुई सरकारों को स्थिरता प्रदान करने के महान उद्देश्य से वर्ष 1985 में संविधान के 92वें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में 'दलबदल विरोधी कानून' कहा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य विधायकों और सांसदों को व्यक्तिगत लाभ या मंत्री पद के लालच में अपनी पार्टी बदलने से रोकना था। अगर हम पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक घटनाक्रमों और सत्ता परिवर्तन के खेल पर गहराई से नजर डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे चतुर राजनेताओं ने इस कानून की अचूक काट खोज ली है।

वैसे नैतिकता की चर्चा अब किसी भी क्षेत्र में बेमानी और अप्रासंगिक है, लेकिन हाल ही की राजनीतिक उठापटक बेहद निराश करती है। इसके सभी प्रावधानों पर पुनर्विचार की भी जरूरत है और कुछ कठोर व अलोकप्रिय निर्णय भी दरकार हैं। भारतीय राजनीति के इतिहास में उन्नीस सौ साठ और सत्तर के दशक को राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादिता के एक बेहद चिंताजनक दौर के रूप में याद किया जाता है। इसी राजनीतिक अनैतिकता पर अंकुश लगाने और चुनी हुई सरकारों को स्थिरता प्रदान करने के महान उद्देश्य से वर्ष उन्नीस सौ पच्चासी में संविधान के बावनवें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में 'दलबदल विरोधी कानून' कहा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य विधायकों और सांसदों को व्यक्तिगत लाभ या मंत्री पद के लालच में अपनी पार्टी बदलने से रोकना था। अगर हम पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक घटनाक्रमों और सत्ता परिवर्तन के खेल पर गहराई से नज़र डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे चतुर राजनेताओं ने इस कानून की अचूक काट खोज ली है।

यह कानून मूल रूप से 'फुटकर' यानी एक या दो विधायकों के दलबदल को तो सख्ती से रोकता है, लेकिन 'थोक' दलबदल को एक तरह से कानूनी और संवैधानिक मान्यता दे देता है। कानून के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी राजनीतिक दल के दो-तिहाई सदस्य एक साथ टूटकर किसी अन्य दल में विलय करते हैं, तो उन पर दलबदल विरोधी कानून का चाबुक नहीं चलता। इसी 'विलय' के प्रावधान का अनुचित फायदा उठाकर कई राज्यों में रातों-रात पूरे के पूरे विधायक दल दूसरी पार्टी में शामिल हो गए और यह सख्त दिखने वाला कानून महज एक मूकदर्शक बना रहा।

खास बातें

- अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस लिया जाए क्योंकि उनका पद राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता।
- यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाए, या 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' गठित हो

विस सदस्यता से इस्तीफा

हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में एक नया और अधिक चिंताजनक 'मॉडल' सामने आया है, जिसे 'इस्तीफा और पुनः चुनाव' का मॉडल कहा जा सकता है। इस राजनीतिक चाल के तहत सत्ता पक्ष के असंतुष्ट विधायक दलबदल करने के बजाय सीधे अपनी विधानसभा सदस्यता से ही इस्तीफा दे देते हैं। इससे सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा गिर जाता है और सत्तारूढ़ सरकार अल्पमत में आकर भरभरा कर गिर जाती है। इसके तुरंत बाद ये बागी विधायक दूसरी पार्टी के टिकट पर शान से उपचुनाव लड़कर वापस आ जाते हैं और अक्सर नई सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री पद भी प्राप्त कर लेते हैं। हालिया राजनीतिक घटनाक्रम इस बात के ज्वलंत उदाहरण हैं कि कैसे इस कानून की मूल भावना और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गई हैं।

विस या लोस अध्यक्ष की भूमिका

इस कानून को कमजोर, निष्प्रभावी और काफी हद तक अप्रासंगिक बनाने में एक बहुत बड़ा और विवादास्पद योगदान विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका का भी रहा है। दलबदल कानून के तहत किसी भी सदस्य को अयोग्य घोषित करने का अंतिम और एकाधिकार पीठासीन अधिकारी यानी अध्यक्ष के पास सुरक्षित होता है। हमारी विधायिकाएं जो कि स्वतंत्र बहस, वैचारिक विमर्श और जन-आकांक्षाओं के जीवंत मंच होनी चाहिए थीं, वे अब केवल राजनीतिक दलों के संख्याबल का मूक प्रदर्शन करने की जगह बनकर रह गई हैं। इन तमाम गंभीर खामियों और दुरुपयोग के मामलों को देखते हुए यह कहना जल्दबाजी नहीं होगी कि यह कानून अपने वर्तमान स्वरूप में काफी हद तक अपर्याप्त और अक्षम साबित हो रहा है।

आया राम-गया राम

क्या इन कमियों के आधार पर इसे पूरी तरह से अप्रासंगिक मानकर रद्दी की टोकरी में डाल देना चाहिए? इसका उत्तर है-बिल्कुल नहीं। दलबदल कानून ने व्यक्तिगत स्तर पर होने वाली सौदेबाजी और 'आया राम-गया राम' की उस पुरानी, निर्लज्ज संस्कृति पर जरूर एक मजबूत लगाम लगाई है। यदि यह कानून बिल्कुल न हो, तो शायद हर दिन सरकारें गिरेंगी और बनेंगी, जिसका सीधा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा। दलबदल विरोधी कानून पर निश्चित रूप से एक समग्र और गंभीर पुनर्विचार की तत्काल आवश्यकता है, जिसके तहत कुछ बुनियादी और कड़े सुधार किए जाने चाहिए। सबसे पहला कदम यह होना चाहिए कि अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस ले लिया जाए, क्योंकि उनका पद अक्सर राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता। इसके बजाय, यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाना चाहिए, या फिर इसके लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' का गठन किया जाना चाहिए, जो अधिकतम तीन महीने के भीतर अपना अंतिम फैसला सुनाए।

कानून की कमियों को दूर करें

इस्तीफे के खेल को रोकने के लिए यह कड़ा प्रावधान होना चाहिए कि यदि कोई विधायक या सांसद दलबदल के इरादे से अपनी सदस्यता से इस्तीफा देता है या अयोग्य घोषित होता है, तो उस पर उस सदन के शेष कार्यकाल तक कोई भी चुनाव लड़ने और किसी भी सार्वजनिक या लाभ के पद को धारण करने पर सख्त और पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए। इसलिए अब वह समय आ गया है कि हमारी संसद, चुनाव आयोग और न्यायपालिका एकजुट होकर इस कानून की तमाम कमियों को दूर करें।

कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर पा रहे क्षेत्रीय दल

असमंजस
डॉ. पवन कुमार शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

वर्तमान भारतीय राजनीति एक अत्यंत दिलचस्प और जटिल दौर से गुजर रही है। एक तरफ जहां केंद्र में बीजेपी का मजबूत और आक्रामक नेतृत्व है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष एकजुट होकर अपनी जमीन बचाने के संघर्ष में है। इस परिदृश्य में दो अहम सवाल राजनीति की समझ रखने वाले हर व्यक्ति को मथते हैं- पहला, क्या क्षेत्रीय दलों को 'दलबदल' या अपनी सरकारें गिरने के डर से बचने के लिए देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के साथ चले जाना चाहिए? दूसरा, तमाम मजबूत क्षेत्रीय क्षत्रप कांग्रेस के साथ पूरी तरह हाथ मिलाने से हिचकते क्यों हैं? इस कशमकश को एम. के. स्टालिन, नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी के राजनीतिक दृष्टिकोण और उनके राज्यों के परिपेक्ष्य में बेहद बारीकी से समझा जा सकता है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एम. के. स्टालिन का कांग्रेस के साथ रिश्ता वर्तमान राजनीति में सबसे सहज और स्थिर माना जाता है। इसका स्पष्ट कारण है कि तमिलनाडु की राजनीति में कांग्रेस बहुत पहले अपनी मुख्य भूमिका खो चुकी है। वहां सीधा मुकाबला द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच रहता है। चूंकि कांग्रेस वहां द्रमुक के लिए कोई संगठनात्मक खतरा नहीं है, इसलिए स्टालिन को कांग्रेस को सीटें देने या उनके साथ मंच साझा करने में कोई हिचक नहीं होती। वहां के विधायकों में वैचारिक रूप से दलबदल कराना बेहद कठिन है। स्टालिन के लिए कांग्रेस के साथ जाना दलबदल से बचने की मजबूरी नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी मोर्चे को मजबूत करने की एक सोची-समझी रणनीति है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार भारतीय राजनीति में 'दलबदल' और 'पलटीमार' राजनीति के सबसे बड़े प्रतीक माने जाते हैं। नीतीश की सबसे बड़ी दुविधा यह है कि बिहार में कांग्रेस का पारंपरिक सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल है। जब भी नीतीश कांग्रेस या 'इंडिया' गठबंधन के करीब जाते हैं तो बिहार में तेजस्वी यादव का कद बढ़ने लगता है जो नीतीश की पार्टी के राजनीतिक वजूद के लिए सीधा खतरा है। नीतीश ने खुद को बचाने के लिए कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा का सहारा लिया। वर्तमान परिपेक्ष्य में, नीतीश को यह भली-भांति पता है कि कांग्रेस के साथ जाने से उनके विधायकों को दलबदल से सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं मिलती क्योंकि कांग्रेस खुद कई राज्यों में अपने विधायक बचाने में नाकाम रही है। इसलिए वे दलबदल से बचने के लिए वैचारिक स्थिरता के बजाय सत्ता के संतुलन यानी कभी इधर, कभी उधर का फॉर्मूला अपनाते हैं। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की राजनीति का उदय ही कांग्रेस के विरोध और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से हुआ था। दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को पूरी तरह मटियामेट करके अपनी सत्ता बनाई। अगर केजरीवाल राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के साथ बहुत गहरे जुड़ते हैं तो राज्यों में उनके कार्यकर्ताओं के सामने वैचारिक संकट खड़ा हो जाएगा कि जिस कांग्रेस को हराकर वे सत्ता में आए, उसी के साथ गठबंधन कैसे करें? कांग्रेस खुद दिल्ली और पंजाब में 'आप' की जमीन वापस छीनने की ताक में रहती है। इसलिए केजरीवाल मजबूरी में लोकसभा चुनाव जैसे बड़े मंचों पर तो कांग्रेस के साथ दिखते हैं, लेकिन राज्यों के स्तर पर अपनी दूरी बनाए रखते हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी कांग्रेस से हिचक का सबसे मुखर चेहरा हैं। उनका मानना है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा को हराने की ताकत सिर्फ टीएमसी के पास है। वहां कांग्रेस और लेफ्ट मिलकर टीएमसी के खिलाफ लड़ते हैं। ममता किसी भी कीमत पर बंगाल की राजनीति में कांग्रेस को 'स्पेस' देकर दोबारा जीवित नहीं करना चाहतीं। ममता बनर्जी ने बंगाल में दलबदल विरोधी कानून और अपने कड़े प्रशासनिक नियंत्रण के दम पर पार्टी को लंबे समय तक संभाले रखा। टीएमसी में टूट और बिखराव के बावजूद ममता बनर्जी को डर है कि कांग्रेस के साथ आने से राज्य में अल्पसंख्यक वोटों का बंटवारा हो सकता है जिससे बीजेपी को सीधा फायदा होगा। क्षेत्रीय दलों की कांग्रेस से हिचक के तीन मुख्य कारण हैं। अधिकांश क्षेत्रीय दलों का जन्म कांग्रेस के कमजोर होने के बाद हुआ है जैसे टीएमसी और आप। अगर ये दल कांग्रेस को अपने राज्य में दोबारा पैर पसारने का मौका देंगे तो इनका खुद का जनाधार खतरे में पड़ जाएगा। दूसरा, क्षेत्रीय दलों को लगता है कि कांग्रेस सीधे मुकाबले वाले राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में बीजेपी को उस मजबूती से नहीं हरा पाती जितने प्रभावी ढंग से क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में भाजपा को रोक लेते हैं। तीसरा, क्षेत्रीय क्षत्रप अपने राज्यों के 'किंग' हैं। वे कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के तहत 'जूनियर पार्टनर' बनकर काम करने में असहज महसूस करते हैं। भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगावत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता। क्षेत्रीय दलों के पास दलबदल से बचने का एकमात्र तरीका अपनी सांगठनिक एकजुटता, मजबूत स्थानीय कैडर और जनता के बीच अपनी पैठ बनाए रखना ही है।

भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगावत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता।

अब जरूरत के मुताबिक बदल रही विचारधारा

सियासत
डॉ. विजेंद्र कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

लोकतंत्र की मूल आत्मा उस विश्वास में बसती है, जो एक मतदाता अपने प्रतिनिधि को चुनते समय मतपेटी में डालता है। यह केवल एक वोट नहीं होता, बल्कि एक वैचारिक सहमति, भविष्य की उम्मीद और एक सामाजिक अनुबंध होता है, लेकिन समकालीन राजनीति के पटल पर जब हम दृष्टि डालते हैं, तो यह पवित्र अनुबंध एक बाजारू सौदे में तब्दील होता नजर आता है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है।

विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। जब दलबदल की इस प्रवृत्ति के साथ 'लालच' का घातक कॉकटेल मिल जाता है, तो जनमत का सीधा-सीधा अपहरण होता है। ऐसे में यह सवाल पूरी शिद्दत के साथ उठता है कि आखिर नैतिकता के बिना राजनीति का स्वरूप क्या रह जाता है और लोक-कल्याण का दावा करने वाले दल अपने ही बुने हुए पाखंड के जाल में कब तक सुरक्षित रह सकते हैं? दलबदल की इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में यदि कोई एक तत्व निर्विवाद रूप से स्थापित है तो वह है लालच। यह लालच केवल धन का नहीं है; यह सत्ता के गलियारों में बने रहने का लालच है, मंत्री पद की लालसा है और कई बार अपनी पुरानी गलतियों या भ्रष्टाचार के मामलों पर पर्दा डालने के लिए 'सुरक्षित पनाहगाह' खोजने की विवशता भरा स्वार्थ है। जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है। इसे हम राजनीतिक भ्रष्टाचार का सबसे परिष्कृत और 'कानूनी' रूप कह सकते हैं, जहां प्रतिनिधि स्वयं को एक उत्पाद के रूप में सत्ता के बाज़ार में नीलाम कर देता है। इस समूचे घटनाक्रम में सबसे अधिक हास्यास्पद और विडंबनापूर्ण स्थिति राजनीतिक दलों के उस दोहरे मापदंड की है, जिसे हम 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा दलबदल गलत' के रूप में देखते हैं। जब किसी पार्टी के विधायक या सांसद टूटकर किसी अन्य दल में जाते हैं, तो वह पार्टी इसे 'लोकतंत्र की हत्या', 'जनादेश का अपमान' और 'धनबल का नंगा नाच' करार देती है।

उनके नेता टीवी चैनलों पर बैठकर नैतिकता की लंबी-लंबी दुहाई देते हैं और इसे एक अक्षम्य राजनीतिक अपराध बताते हैं। लेकिन जब वही पार्टी किसी दूसरे दल के असंतुष्ट विधायकों को अपने पाले में खींचती है, तो उनकी शब्दावली रातों-रात बदल जाती है।

मानों उस राजनीतिक दल का कार्यालय कोई पवित्र स्नानघर हो, जहां प्रवेश करते ही सारे राजनीतिक और नैतिक पाप धुल जाते हों और व्यक्ति एक नए बेदाग अवतार में जन्म ले लेता हो। 'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है। दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ) जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूँढ ली है। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि यह दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा?

इस प्रश्न का उत्तर सीधे तौर पर जन-चेतना और नागरिक उत्तरदायित्व में छिपा है। जब तक दलबदल करने वाले नेताओं को उनके पाले बदलने के बाद होने वाले उप-चुनावों में जनता द्वारा फिर से चुनकर सदन में भेजा जाता रहेगा, तब तक उनका दुस्साहस और सत्ता का यह लालच फलता-फूलता रहेगा। जब 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा गलत' की इस खोखली और पाखंडी दलील को आम जनता पूरी तरह से खारिज कर देगी और दलबदलू नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा। बदलाव की वास्तविक शुरुआत इसी चेतना से होगी कि गलत हमेशा गलत होता है, चाहे वह सत्ता पक्ष द्वारा किया गया हो या विपक्ष द्वारा, 'मेरे' द्वारा किया गया हो या 'तुम्हारे' द्वारा।

जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है।

विपक्ष की निष्क्रियता से एनडीए मुखर

मंथन
चरणजीत चरण
स्वतंत्र पत्रकार

बारह वर्षों के शासन के बावजूद आज एनडीए भारतीय राजनीति में जिस तरह से मुखर और आक्रामक रहता है वह दुनिया के तमाम राजनीतिक पंडितों के लिए शोध का विषय है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए एक चुनाव के बाद पांच साल बाद दूसरे चुनाव में जाना बहुत ही चूनौतीपूर्ण कार्य होता है। पूरे न किए गए वादों का दबाव इतना अधिक होता है कि अधिकतर राजनीतिक दल इस दलदल में धंस जाते हैं। बावजूद इसके तमाम विरोधों के होते हुए एनडीए के नेताओं के चेहरे पर कोई शिकन नज़र नहीं आती है। वे हर नए चुनाव में पहले से अधिक ऊर्जा के साथ जाते है और चुनाव जीतते हैं।

इस सारे विचार का मंथन अगर खुले मन से किया जाए तो बहुत से ऐसे बिंदु हैं जो एनडीए को साल दर साल मज़बूत बनाते हैं। विपक्ष के पास किसी निश्चित विचारधारा का न होना विपक्षी दलों की सबसे बड़ी कमजोरी है। जाति, धर्म, राष्ट्र, विदेश नीति, युद्ध नीति, पड़ोसी देशों से सम्बन्ध आदि मुद्दों पर विपक्ष हमेशा बंटा हुआ रहता है। इसी का फायदा एनडीए उठाता है, जैसे हिन्दू धर्म के मुद्दे पर विपक्ष का रुख हमेशा खामोश हो जाने का रहता है। जबकि एनडीए के सभी दल अपने सभी विवादों को भूलकर एक लाइन पर रहते हैं। राम मंदिर जैसे बहुसंख्यक समाज के मुद्दे पर एनडीए के सभी दल खुलकर हिंदू मत के साथ रहते हैं। विपक्ष के लोगों की मत भिन्नता पूरे देश ने महसूस की है। एक समय तक एनडीए के प्रमुख घटक के रूप में रही शिव सेना जहां राम मंदिर के समर्थन में रही, वहीं बाकी दल इसके विरोध में खड़े नजर आए। राहुल गांधी द्वारा सावरकर को माफ़ीवीर कहने पर सावरकर की प्रचंड समर्थक शिव सेना कभी खुलकर इसका विरोध नहीं करती। परिणाम स्वरूप आज शिव सेना पूर्णतया खत्म होने के कगार पर है। सनातन को डेंगू मलेरिया कहने वाले डीएमके के नेता जब बाकी विपक्षी दलों के साथ मंच साझा करते हैं तो एनडीए को ये कहने का मौका मिलता है कि ये सब हिन्दू धर्म विरोधी हैं और पूरा एनडीए इस विचार को देश की जनता के बीच ले जाने में सफल रहता है, जिसका परिणाम चुनाव में देखने को मिलता है। अपने बारह वर्षों के शासनकाल में मोदी कभी थके हुए, हारे हुए या अपनी नीतियों को लेकर अस्पष्ट नज़र नहीं आए। बात चाहे देश की हो या विदेश की, उन्होंने हर जगह अपनी बात पूरी दृढ़ता के साथ रखी, जबकि विपक्ष के सभी नेता बार-बार अपने बयानों से पीछे हटते या बयानों को बदलते नज़र आते हैं। उनके एजेंडे में किसी एक मूल विचार धारा का न होना भी विपक्ष के भटकाव का मुख्य कारण है। वहीं, एनडीए अपने राष्ट्रवाद और हिंदू धर्म के मुद्दे पर हमेशा अडिग रहा है। राष्ट्रवाद और हिंदू एकता, सीमाओं की सुरक्षा, घुसपैठ को पूर्णतया रोकना एनडीए के प्रमुख मुद्दे हैं। बाकी मुद्दे राज्य की जरूरतों के अनुसार बदलते रहते हैं। इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी ऐसा सशक्त नेता नहीं है जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी। उड़ीसा, जहां बीस वर्षों से सत्ता पर काबिज़ नवीन पटनायक को एनडीए के हाथों शिकस्त खानी पड़ी। एक और ताज़ा उदाहरण अजेय माने जाने वाले बंगाल का है, जहां सबसे आक्रामक राजनीति करने वाली ममता बनर्जी को बहुत बुरी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा जो 2022 में की थी और न्याय यात्रा जो 2024 में की, इन दोनों यात्राओं के माध्यम से उन्होंने देश को एकजुट करने का दावा किया, लेकिन उनके सहयोगी दलों का साथ उनको नहीं मिला। इसका परिणाम ये हुआ इन दोनों यात्राओं के जितने सार्थक परिणाम विपक्ष को मिल सकते थे, नहीं मिले। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं कि देश के संवेदनशील मुद्दों पर विपक्ष का एक मत एक विचार न होना, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग सुरों में बोलना, देश की विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों के मुद्दों की विदेश में आलोचना करना। जनता के बीच जनहित के मुद्दों को उठाने के बजाय वोट चोरी या चुनाव चोरी जैसे अनर्गल प्रचार से अपनी नाकामी को ढकने की कोशिश करना, ये वो सारे कारण हैं जिन्हें भारतीय मतदाता अब सुनना नहीं चाहता। कुल मिलाकर एनडीए की आक्रामकता का एक विशेष कारण विपक्ष की निष्क्रियता है।

इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी सशक्त नेता नहीं है, जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी।

▶▶ बारिश से बचने चाय की दुकान पर भी बैठे अधिकारी, क्षेत्रीय पार्षद ने दुकानदारों से स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने को कहा

▶▶ दो दिन पहले अतिक्रमणकारियों को दी गई थी हिदायत

बारिश के बीच डटे रहे एसडीएम, अब्बास नगर में चली जेसीबी, हटे अवैध कब्जे

एक्शन मोड में दिखा जिला प्रशासन छाता हाथ में और कार्रवाई पर नजर...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के अब्बास नगर क्षेत्र में शनिवार को जिला प्रशासन ने अवैध कब्जों और निर्माणों के खिलाफ बडी कार्रवाई की।

तेज बारिश के बावजूद प्रशासनिक अमला मौके पर डटा रहा और सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण हटाए गए। कार्रवाई के दौरान नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम भी मौजूद रही। एसडीएम

एसडीएम रवीश हाथ में छाता लेकर कार्रवाई पर नजर रखते हुए।

रवीश कुमार श्रीवास्तव खुद हाथ में छाता लेकर कार्रवाई पर नजर बनाए रहे। जेसीबी से अवैध तोडे गए। इस दौरान बारिश से बचने के लिए अधिकारी चाय की दुकान पर भी बैठे।

जिला प्रशासन के अधिकारी और अतिक्रमण अमला दोपहर करीब 12 बजे अब्बास नगर कार्रवाई करने पहुंचा। यहां की मुख्य सड़क के दोनों ओर लंबे समय से अस्थायी और स्थायी कब्जे बने हुए थे, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा था।

कई स्थानों पर वाहन चालकों और राहगीरों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए दोपहर से जिला प्रशासन, नगर निगम, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि सड़क पर किए गए अतिक्रमण के साथ-साथ सरकारी भूमि पर बने अवैध निर्माणों को भी चिन्हित कर हटाया गया है। बैरागढ़ अनुभाग के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे स्थानों की सूची तैयार की जा रही है, जहां अतिक्रमण के कारण ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित होती है। लोगों से पहले स्वयं कब्जे हटाने की अपील की जा रही है, लेकिन अनदेखी करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्वेच्छा से कब्जे हटाने की अपील

अब्बास नगर में अवैध शेड जो घरों के बाहर निकले हुए थे उनको तोड़ने की कार्रवाई में एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी और नगर निगम के अतिक्रमण टीम मौजूद रही। कांग्रेस पार्षद लक्ष्मण सिंह राजपूत ने भी लोगों को समझाइश दी कि वे अपना सामान खुद ही हटा लें।

न्यू मार्केट और दस नंबर से भी हटे कब्जे

नगर निगम के अतिक्रमण अमले ने शहर के अन्य प्रमुख बाजारों में अतिक्रमण को लेकर अभियान चलाया। इसके तहत न्यू मार्केट, 10-नंबर मार्केट सहित कई क्षेत्रों में फुटपाथ और सड़क घेरकर किए गए अतिक्रमण हटाए गए।

खबर संक्षेप

गेमावत होंगे मप्र मेट्रो के डायरेक्टर प्रोजेक्ट, कार्यभार संभाला

भोपाल। दिल्ली मेट्रो रेल निगम लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक संदीप गेमावत मप्र मेट्रो रेल

कारपोरेशन के डायरेक्टर प्रोजेक्ट होंगे। उन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया है। श्री गेमावत दिल्ली मेट्रो रेल निगम लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक, रेल विकास निगम में चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर रह चुके हैं। इसके पूर्व मप्र मेट्रो में डायरेक्ट प्रोजेक्ट का काम प्रभारी जीएम देख रहे थे।

युवक ने टॉयलेट क्लीनर पीकर दी जान

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित करोंद में रहने वाले एक युवक टॉयलेट क्लीनर पीकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन का कहना है कि शादी टूटने के बाद से वह दुखी था। अनुमान है कि इसी कारण उसने टायलेट क्लीनर पीया है। पुलिस के अनुसार 24 साल का लखन किरार करोंद में रहता था और कपड़े की दुकान में काम करता था। गत 18 जून की रात उसने घर में रखा टायलेट क्लीनर पी लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। परिजन ने बताया कि 10 मई को उसकी शादी होने वाली थी। परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं। परिजन ने शादी के कार्ड भी बांट दिए थे। पर वधू पक्ष की ओर से शादी से तोड़ दी गई। मृतक के जीजा आकाश सूर्यवंशी ने आरोप लगाया है कि शादी से करीब 10 दिन पहले लखन का अपनी पूर्व मंगेतर से दोबारा संपर्क हुआ। इसी दौरान उसका एक निजी फोटो लड़की पक्ष तक पहुंच गया। उस लड़की से भी शादी टूट गई। जीजा का आरोप है कि वह वह फोटो पूर्व मंगेतर ने भेजा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीएमओ में पदस्थ कर्मचारी के सूने मकान से पांच लाख की चोरी

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र स्थित दानिश कुंज में पीएमओ में पदस्थ कर्मचारी के सूने मकान का ताला तोड़कर बदमाश जेवर चुराकर ले गए। पुलिस ने नकबजनी का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, दानिशकुंज निवासी अरुण कुमार राय केंद्रीय गृह मंत्रालय में वरिष्ठ पद पर पदस्थ हैं। उनकी पत्नी ममता राय भाजपा की वरिष्ठ नेत्री हैं। गुरुवार को अरुण कुमार राय अपने परिवार के साथ महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन गए थे। उनकी नौकरानी घर पहुंची तो उसने घर के मुख्य गेट का ताला टूटा देखा था। इसके बाद अरुण कुमार को मोबाइल पर घटना की जानकारी दी। शनिवार को परिवार उज्जैन से भोपाल लौटा। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि अलमारी खुली है और लॉकर टूटा हुआ है। तलाशी लेने पर पता चला कि लॉकर में रखे करीब पांच लाख के जेवर नहीं थे। बदमाश उनके घर से केवल जेवर ही चुराकर ले गए है। घर में रखा आईपैड, लैपटॉप और अन्य कीमती सामान सुरक्षित रखा है। बदमाश के केवल नगदी और जेवरात चुराने के इरादे से आए थे। पुलिस का कहना है कि घर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में दो संदिग्ध बाइक सवार नजर आए हैं।

टीटी नगर दशहरा मैदान के पास है निगम का स्टोर, देर रात तक यहां शरारती तत्वों का रहता है जमघट

निगम के अतिक्रमण स्टोर के कर्मचारी को किया लहूलुहान, अस्पताल में भर्ती, आईं गंभीर चोटें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के टीटी नगर स्थित दशहरा मैदान के पास निगम के स्टोर कर्मचारी को देर रात अज्ञात युवकों द्वारा मारपीट कर लहूलहान करने का मामला प्रकाश में आया है। देर रात करीब साढे 12 बजे स्टोर में डयूटी पर तैनात कर्मचारी से चार-पांच अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। जिससे उसके सिर, पैर, हाथ और कमर में चोटें आईं हैं।

अज्ञात युवक तत्काल मौके से भाग खडे हुए। घायल अवस्था में उसे निगम के ही कर्मचारी ने 1250 अस्पताल पहुंचाया जहां उसे उपचार के बाद हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि निगम के उक्त स्टोर में कई कमियां है। यहां न तो गेट है न सुरक्षा को लेकर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। बारिश में बेसमेंट में पानी भर जाता है। रात के समय अक्सर यहां युवा मदिरा सेवन करते हैं और नशा करते हैं। निगम के स्टोर में डयूटी पर तैनात यासिर पर अचानक हुए हमले से अन्य निगम कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। उसके साथियों ने हरिभूमि को बताया कि वे 2006 से निगम के स्टोर में सेवाएं दे रहा है। रात में जब वे डयूटी पर था तब चार-पांच अज्ञात लोगों ने उस पर हमला कर उसके सिर पर धारदार चीज से वार किया। उसे गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलने पर अतिक्रमण यूनियन अध्यक्ष फैजान मौके पर पहुंचे और घायल कर्मचारी को अस्पताल पहुंचाया।

घायल स्टोर कर्मचारी।

इसी स्थान पर पीड़ित पर हमला हुआ। यहां नहीं है सुरक्षा व्यवस्था।

निगम का तर्क- एफआईआर करवा रहे हैं, एसीपी से बात की है

निगम के उपायुक्त हीरेन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि स्टोर में निगम कर्मी से मारपीट की गई है। उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती करवा है। जहां इलाज चल रहा है। इस मामले को लेकर एसीपी से बात की है और एफआईआर भी दर्ज करवा रहे हैं। घायल कर्मचारी की हर संभव मदद की जाएगी।

मारपीट के विरोध में अतिक्रमण शाखा के कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

निगम के स्टोर में ड्यूटी के दौरान निगम कर्मचारी यासिर के साथ हुई मारपीट के विरोध में अतिक्रमण शाखा कर्मचारियों ने शनिवार को न्यू मार्केट दशहरा मैदान पर प्रदर्शन किया व आरोपियों पर सख्त कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की।

उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग

पटवारी की तबादला सूची को लेकर सांसद ने सीएम को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पटवारियों के तबादलों को लेकर नया विवाद सामने आया है। 15 जून को जारी 46 पटवारियों की स्थानांतरण सूची महज 24 घंटे के भीतर बदल दी गई और संशोधित आदेश में 25 से अधिक नाम हटा दिए गए। इनमें अधिकांश ऐसे पटवारी बताए जा रहे हैं जो वर्षों से एक ही हल्के और तहसील में पदस्थ हैं। मामले को गंभीर बताते हुए सांसद ने सीएम को पत्र लिखकर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। सांसद ने अपने पत्र में कहा है कि भोपाल में भूमि सीमांकन, नामांतरण, नक्शा सुधार और अन्य राजस्व कार्यों में अनावश्यक विलंब की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। कई पटवारी लंबे समय से एक ही क्षेत्र में जमे हुए हैं, जिससे आम लोगों को अपने काम कराने के लिए पटवारी, तहसील और कलेक्ट्रेट के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल

15 जून को जारी आदेश में हुजूर, कोलार, बैरसिया और टीटीनगर तहसील के 46 पटवारियों का तबादला किया गया था। अगले दिन 16 जून को संशोधित सूची जारी हुई। पहली सूची में शामिल कई चर्चित पटवारियों के नाम हटने-जुड़ने से प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

कर्मचारी सहित दो आरोपी पकड़ाए, एक लाख जब्त

किराना व्यापारी से लूट के मामले में शातिर कर्मचारी ही निकला आरोपी

लूट की रकम से महंगे शौक और जुए की लत पूरी करने कराई थी लूट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शाहजहांनाबाद पुलिस ने ईदगाह हिल्स में किराना व्यापारी से दो लाख रुपए लूटने वाले लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है। लूट की साजिश व्यापारी के कर्मचारी ने ही अपने दो साथियों के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने कर्मचारी समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर एक लाख रुपए बरामद कर लिए हैं। एक अन्य आरोपी की तलाश है। साईंकृपा अपार्टमेंट प्रभु नगर ईदगाह हिल्स निवासी दिलीप आरतवानी (46) किराने के थोक व्यापारी हैं और जुमेराती में उनकी दुकान है। गत 16 जून की रात वे दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। रात करीब सवा 11 बजे घर से करीब डेढ़ सौ मीटर दूर जैसे ही गली में मुड़े, स्कूटर सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने उनको रोक लिया और दो बदमाश स्कूटर से उतरकर उनके पास पहुंचे।

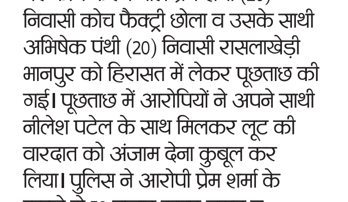

दिलीप के निकलते ही कर्मचारी ने किया कॉल

दिलीप की दुकान के पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए गए। फुटेज में कर्मचारी की गतिविधियां संदिग्ध नजर आईं। दिलीप के निकलते ही एक कर्मचारी मोबाइल पर बात करता हुआ नजर आया। संदेह के आधार पर दुकान पर काम करने वाले प्रेम शर्मा (20) निवासी कोच फैक्ट्री छोला व उसके साथी अभिषेक पंथी (20) निवासी रासलाखेड़ी भानपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने अपने साथी नीलेश पटेल के साथ मिलकर लूट की वारदात को अंजाम देना कुबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी प्रेम शर्मा के कब्जे से 50 हजार रुपए नगद व अभिषेक पंथी से 50 हजार रुपए के अलावा वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू व स्कूटी बरामद की है। पूछताछ में आरोपी प्रेम ने बताया कि महंगे शौक व जुआ खेलने की लत के कारण उसने लूट की साजिश रची। उसे पर कर्ज था। दिलीप को दो लाख रुपए ले जाता देख उसके मन में लालच आ गया। पुलिस अब फरार आरोपी नीलेश पटेल की तलाश कर रही है। शेष एक लाख रुपए नीलेश के पास बताए जा रहे हैं।

आरोपी चालक गिरफ्तार, चाचा की तलाश जारी

एल्युमिनियम की सिल्लियों के बीच हो रही थी गांजे की तस्करी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

क्राइम ब्रांच की टीम ने ट्रक से बड़ी मात्रा में 170.90 किलो जब्त किया है। ट्रक में एल्युमिनियम की सिल्लियों के बीच उक्त गांजे की तस्करी की जा रही थी। क्राइम ब्रांच की पूछताछ में पता चला कि उक्त गांजा उड़ीसा से लाया गया था और उसे भोपाल आसपास के जिलों में खपाने की तैयारी थी। क्राइम ब्रांच ने ट्रक, उसमें रखी एल्युमिनियम की सिल्लियां सहित 170.90 किलो गांजा जब्त कर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। क्राइम ब्रांच को आरोपी के चाचा की तलाश है। आरोपी का चाचा ही मुख्य सरगना है और उसकी का ट्रक है। वह अपने भतीजे से ट्रक में गांजे की तस्करी करवा रहा था। क्राइम ब्रांच एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि गांव गोल जोड़ पर एक संदिग्ध ट्रक खड़ा है। उस ट्रक में बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ गांजा रखा हुआ है। सूचना के बाद हरकत में आई क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके की घेराबंदी की। मुखबिर के बताए अनुसार नीली पन्नी बंधी हुए ट्रक के पास क्राइम ब्रांच की टीम पहुंची।

क्राइम ब्रांच की टीम ने की कार्रवाई, कोलार के गोल जोड़ से पकड़ा ट्रक

प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, राष्ट्र सेवा का सर्वोच्च साधन बनाया

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ क्षण ऐसे हैं जो केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होते, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक आकांक्षाओं और विश्वास का प्रतीक बन जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश की जनता के निरंतर विश्वास के साथ ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त कर दी घ' का ल तक राष्ट्र का नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त करना गौरवपूर्ण क्षण है। यह केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं, बल्कि नए भारत के निर्माण के संकल्प, सेवा और सुशासन की विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च साधन बनाया। उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी एक नई पहचान स्थापित की है।

राजेन्द्र शुक्ला
उप मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री मोदी के विशेष स्नेह और मार्गदर्शन का लाभ निरंतर प्राप्त करता रहा है। प्रदेश में सड़क, रेल, सिंचाई, ऊर्जा, शहरी विकास और स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश एवं परियोजनाओं ने विकास को नई गति दी है। विंध्य क्षेत्र और विशेष रूप से मेरा गृह क्षेत्र रीवा भी इस परिवर्तनकारी यात्रा का साक्षी बना है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पावर प्रोजेक्ट ने न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई। स्वास्थ्य मंत्री के रूप में मुझे यह अनुभव करने का अवसर मिला है कि प्रधानमंत्री मोदी की सोच केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ भारत के व्यापक निर्माण की है। आयुष्मान भारत जैसी ऐतिहासिक योजना ने गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है। आज प्रत्येक भारतीय गर्व के साथ कह सकता है कि उसका देश विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। व्यक्तिगत रूप से मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे ऐसे युग निर्माता नेतृत्व के साथ कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। भारतीय चिंतन में आदर्श नेतृत्व का आधार सदैव लोक कल्याण और राष्ट्रहित रहा है। मध्यप्रदेश और विंध्य की जनता की ओर से मैं उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और राष्ट्र सेवा की अक्षुण्ण ऊर्जा प्रदान करें, ताकि उनके नेतृत्व में भारत विकसित, आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर रहे।

(लेखक मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं)

लंदन से कीमती पार्सल आने का झांसा देकर की धोखाधड़ी

खुद को एयरपोर्ट का पार्सल अधिकारी बताकर पीड़ित महिला से 3 लाख 85 हजार रुपए की ठगी

महिला ने कजलीखेड़ा पुलिस को पेश किया शिकायती आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

यूके लंदन से कीमती पार्सल आने का झांसा देकर साइबर जालसाज ने महिला से तीन लाख 85 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली। वह खुद को मुंबई एयरपोर्ट का अधिकारी बताकर एयरपोर्ट टैक्स व परमीशन आदि का बहाना बनाकर ऑनलाइन रुपए लेता रहा। बार बार रुपए मांगने से महिला को संदेह हुआ और महिला ने कजलीखेड़ा पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मानस विहार कॉलोनी पिपलिया बाजखां करोंद बायपास निवासी रेखावती साहू पत्नी मनोज साहू (28) गृहणी हैं। विगत तीन जून को वह डीमार्ट के पीछे गेहूंखेड़ा स्थित अपने मायके माता-पिता के पास आई थीं। सुबह

करीब पौने दस बजे एक वाट्सएप नंबर वॉइस कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई एयरपोर्ट का अधिकारी विजय कुमार होना बताया। उसने कहा कि तुम्हारे नाम से यूके लंदन से पार्सल आया है। पार्सल हासिल करने के लिए आपको 25 हजार रुपए एयरपोर्ट टैक्स देना पड़ेगा। उसके बाद ही पार्सल मिलेगा। विजय नामक व्यक्ति ने महिला को व्हाट्सएप के माध्यम से क्यूआर कोड भेजा और कहा कि इस पर पैसे डाल दो। रेखावती साहू ने अपने पति को क्यूआर कोड सेंड कर उनके खाता नंबर से 25 हजार डलवा दिए। दो घंटे बाद दोबारा उसी नंबर से व्हाट्सएप पर वॉइस कॉल कर विजय कुमार ने 75 हजार रुपए परमीशन लेटर के नाम पर मांगे। उसने फिर से क्यूआर कोड भेजा। रेखावती ने अपने पिता रामचरण साहू को क्यूआर कोड भेजकर उनके खाते से 75 हजार रुपए डलवा दिए। तीसरी बार भी खुद को विजय कुमार बताने वाले सायबर जालसाज विजय कुमार ने महिला से एक लाख 85 हजार रुपए और मांगे। इस बार भी महिला ने अपने पहचान वालों से थोड़े-थोड़े पैसे लेकर एक लाख 85 हजार रुपए भी डलवा दिए। फरियादी को लगा कि अब उसे लाखों रुपए कीमत का पार्सल मिल जाएगा। लेकिन आरोपी दोबारा महिला से एक लाख रुपए की मांग करने लगा। इस बार भी रेखावती ने ऑनलाइन दुकान पर नगद देकर एक लाख रुपए डलवा दिए।

दिल्ली के ठग ने प्लाज्मा पावरकट मशीन हड़पी

भोपाल। अशोका गार्डन पुलिस ने गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री संचालक की शिकायत पर दिल्ली के जालसाज के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी 6 लाख रुपए कीमत की प्लाज्मा पावर कट सोर्स मशीन की रिपेयरिंग करने का झांसा देकर मशीन दिल्ली ले गया और वहां जाकर फरियादी का नंबर ब्लॉक कर दिया। बिजली कॉलोनी निवासी मनोज सोनवाने (45) औद्योगिक क्षेत्र गोविंदपुरा स्थित मेसर्स एमके इंडस्ट्रीज के संचालक हैं। फरियादी ने प्लाज्मा पावर कट सोर्स की रिपेयरिंग के लिए दिल्ली से नाजिम खान निवासी वजीराबाद नार्थ दिल्ली को बुलाया था। नाजिम खान ने बताया कि मशीन की रिपेयरिंग के लिए दिल्ली ले जाना पड़ेगा। लिहाजा 13 सितंबर को मशीन नाजिम के बताए पते पर दिल्ली भेजी गई। लेकिन मशीन के पहुंचते ही नाजिम ने मनोज सोनवाने का नंबर ब्लॉक कर दिया।

उप्र से गिरफ्तार संदिग्ध युवकों को एटीएस ने लिया 22 जून तक रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

■ दोनों आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजे गए जेल

देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप में आतंकवाद निरोधक दस्ता द्वारा गिरफ्तार किए गए सहारनपुर उत्तर प्रदेश के नईम अब्दुल्ला एवं अलवर राजस्थान के शाकिर मेव नामक संदिग्ध युवकों को अवकाश कालीन न्यायालय के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जयंत शर्मा ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में केंद्रीय जेल गांधी नगर भेज दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने एक अन्य आरोपी मधुबनी बिहार के रहने वाले इज़हार-उल-हक को 22 जून तक पूछताछ करने के लिए पुलिस रिमांड पर आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) सौंप दिया है। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने आरोपियों को शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अवकाश कालीन न्यायालय के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जयंत शर्मा के न्यायालय में पेश किया था। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जैकेट एक का शेष...

दृष्टिबाधित बालिकाओं में योग...

को चुना जिन्हें समाज अक्सर सीमित संभावनाओं के दायरे में देखता है। रुक्मणी राव बताती हैं कि उन्हें स्वयं एक छोटी शारीरिक समस्या का सामना करना पड़ा था, जिसका समाधान मात्र सात दिनों के योग अभ्यास से हो गया। इस अनुभव ने उनके जीवन की दिशा बदल दी और उन्होंने योग को अपने करियर तथा सेवा का माध्यम बना लिया। अध्ययन के दौरान एक शिविर में उनकी मुलाकात दृष्टिबाधित छात्राओं से हुई। वहीं उन्होंने महसूस किया कि इन बच्चियों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक मजबूती की भी आवश्यकता है। तभी उन्होंने संकल्प लिया कि योग के माध्यम से इन बालिकाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया जाएगा।

योग से मिली दर्द और ...

परिणाम दिए। विद्यालय के प्राचार्य पूनमचंद मिश्रा ने भी बालिकाओं के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए इस पहल को पूरा सहयोग दिया। उनका मानना है कि योग ने छात्राओं के आत्मविश्वास और एकाग्रता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

छात्राओं ने महसूस किया ...

दृष्टिबाधित होने के कारण कई बार उनका आत्मबल कमजोर पड़ जाता था। योग करने के बाद उन्होंने अपने भीतर नई ऊर्जा और आत्मविश्वास महसूस किया है। अब वे चुनौतियों का सामना अधिक साहस और सकारात्मकता के साथ कर पाती हैं।

पैरा ओलंपिक और ...

देता है। योगाचार्य रुक्मणी राव अब इन बालिकाओं को केवल योग तक सीमित नहीं रखना चाहतीं। उनका सपना है कि छात्राएं खेलों, विशेष रूप से पैरा ओलंपिक, तथा संगीत जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाएं।

ध्यान और ...

शारीरिक आसनों से आगे बढ़कर अष्टांग योग, आत्मिक शुद्धि, और ध्यान पर केंद्रित होता है। वे योग को केवल शारीरिक कसरत न मानकर, अनुशासन और सात्विक जीवन (नियम) से जोड़ते हैं।

प्राणायाम व ...

रूप से प्राणायाम, ध्यान और आध्यात्मिक चक्र जागृति के अभ्यासों पर बल देते हैं।

श्री श्री रविशंकर- पद्मासन व सर्वांगासन : श्री श्री रविशंकर पद्मासन, सर्वांगासन ,मत्स्यासन,सेतुबंधासन , बालासन, योग निद्रा और शवासन पर जोर देते हैं।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव : शास्त्रीय हठ योग और ईशा योग- सद्गुरु जग्गी वासुदेव अपने दैनिक जीवन में किसी एक विशिष्ट योगासन या कसरत को करने के बजाए, शास्त्रीय हठ योग और ईशा योग की उन्नत आध्यात्मिक साधनाओं का अभ्यास करते हैं। वे योग नमस्कार , सूर्य क्रिया, अंगमर्दना और भूत शुद्धि के पक्षधर हैं।

जैकेट दो का शेष...

190 से अधिक ...

बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। इस संबंध में प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में रखा था, जिसे 175 सदस्य देशों का समर्थन मिला। पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। इसके बाद वर्ष 2016 में यूनेस्को ने योग को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया। इस मान्यता ने वैश्विक आरोग्य के क्षेत्र में भारत के योगदान को नई पहचान दिलाई और योग को विश्वव्यापी जनआंदोलन के रूप में स्थापित किया।

'योग फॉर एयर ...

आराम को ध्यान में रखते हुए विकसित किया है। इसके अलावा गैर-संचारी रोगों के लिए 10 विशेष योग प्रोटोकॉल भी विकसित किए गए हैं। इनमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अस्थमा और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए विशेष मॉड्यूल शामिल हैं।

सीआरपीएफ बल...

की निगरानी रहेगी। केंद्रो पर विद्यार्थियों की सुविधा के लिहाज से एक बड़ी घड़ी लगाई गई है। पिछले बार देशभर में सामने आए पेपर लीक विवादों के बाद भोपाल में प्रश्नपत्रों के परिवहन की जिम्मेदारी पुलिस के बजाय सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) को सौंपी गई है। कंट्रोल रूम से परीक्षा केंद्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का कार्य सीआरपीएफ के जवानों की निगरानी में होगा। वहीं प्रश्नपत्र ले जाने वाले वाहनों की मानिटरिंग के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों की तैनाती की गई है। रेलवे ने 21 जून को इंदौर, भोपाल और रतलाम के बीच एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है, जिससे परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक समय पर पहुंचने में मदद मिलेगी। पश्चिम मध्य रेलवे ने भोपाल, विदिशा, होशंगाबाद, गुना और अशोकनगर रेलवे स्टेशनों पर विशेष हेल्प बूथ स्थापित किए हैं।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों ...

प्रशासन की टीम द्वारा केंद्र पर अंदर आने-जाने की व्यवस्थाओं सहित सुरक्षा साधनों की जांच की गई है। वहीं केंद्र प्रभारियों व पर्यवेक्षकों द्वारा पेपर बांटने से लेकर जमा करने तक की पूरी प्रक्रिया पूरी की गई है। परीक्षा के दौरान केंद्रों के आसपास ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा।

राष्ट्रपति मुर्मु जबलपुर...

दिवस कार्यक्रम में राज्यपाल पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार शामिल होंगे।

240 स्वर्ण पदकों ...

प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। दीक्षांत समारोह के बाद राष्ट्रपति रविवार को ही दोपहर में ग्वालियर से होते हुए कूनो नेशनल पार्क में पहुंचेंगी।

ट्रेन में एक ...

बुरी तरह पीटा। मौके पर मौजूद लोग काफी देर तक तमाशाई बने रहे। वे रील बनाते रहे। गंभीर रूप से घायल पंकज को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक घटना के बाद रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण पर सवाल खड़े हो गए हैं। यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं जताई जा रही हैं।

दुष्कर्म केस में ....

3 जून की रात सिविल लाइन थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि डिप्टी कलेक्टर अरविंद माहौर ने शादी का झांसा देकर लंबे समय तक उसका शारीरिक शोषण किया। युवती ने अपने आरोपों के समर्थन में पुलिस को वॉट्सएप चैट और कुछ वीडियो भी उपलब्ध कराए थे। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने उसी रात कमिश्नर कॉलोनी स्थित सरकारी आवास से डिप्टी कलेक्टर माहौर को गिरफ्तार कर लिया था।

सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामले की वैज्ञानिक जांच के लिए आरोपी के डीएनए परीक्षण की अनुमति मांगी थी, जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है। पुलिस अब जल्द ही निर्धारित प्रक्रिया के तहत डीएनए सैंपल एकत्र कर परीक्षण कराएगी।

मुआवजे की मांग ...

कास्ट माइंस की बंद खदान में बने जलभराव वाले क्षेत्र में नहाने गया था। नहाते समय उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन सफल नहीं हो सके। जब उसे पानी से बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बंद खदान में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। उनका कहना था कि जलभराव वाले खदान क्षेत्र में लोगों की आवाजाही रोकने के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई है। इस बात को लेकर ग्रामीणों ने एसईसीएल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की और मृतक के परिजनों के लिए उचित मुआवजे की मांग की। आक्रोशित लोगों ने शव को शारदा ओसीएम गेट के सामने रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस प्रदर्शन के कारण कॉलरी मार्ग पर यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया और लगभग चार घंटे तक आवागमन रुका रहा।

ओटी में मुर्गा ...

बाहर हो गया है। सीनियर डॉक्टर हमें जबरदस्ती ऑपरेशन थिएटर के अंदर मुर्गा बनवाते हैं, रातभर खड़ा रखते हैं। हम जरा भी सो न पाएं, इसके लिए सेल्फी भी मांगते हैं- ये शब्द गुजरात के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज के उस स्टूडेंट्स के हैं, जिसे रातभर सीनियर स्टूडेंट्स की रैंगिंग और बुरा व्यवहार झेलना पड़ा। इस घटना ने स्टूडेंट्स के साथ उनके पेरेंट्स को भी परेशान कर दिया है। रैंगिग का यह मामला के सामने आने के बाद कॉलेज प्रशासन ने कड़ा एक्शन लिया है और रैगिंग की घटना में शामिल सभी 6 सीनियर डॉक्टरों को कॉलेज और अस्पताल से सस्पेंड कर दिया गया है। साथ में उन्हें तुरंत हॉस्टल खाली करने के लिए भी कहा गया है।

5 रुपए के ...

पुलिस जांच कर रही है। धान सिंह भदौरिया ने अपनी शिकायत में बताया कि उसने खैरियातोर मोड़ पर स्थित पप्पू ओझा की चक्की पर साढ़े 37 किलो गेहूं पिसवाने के लिए दिए थे। शुक्रवार शाम जब वह आटा लेने पहुंचा तो उसे करीब 36 किलो आटा वापस दिया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार चक्की संचालक पप्पू ओझा ने पिसाई के बदले 45 रुपए मांगे थे, जबकि धान सिंह ने 40 रुपए दिए। पांच रुपए के अंतर पर दोनों में तीखी बहस हुई। विवाद हाथापाई तक पहुंच गया और गुस्से में संचालक ने धान सिंह के कान को दांत से काट लिया।

भारत में कम...

ड्यूटी में कटौती की थी तथा हाल के वर्षों में भी उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कदम उठाए गए हैं।

पेज एक का शेष...

2 हजार 935 करोड़ ...

40-50 गांव लाभान्वित होंगे। केंद्रीय मंत्री खट्टर अपने दो दिनी प्रवास पर एक दिन पहले ही मप्र के इंदौर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी शुक्रवार से उज्जैन प्रवास पर है। दोनों ने सिंहस्थ कार्य को देखते हुए उज्जैन को कई सौगातें दी। उन्होंने 992 करोड़ रुपए से निर्मित 38 हजार आवासों का गृह-प्रवेश भी कराया। इसके साथ ही 446 करोड़ की लागत से 116 परियोजनाओं का लोकार्पण और 310.82 करोड़ की कुल 37 परियोजनाओं का भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाईवे के लिए 28 गांवों के 916 किसानों को 816 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया गया है। कार्यक्रम को मंत्री तुलसी सिलावट ने भी संबोधित किया।

सांवेर में होंगे ...

भूमि-पूजन हुआ है। यह परियोजना पीथमपुर को निमाड़ क्षेत्र में आगे दिल्ली-मुंबई इकोनॉमिक कॉरिडोर से जोड़ेगी और क्षेत्र के लिए आर्थिक समृद्धि का अहम मार्ग बनेगी। सरकार ने किसानों की मांग पर इसकी ऊंचाई कम की है।

चंद्रावती कभी था इंदौर-उज्जैन के बीच व्यापार-व्यवसाय का प्रमुख केंद्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फतेहाबाद और चंद्रावती कभी इंदौर-उज्जैन के बीच व्यापार-व्यवसाय का प्रमुख केंद्र रहा है। परंगत सड़क के साथ-साथ नया ग्रीन फील्ड रोड विकास का नया पर्याय बनेगा। यह रोड उज्जैन-इंदौर मेटोपोलिटन सिटी के लिए नए सूर्योदय के समान है। अब इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, धार और रतलाम तक 16 हजार वर्ग किमी में फैले मेट्रोपोलिटन एरिया में 6 रेलवे जंक्शन, 2 एयरपोर्ट, 4 हवाई पट्टी और 2 राजमार्ग शामिल होंगे। सड़क मार्ग उद्योग, व्यापार, कृषि और रोजगार सहित सभी क्षेत्रों के विकास में अहम योगदान देता है। अब फतेहाबाद को रेलवे के डबल ट्रैक की भी सौगात मिलने जा रही है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व ...

को 2500 करोड़ रुपए लागत के आवासों में गृह-प्रवेश कराया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के 20 हजार छोटे व्यापारियों को स्वनिधि योजना के तहत 51 करोड़ राशि दी गई है। अमृत 2.0 योजना के तहत सीवर और जल निकासी की परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ है। फायर ब्रिगेड के 36 स्टेशनों के वाहन और उपकरण दिए गए हैं। 5657 करोड़ रुपए विकास कार्यों के लिए जनता को समर्पित किए गए हैं।

हनुमान मंदिर के....

के कारण राज्य के अलग-अलग हिस्सों से कई श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने आए थे। तभी अचानक मंदिर के सामने बना सभा मंडप गिर गया।

भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष के ...

गए थे। जिलेभर से भाजपा और भाजयुमो कार्यकर्ता राजगढ़ पहुंचे थे। प्रदेश नेतृत्व के सामने अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने की होड़ भी नेताओं में साफ दिखाई दे रही थी।

सरकार ने 16

जुड़ी हैं। इसमें रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले पेनकिलर, एंटीबायोटिक्स, मांसपेशियों के दर्द की दवाएं और त्वचा (डर्मेटोलॉजिकल) से जुड़े प्रोडक्ट्स शामिल हैं।

प्री-मानसून बादल ...

भोपाल जिले सहित कई हिस्सों में अभी प्रीमानसून बौछारों से ऐसी ही राहत रहेगी। मानसून ऑनसेट के लिए अभी 4 से 5 दिन और इंतजार करना पड़ सकता है।

मानसून तीन दिन ...

भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, उमरिया, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा में गरज-चमक के साथ बादल, बौछारें और आंधी का अलर्ट जारी किया है।

आवश्यकता है खरीदना है बेचना है व्यापार चिकित्सा ज्योतिष डिस्प्ले विज्ञापन
हरिभूमि क्लासीफाइड
संपर्क सूत्र : 9407279644

हरिभूमि भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो. 9407279644

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रॉपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 इन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ायें। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330
R-01-06-2026,to 16-07-26

आवश्यकता
भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रू 500-रू1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17.09.82 / 5'-11" एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक, मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी प्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दु उच्च जाति मान्य। ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

गाँधी पी.आर. महाविद्यालय
बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से संबद्ध
UG COURSE
B.A., BCA, BBA
BPES, BSC,
B.Com (Economics/Computer)

PG COURSE
M.A: HINDI, ENGLISH, MATHS, ECONOMICS
POLITICAL SCIENCE, SOCIOLOGY & SOCIAL WORK
M.Com: ACCOUNTS & MANAGEMENT
B.Lib: (Librarian Science)
B.Ed.: BACHELOR OF EDUCATION (ONLINE COUNSELLING)
DIPLOMA COURSE
PG DCA: DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION
D.EL.ED: DIPLOMA IN ELEMENTARY EDUCATION
Mob. 9827208070, 9425346230, 9893194695, 9981291288
पता: डी-1, दानिश नगर, होशंगाबाद रोड, आशिमा मॉल के पास, भोपाल | www.gandhiprcollege.com, principal@gandhiprcollege.com

भोपाल की सबसे कम कीमत में सबसे ज्यादा सुविधा के साथ
DCA PGDCA में प्रवेश लेने पर ...
FREE GYM+CPCT +LIBRARY एक साल तक फ्री
और साथ में Free DCA, PGDCA की Books, Q Bank Notes
ONLY LIBRARY 299/-
भोपाल कम्प्यूटर एकेडमी (अधिकृत : माखनलाल ...)
PLOT NO. 15, NIRMAL TOWER, NEAR APSARA CINEMA ABOVE SBI BANK, ASHOKA GARDEN, BHOPAL
M. 86027-11111

WE PROVIDE THE BEST SOLAR ENERGY

भारत का सबसे सस्ता और अच्छा सोलर
COMPLETE Solar Solutions
Sirf ₹72,000 Mein! Solar Lagaye
3.3kW Bachat ka Naya Tareeka!
BEST OFFER
HURRY UP!
Na 2 Lakh Mein.. Na 1.5 Lakh Mein..
BRANDS we deal with! TATA POWER SOLAROOF WAAREE adani Solar ECE INDIA
Contact us 99932-41867
सोलर लगवाने से पहले एक बार हमसे जरूर संपर्क करें।
Aura Mall, Bhopal, 462010

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

- व्यावस्थापक

राशिफल

मेष — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह — शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन — शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

शब्द पहेली - 6263

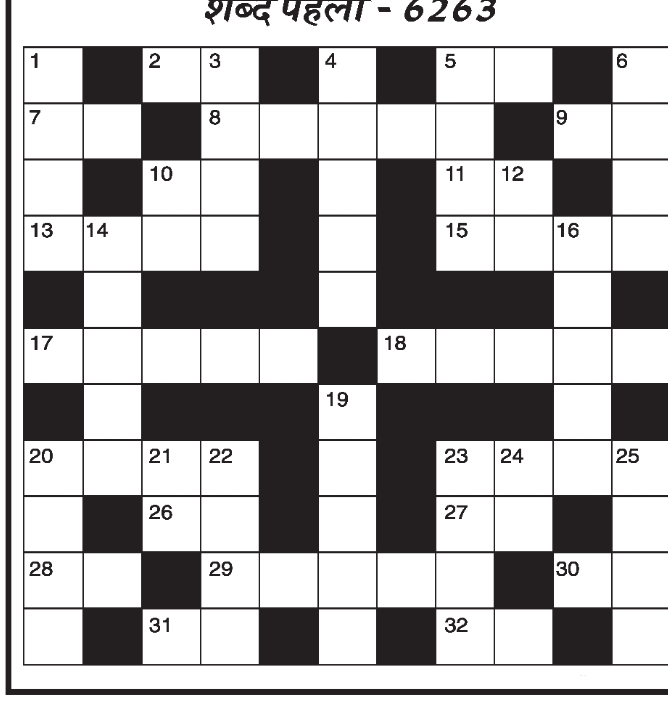

बाएँ से दाए-

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -6262 का हल

सूडोकु नवताल- 6273

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6272 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

टीवी मसाला

शिल्पा शिंदे का 'टीवी माफिया' पर फूटा गुस्सा- रास्ते पर सब्जी बेच लूंगी

मुंबई। 'भाभी जी घर पर हैं' के निर्माता पर लगाए गए यौन शोषण के आरोपों को लेकर चर्चा में चल रहीं शिल्पा शिंदे ने अब अभिनेता शहजादा धामी के मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। शहजादा के करीब 30 लाख रुपये के बकाया भुगतान न मिलने और शिकायत के बावजूद संबंधित निर्माता पर कोई कार्रवाई न होने की खबरों पर शिल्पा का गुस्सा फूटा है। टीवी 'माफिया' को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने इस पूरे सिस्टम पर गहरा आक्रोश जताया है।

ये टीवी निर्माता माफियागिरी करते हैं : इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में शिल्पा ने कहा, टीवी जगत के निर्माता माफियागिरी करते हैं। टीवी इंडस्ट्री में एक 'व्हाइट कॉलर माफिया' काम कर रहा है। जो निर्माता इस सिस्टम का साथ नहीं देते या सहयोग नहीं करते, उन्हें भी धमकाया जाता है। उन्हें कथित तौर पर ये कहकर डराया जाता है कि अगर भविष्य में उनके साथ कुछ भी गलत हुआ तो कोई उनका साथ नहीं देगा और उनका काम या शो बंद करवा दिया जाएगा।

ढोंग करने वालों पर भड़कीं शिल्पा : शिल्पा ने उन लोगों पर भी तीखा तंज कसा जो कलाकारों के जिंदा रहते तो उनका साथ नहीं देते, लेकिन उनके निधन के बाद शोक मनाने आ जाते हैं। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा, कलाकारों का साथ कौन देगा? आप किसी के मरने के बाद इंस्टाग्राम पर आकर रो रहे हो। आप लोग वही हो जो मोमबत्ती लेकर मरने के बाद आ जाते हो और बेमतलब की फुटेज खाते हो।

रैपर सेंटी 'बिग बॉस 20' में ले सकते हैं हिस्सा

मुंबई। सलमान खान का रियलिटी शो 'बिग बॉस' एक बार फिर चर्चा में है। पिछले दिनों कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि इसका 20वां सीजन सितंबर, 2026 से दर्शकों के बीच लौट सकता है। इसके बाद से संभावित प्रतियोगियों के नामों पर अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं कि घर में कौन-कौन आएगा। सबसे ज्यादा जिस नाम की चर्चा है, वो रैपर सेंटी शर्मा हैं। आइए जानते हैं कि वह कौन हैं, जो सलमान के शो में आ सकते हैं। सेंटी का असली नाम गणेश शर्मा है और वह मध्य प्रदेश के शहर रतलाम के रहने वाले हैं। पेशे से रैपर, गीतकार और गायक हैं, जिन्हें संगीत जगत में उभरने वाले शुरुआती हिप-हॉप कलाकारों में से एक माना जाता है। अपने गानों से उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस की बड़ी तादात बना रखी है। अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 5' के एंथम ट्रैक में रैपर ने अपनी आवाज देकर बॉलीवुड में डेब्यू किया और व्यापक लोकप्रियता हासिल की। कॉकरोच जनता पार्टी' की आलोचना करके बटोरी चर्चा हाल ही में, रैपर ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' की आलोचना करते हुए इसे भारतीय युवाओं के लिए एक "खतरनाक डिजिटल ट्रैप" बताया था। उनकी इस टिप्पणी ने उन्हें सोशल मीडिया पर चर्चाओं में ला दिया।

कौन हैं संस्कृति जयना... जिन्होंने 'कृष्णावतरम' में निभाई सत्यभामा की भूमिका

मुंबई। फिल्म 'कृष्णावतारम पार्ट 1: द हार्ट' में संस्कृति जयना ने भगवान श्रीकृष्ण की पत्नी सत्यभामा की भूमिका अदा की है। इस फिल्म के बाद से वह चर्चा में आ गई हैं। हर कोई उनके बारे में जानना चाह रहा है। आपको बता दें कि उनका गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री से खास नाता है।

संस्कृति की पारिवारिक पृष्ठभूमि : संस्कृति जयना गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश की वर्तमान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की पोती और बिजनेसमैन अनार पटेल की बेटी हैं, जो क्राफ्टरूट्स और ग्रामश्री के साथ अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उनके पिता, जयेश पटेल, एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

फैशन करियर में बनाई पहचान : फिल्म जगत में डेब्यू करने से पहले, संस्कृति ने फैशन मैनेजमेंट और व्यवसाय का अध्ययन किया और लंदन के राडा, ली स्ट्रासबर्ग थिएटर एंड फिल्म स्कूल, न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी और लंदन कॉलेज ऑफ फैशन में अभिनय और नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने 16 साल की उम्र में अपना खुद का फैशन ब्रांड शुरू किया। बाद में उन्होंने कंसल्टिंग के क्षेत्र में कदम रखा और जिमी चू और बोटेगा वेनेटा जैसे ब्रांडों के साथ काम किया, साथ ही अपनी मां के सामाजिक उद्यमों, क्राफ्टरूट्स और ग्रामश्री के लिए मार्केटिंग का काम भी संभाला।

गुजरात के पूर्व सीएम से है खास नाता

सत्यभामा की भूमिका से जीता दिल

कृष्णावतारम भाग 1: हार्ट फिल्म में श्रीकृष्ण की कहानी सत्यभामा के दृष्टिकोण से बताई गई है, जिससे संस्कृति को सहायक भूमिका के बजाय फिल्म के केंद्र में रखा गया है. फिल्म में उनके चरित्र को बहुत ही बखूबी ढंग से दर्शाया गया है। बता दें कि रिलीज से पहले स्पेशल स्क्रीनिंग के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्यभामा के रूप में उनके अभिनय की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना का अच्छी तरह प्रतिनिधित्व किया है।

'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की 10 दिन और शूट करेंगे सिद्धार्थ- तमन्ना

मुंबई। सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की शूटिंग अब 10 दिन और चलेगी। टीम ने जब फिल्म का अंतिम कट देखा, तो उन्हें महसूस हुआ कि कुछ खास पलों, खासकर क्लाइमैक्स में और अधिक जान डालने की जरूरत है। उनका मानना है कि ऐसा करने से फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ पाएगी। अच्छी बात यह है कि फिल्म अपनी तय रिलीज 28 अगस्त को ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी, इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

निर्देशक 'वन' की दुनिया को दे रहे हैं नया विस्तार : दीपक कुमार मिश्रा और अरुणभ कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म 'वन' पौराणिक कथाओं, रहस्य और जंगल से जुड़ी लोककथाओं का मिश्रण है, जिसे एक थ्रिलर के रूप में पेश किया गया है। फिल्म निर्माता एक ऐसी समृद्ध दुनिया तैयार करना चाहते हैं, जिसमें माहौल से जुड़े बारीक विवरण हों और स्थानीय कहानियों की परंपरा भी झलकती हो। शूटिंग का समय बढ़ाने का यह फैसला दर्शाता है कि वे चाहते हैं कि फिल्म का क्लाइमैक्स दर्शकों के दिलो-दिमाग पर अपनी छाप छोड़े।

ओटीटी पर एंटरटेनमेंट का जबरदस्त डोज, 'दृश्यम 3' से लेकर 'सेव द टाइगर्स 3' तक रिलीज हो रही ये फिल्में...

मुंबई। अगर आप इस हफ्ते अपने वीकेंड को मजेदार बनाना चाहते है तो बता दें कि इस बीच ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर आपको एंटरटेनमेंट का जबरदस्त डोज देखने को मिलने वाला है क्योंकि सस्पेंस, एक्शन, कॉमेडी और ड्रामा से भरपूर इस हफ्ते कई नई फिल्में और वेब सीरीज अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज हो रही हैं। कौन-कौन सी है वो फिल्में और वेब सीरीज चलिए है।

'दृश्यम 3': इस हफ्ते सबसे ज्यादा चर्चा मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल मच वाइटेड फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर है। यह फिल्म 18 जून से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो चुकी है। निर्देशक जीतू जोसेफ की इस थ्रिलर में जॉर्जकुट्टी की कहानी को आगे बढ़ाया गया है, जो अपने अतीत के फैसलों और उनके मानसिक प्रभावों से जूझता नजर आता है। फिल्म में मीना, अंसीबा हसन, एस्थर अनिल और आशा शरथ भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दे रही हैं।

समय रैना का धमाका, नेटफ्लिक्स पर हुई 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' की एंट्री; प्रोमो वायरल

मुंबई। कॉमेडियन समय रैना के रियलिटी शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के फैंस के लिए एक खुशखबरी है। यूट्यूब के बाद अब ये शो अपने सीजन 2 के साथ सीधे दुनिया के सबसे बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। दूसरे सीजन का पहला प्रोमो रिलीज हो गया है। समय के इस शो ने इंटरनेट पर जबरदस्त सनसनी मचाई थी और अब नेटफ्लिक्स पर इसकी एंट्री के ऐलान ने फैंस का उत्साह दोगुना कर दिया है। कॉमेडियन समय रैना ने घोषणा की है कि उनका शो 'इंडिया गॉट लेटेंट' का दूसरा सीजन नेटफ्लिक्स और यूट्यूब, दोनों प्लेटफॉर्म्स पर एक साथ रिलीज होगा। उन्होंने फैंस को भरोसा दिलाया कि शो का कंटेंट पहले की तरह बिना किसी कांट-छांट के बेबाक रहेगा। समय ने शो के प्रोमो में बताया कि नेटफ्लिक्स पर सिर्फ 2 फर्क दिखेंगे। पहला वहां विज्ञापन नहीं होंगे और दूसरा उधर कमेंट सेक्शन मिलेगा, जबकि यूट्यूब पर दर्शकों को पूरा अनुभव पहले की तरह मिलेगा।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना ऐशबाग जिला भोपाल

फोन नं. 0755-2677353E-Mail psaishbagh@gmail.com

क्र. 605/26 दिनांक. 11/05/2026

जाहिर सूचना/पम्पलेट

थाना ऐशबाग भोपाल मर्ग क्रमांक 27/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 09/05/26 को सूचक सूचक सादिक अली पिता जाकिर अली उम्र 36 वर्ष नि. म.नं. 75 हाता सिकन्दरकुली ऐशबाग भोपाल ने थाना उपस्थित आकर सूचना दिया कि मै उपरोक्त लिखाये पते पर रहता हूं तथा बेटरी मैकेनिक का काम करता हूं। आज दिनांक 09/05/26 को दोपहर करीब 02.00 बजे मै अपने काम से मुकद्दस नगर होते हुये पुल बोगदा जा रहा था जैसे ही मैं मुकद्दस नगर पहुंचा तो देखा कि पुल बोगदा ब्रिज के नीचे रेल्व पटरी पर लोगो की काफी भीड लगी हुई थी मैने पास जाकर देखा तो भोपाल से हबीबगंज की तरफ जाने वाले ट्रेक खम्भा नं. 834/11 से 834/13 के बीच रेल्वे पटरी पर एक अज्ञात व्यक्ति (पुरूष) पडा हुआ था जिसकी उम्र करीब 35 साल होगी जो हिल डुल नही रहा था जो आरेंज कलर की टी शर्ट, ब्राउन कलर की अंडरवियर पहने है सिर के बाल काले, चेहरे पर दाढी व मूछ है, गठीला बदन, जिसकी उचाई करीब 5 फीट 5 इंच, रंग गोरा, दाहिने हाथ में धागा बंधा है, बाया पैर घुटने के पास से कटा हुआ है, सिर पर चोट के निशान है, मुझ खुला हुआ है। जिसे मैं नही जानता हूँ जिसकी ट्रेन की चपेट में आने के कारण मृत्यु हो गई है कि सूचना पर मर्ग क्र. 27/26 धारा 194 BNSS का कायम कर जांच मे लिया गया है।

अतः मृतक अज्ञात पुरूष उम्र करीब 35 वर्ष के वारिसानो की पतारसी तथा उक्त मृतक अज्ञात पुरूष की शिनाख्तगी के संबंध में कोई भी जानकारी प्राप्त होती है तो थाना ऐशबाग के दूरभाष क्रमांक 0755-2751761, 9479990521, 9039919709 (जांचकर्ता) पर सूचित करने का कष्ट करें।

हुलिया:- रंग गोरा, चेहरा:- गोल, बाल लम्बे, दाढी बढी हुई, कद:- 05.05 फीट लगभग, बदन: गठीला, पहनावा:- आरेंज कलर की टी शर्ट ब्राउन कलर की अंडरवियर हाथ में धागा बंधा है। अन्य पहचान व किसी प्रकार का गुदना चिन्ह तिल:-निरंक ।

थाना एमपी नगर मो. नं. 07552677347

जांच कर्ता उनि. कुलदीप खरे मो. नं. 7587528058

जी - 14632/26 स्वच्छता ही सेवा

थाना प्रभारी
थाना ऐशबाग भोपाल

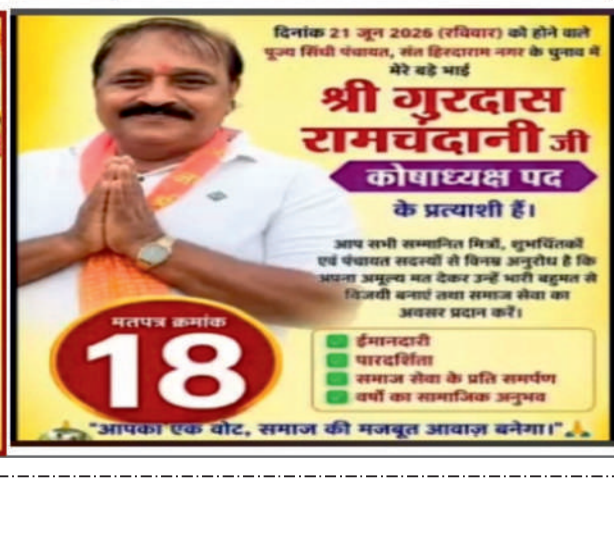

नागपुर के छात्र को अबू धाबी का परीक्षा केंद्र अलॉट होने पर हुआ विवाद, एनटीए का दावा खुद छात्र ने चयन किया सेंटर

विवाद के बाद एनटीए ने परीक्षा केंद्र बदलकर नागपुर दिया

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

नागपुर के छात्र को अबू धाबी का परीक्षा केंद्र अलॉट होने के विवाद में अब एक नया और चौंकाने वाला मोड़ आ गया है। इस मामले पर काफी आलोचना का सामना करने के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने आधिकारिक बयान जारी कर स्थिति साफ की है। एनटीए के वेब-एक्टिविटी रिकॉर्ड्स से यह खुलासा हुआ है कि परीक्षा केंद्र अबू धाबी का बदलाव किसी तकनीकी खराबी से नहीं, बल्कि खुद छात्र के रजिस्टर्ड लॉगिन क्रेडेंशियल्स के जरिए किया गया था। एनटीए ने छात्र के भविष्य को ध्यान में रखते हुए छात्र सर्वोपरि दृष्टिकोण अपनाया और परीक्षा से महज 48 घंटे पहले मिले अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए छात्र को नागपुर में ही नया केंद्र अलॉट कर दिया है।

छात्र के लॉगिन से हुआ था बदलाव

एनटीए के डिजिटल रिकॉर्ड्स के अनुसार जब परीक्षा की तारीख 21 जून तय होने के बाद सिटी करेक्शन विंडो खोली गई थी, तब इस छात्र के खुद के रजिस्टर्ड लॉगिन आईडी और पासवर्ड के जरिए ही केंद्र को अबू धाबी में बदला गया था। रिकॉर्ड्स में लगातार एक ही सिंगल-यूजर का एक्सेस पैटर्न पाया गया है।

3 बार चेक किया गया था

एजेंसी ने अपने डाटा का हवाला देते हुए बताया कि छात्र के क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके एक बार केंद्र को अबू धाबी में बदला गया था और दो बार इसका प्रीव्यू (पूर्वावलोकन) भी देखा गया था कि केंद्र अब धाबी है। यानी कुल 3 मौकों पर यह बात सिस्टम में दर्ज हुई थी।

तुरंत लिया एक्शन और पिता से संपर्क किया

गलती छात्र के स्तर से दर्ज थी, फिर भी एनटीए के कर्मचारियों ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और 19 जून की शाम को ही छात्र के पिता से संपर्क किया ताकि वे इस बदलाव की औपचारिक प्रक्रिया को पूरा कर सकें।

री-एग्जाम के लिए देशभर में हुई मॉकड्रिल

भारत के 551 शहरों में सेंटर 11 घंटे तक परखी व्यवस्थाएं

एनटीए ने नीटी- यूजी की री-एग्जाम परीक्षा से ठीक एक दिन पहले देशभर में मेगा मॉक ड्रिल का आयोजन किया है। इस मॉक ड्रिल के जरिए एनटीए परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था, प्रश्नपत्रों की सुरक्षित ढुलाई और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप से परख रही है। यह फुल-स्केल रिहर्सल सुबह 9 बजे से रात के 8 बजे तक चली। देश के 551 और विदेश के 14 शहरों में 5,500 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिन्हें हाई-सिक्योरिटी जोन में तब्दील किया गया है। इस री-एग्जाम में 22.79 लाख से ज्यादा उम्मीदवार शामिल होंगे।

मॉकड्रिल का दृश्य

6,669 पर्यवेक्षक तैनात

एनटीए के अनुसार पुनर्परीक्षा में कई एजेंसियों और प्रशासन के विभिन्न स्तरों के बीच घनिष्ठ समन्वय शामिल है, जिसमें 674 शहर समन्वयक शहर-स्तरीय संचालन की देखरेख कर रहे हैं और परीक्षा केंद्रों पर स्वतंत्र निगरानी के लिए 6,669 पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर केंद्र अधीक्षक और पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं।

मॉक ड्रिल का उद्देश्य इसमें परीक्षा केंद्रों पर प्रश्न पत्रों की सुरक्षित डिलीवरी, सीसीटीवी निगरानी, बायोमीट्रिक सत्यापन, और बहुस्तरीय सुरक्षा जांच जैसी सभी प्रक्रियाओं का वास्तविक समय में परीक्षण किया जाता है।

सेंटर के बवाल पर राहुल का सवाल

एनटीए देश के बच्चों का धीरज टेस्ट कर रही

नागपुर के एक छात्र को भारत की जगह सीधे विदेश यानी 'अबू धाबी' में परीक्षा केंद्र अलॉट कर दिया गया। इस गंभीर लापरवाही पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एनटीए के सिस्टम पर सवाल खड़े किए। इस लापरवाही पर राहुल ने एनटीए को खरी-खरी सुनाई। राहुल ने सोशल मीडिया हैंडल पर एनटीए और सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने छात्र की मानसिक स्थिति का जिक्र करते हुए लिखा: 'नागपुर का एक बच्चा एक महीने से नीट री-एग्जाम की तैयारी कर रहा था। परीक्षा से ठीक एक दिन पहले उसने एडमिट कार्ड डाउनलोड किया। उसका सेंटर निकला - अबू धाबी। न पासपोर्ट, न परिवार के पास विदेश भेजने के पैसे, न अब कोई वक्त बचा है।

ख़बर संक्षेप

कोलकाता एयरपोर्ट पर बंदूक संग शख्स गिरफ्तार

कोलकाता। टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी के बीती रात कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचने से पहले हवाई अड्डे पर काफी बवाल हुआ। टीएमसी ने दावा किया कि उनके कार्यकर्ताओं ने एक व्यक्ति को पकड़ा, जिसके बाद बंदूक थी। टीएमसी ने लिखा, भाजपा के एक गुंडे ने अभिषेक की हत्या की योजना बनाई थी।

ममता को बड़ा झटका 3 बैंक अकाउंट फ्रीज

कोलकाता। टीएमसी के बागी विधायकों की शिकायतों के बाद पार्टी के 3 बैंक खातों से पैसे निकालने पर रोक लगा दी गई है। इन खातों में लगभग 440 करोड़ हैं। इन अकाउंट को फ्रीज कर दिया गया है। बागी विधायकों ने पैसों के सोर्स की जांच कराने की मांग की है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया निजी क्षेत्र के बैंक में 3 खातों को डेबिट फ्रीज किया है।

बेस्ट कर्मियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

मुंबई। बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट' (बेस्ट) के कर्मचारी शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी हड़ताल पर हैं। महाराष्ट्र सरकार के द्वारा आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम लागू किए जाने के बावजूदकर्मचारियों ने हड़ताल जारी रखी है। लोग लोकल ट्रेनों और मेट्रो सेवाओं, टैक्सियों, ऑटो-रिक्शा और कैब सेवा पर निर्भर हैं।

'अष्टलक्ष्मी' ने वैश्विक मंच पर बनाई पहचान

शिलांग। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर भारत अब वैश्विक स्तर के कई महत्वपूर्ण स्थलों का केंद्र बन चुका है और यह क्षेत्र सतत एवं समावेशी विकास का उत्कृष्ट उदाहरण पेश कर रहा है। 'अष्टलक्ष्मी' के नाम से प्रसिद्ध पूर्वोत्तर के 8 राज्यों ने मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा को 47,600 करोड़ की सौगात दी

कांग्रेस राज में पिछड़ा रहा पूर्वी भारत बदली राह और बना विकास का गेटवे

पीएम मोदी ने विपक्ष पर बोला हमला

पीएम मोदी ने पहाड़पुर गांव में पूजा-अर्चना की

मयूरभंज जिले में विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते प्रधानमंत्री

एजेंसी ▶▶मयूरभंज

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के लिए 47,600 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा अब विकास की राह पर तेजी से दौड़ रहा है। कल्याणकारी योजनाएं गरीबों का जीवन बदल रही हैं। इस दौरान कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में पूर्वी भारत हमेशा पिछड़ा रहा। लेकिन आज यही क्षेत्र देश के विकास का मुख्य द्वार बन रहा है।

पीएम मोदी ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार 'पूर्वोदय' नीति पर काम कर रही है। हमारा लक्ष्य पूर्वी भारत के विकास से पूरे देश का विकास करना है। जो पूर्वी भारत कांग्रेस के दौर में पिछड़ेपन की पहचान बन चुका था, वह अब प्रगति का प्रवेश द्वार बन रहा है। भाजपा सरकार ओडिशा के संसाधनों को नई संभावनाओं में बदल रही है। राज्य को अब तक करीब 20 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं।

'पूर्वोदय' नीति से दिख रही पूर्वी भारत की तस्वीर

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस पूर्वी भारत को कांग्रेस शासन के दौरान पिछड़ेपन का पर्याय बना दिया गया था, आज वही क्षेत्र देश की प्रगति का प्रवेश द्वार बन रहा है। उन्होंने कहा कि ओडिशा इस सकारात्मक बदलाव का प्रत्यक्ष साक्षी है। उन्होंने ओडिशा की भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर राज्य की जनता को बधाई देते हुए कहा कि मयूरभंज आना और बड़ी संख्या में लोगों का स्नेह प्राप्त करना उनके लिए विशेष अवसर है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के कारण विकास की गति और तेज हुई है।

भाजपा सरकार खुद जनता तक पहुंच रही

पीएम मोदी ने कहा कि डबल इंजन सरकार की डबल विशेषता ये है कि वो खुद जनता तक पहुंचती है। हमारा प्रयास है कि सामान्य नागरिक को किसी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

राष्ट्रपति के गांव पहुंचे प्रधानमंत्री, बधाई दी

पीएम मोदी के लिए यह दिन बेहद खास रहा। शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जन्मदिन भी था। पीएम मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि ओडिशा की बेटी आज देश के सर्वोच्च पद पर है। वह हम सभी का मार्गदर्शन कर रही हैं। यह पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने मयूरभंज और ओडिशा की पहचान को पूरे विश्व में मजबूत किया है। पीएम मोदी राष्ट्रपति के ससुराल पहाड़पुर गांव भी गए। वहां उन्होंने स्थानीय बच्चों के स्कूल का दौरा किया।

राष्ट्रपति का गांव पहाड़पुर बनेगा 'सूर्यग्राम'

प्रधानमंत्री ने रायरंगपुर में राज्यस्तरीय कार्यक्रम में बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि राष्ट्रपति दके गांव पहाड़पुर को जल्द ही 'सूर्यग्राम' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके तहत गांव के प्रत्येक परिवार को सौर ऊर्जा से जुड़ी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस परियोजना पर शीघ्र काम शुरू होगा।

ओडिशा की बेटी ने बढ़ाया पूरे राज्य का गौरव

पीएम मोदी ने कहा कि ओडिशा की बेटी आज देश के सर्वोच्च पद पर पहुंची है, जो पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के उदार व्यक्तित्व, सहृदय स्वभाव और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण ने न केवल मयूरभंज बल्कि पूरे ओडिशा की पहचान को मजबूत किया है।

बंगाल में गरजे पीएम मोदी

दशकों के कुशासन से मुक्त हुआ प्रदेश विकास का महाअभियान हो गया शुरू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल दौरे पर पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के बैंक खातों में दो-दो हजार रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद अपने संबोधन के दौरान उन्होंने राज्य में सत्ता परिवर्तन को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने बंगाल के तारकेश्वर में कार्यक्रम में कहा कि 'पश्चिम बंगाल दिवस' के मौके पर मैं लोगों को बधाई और शुभकामनाएं देना चाहता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलामी के दौर में हमारे बंगाल ने क्या कुछ नहीं सहा, कितने बलिदान दिए, कितने त्याग सहे, 1946 में कोलकाता में हिंसा हुई थी, तब कितने निर्दोष बंगाली लोग उसकी भेंट चढ़ गए।

बंगाल ने रक्तपात सहा, अपनों को खोया, अपनी मातृभूमि के टुकड़े होते देखे, लेकिन बंगाल ने अपनी अस्मिता और पहचान को नष्ट नहीं होने दिया। इसी का परिणाम था कि जब पूरे बंगाल को भारत से अलग करने की साजिश हो रही थी तब अलग पश्चिम बंगाल बनाकर उन मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया गया। पश्चिम बंगाल दिवस के रूप में हम केवल एक तारीख को याद नहीं कर रहे, बल्कि पूरे इतिहास को याद कर रहे हैं।

सम्मान निधि जारी की

9.44 करोड़ से अधिक किसानों को दी 23वीं किस्त

पीएम मोदी ने मंच से कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त जारी की गई है। 9 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खाते में लगभग 19 हजार करोड़ रुपए सीधे भेजे गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23वीं किस्त जारी कर दी है। इसके साथ ही 9.44 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के बैंक खाते में 23वीं किस्त हस्तांतरित की गई है। प्रधानमंत्री ने बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने पर खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि बंगाल की हवा में एक नई ताजगी है।

योग दिवस से पहले की अपील

पीएम मोदी ने कहा कि कल देश- दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाना है। इस बार में बंगाल में ही योग दिवस का हिस्सा बनूंगा। स्वामी विवेकानंद और महर्षि अरविंद जैसे योगियों की भूमि से जो संदेश जाएगा उससे पूरे विश्व का मार्गदर्शन होगा। मैं चाहूंगा कि इस बार बंगाल के कोने-कोने में योग दिवस के आयोजन हो।

पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री को घेरा

देश बाद में, प्रचार पहले... ट्रंप के सामने नाविकों की मौत पर चुप रहे

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

कांग्रेस के मीडिया और पब्लिसिटी विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने का मुद्दा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने न उठाने पर नाराजगी जताई गई है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार का मंत्र 'नेशन फर्स्ट' नहीं, बल्कि 'पीआर फर्स्ट' है यानी देश बाद में, प्रचार पहले। फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर बुधवार को मोदी और ट्रंप के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई थी।

दोनों नेताओं ने वहां सार्वजनिक बयान भी दिए थे। इस बैठक को लेकर खेड़ा ने निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि बैठक में प्रधानमंत्री मोदी अपनी नजरें नीची करके बैठे थे। खेड़ा ने कहा कि वे सोफे पर सिमटकर बैठे थे।

जुबानी जंग ने पकड़ा जोर

शिंदे ने उद्धव को बताया डॉग व खुद को टाइगर, यह ट्रेलर

एजेंसी ▶▶मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शिवसेना के 60वें स्थापना दिवस पर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग दावे किए। एक ने टाइगर, शेर, भौंकते कुत्तों और एक ऐसे राजनीतिक 'ट्रेलर' की बात की, वहीं दूसरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भावुक अपील करते हुए कहा कि अगर उनका उन पर भरोसा खत्म हो जाए, तो वे पद छोड़ देंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि शिवसेना को 'चोरों और गद्दारों' के हाथों में नहीं पड़ने देना चाहिए।

उद्धव के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के लिए नए संकट के बीच यह टकराव सामने आया है, क्योंकि उसके 9स्नोकसभा सांसदों में से 6 के प्रतिद्वंद्वी शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की आशंका है।

3 दिन बाद फिर सक्रिय होने की संभावना

फिलहाल बारिश पर लग गया ब्रेक, हाहाकार

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

देश के सुदूर दक्षिणी छोर केरल में एक तो लेट से मानसून टकराया था। 1 जून को आने वाला यह मानसून इस बार 4 जून को आया। शुरुआत में इसकी रफ्तार मध्य भारत तक ठीक-ठाक रही, मगर जब तक यह ठीक से भिगोता हुआ आगे बढ़ता कि इसकी रफ्तार पर ब्रेक ही लग गया। इसके बाद तो इसके करीब-करीब गायब होने की बातें भी आईं। बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों को कवर करने के बाद यह मानसून अचानक लापता हो गया। अब पूरा उत्तर भारत मानसून का बेसब्री से बाट जोह रहा है। खासकर उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात तक में लोग मानसून के स्वागत में खड़े हैं।

वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने दी जानकारी

मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शशि कांत ने कहा कि इस बार मॉनसून सीजन के दौरान औसत से कम बारिश होने का पूर्वानुमान है। पिछले कुछ दिनों में अरब सागर में क्लाउडिंग नहीं बन पाई है। इसकी वजह से मानसून की रफ्तार महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में स्थिर हो गई है। अब उम्मीद है कि 23 जून के आसपास मॉनसून फिर सक्रिय होगा।

कोल्हापुर में केंद्रीय गृहमंत्री शाह बोले

भारत कोई धर्मशाला नहीं, जिसका यहां जन्म हुआ वही रहेगा, बाकी होंगे बाहर

संपूर्ण विपक्ष पर साधा निशाना

एजेंसी ▶▶कोल्हापुर

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर से घुसपैठ का मुद्दा उठाया। अमित शाह ने कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। इस देश में वही रहेगा, जिसका जन्म यहां हुआ है।

बाकि लोगों को हिंदुस्तान से चुन-चुनकर बाहर किया जाएगा। इस दौरान शाह ने उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और टीएमसी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह लोग घुसपैठ को बढ़ावा देना चाहते हैं, लेकिन मोदी सरकार इनको मंसूबों को कामयाब नहीं होने देगी। मैं विश्वास के साथ इस कोल्हापुर की पवित्र धरती से देश की जनता को कहकर जाता हूं कि बंगाल की जनता से हमें आशीर्वाद दिया है।

अंबाबाई कॉरिडोर के मंच से कहा

अब सिर्फ एक ही शिवसेना गुट कहने का दौर खत्म

महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना की पहचान और नेतृत्व को लेकर लंबे समय से चल रही बहस के बीच शाह ने बड़ा बयान दिया है। कोल्हापुर में एक जनसभा में शाह ने कहा कि पहले लोगों को एकनाथ शिंदे का नाम लेते समय 'शिवसेना-शिंदे गुट' कहना पड़ता था, अब कोई गुट नहीं बचा है और केवल एक ही शिवसेना है।

नई दिल्ली में अपने दूसरे प्रदर्शन के पहले दिन अभिजीत दीपके ने लोगों से की

शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे तक नहीं छोड़ेंगे जंतर मंतर: कॉकरोच जनता पार्टी

दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से जंतर मंतर खाली करने को कहा, नहीं माने प्रदर्शनकारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने नई दिल्ली में अपने दूसरे प्रदर्शन के पहले दिन जंतर मंतर से नहीं हटने का ऐलान किया। सीजेपी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने घोषणा की है कि वे 'शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक जंतर-मंतर नहीं छोड़ेंगे। वहीं दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द प्रदर्शन स्थल को खाली करें। दीपके ने कहा अगर थाली पीटने से कोरोना खत्म हो सकता है, तो शिक्षा मंत्री को हटाने के लिए भी थाली पीटनी चाहिए। उन्होंने कहा- लाठीचार्ज या गिरफ्तारी हो, वे प्रधान के इस्तीफे तक यहां से नहीं हटेंगे। उन्होंने जेल भरने की अपील की।

देर रात खबर लिखे जाने तक प्रदर्शनकारी जंतर मंतर पर डटे हुए थे। सीजेपी ने शनिवार शाम करीब 5.30 बजे एक्स पर लिखा, दिल्ली पुलिस एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन को अवैध घोषित करने की कोशिश कर रही है। आखिर शांति कब से गैरकानूनी हो गई, दिल्ली पुलिस? पिछले प्रदर्शन के मुकाबले इस बार लोग कुछ कम थे लेकिन काफी संख्या में लोग थे।

प्रधान गो-गो के नारे लगाए

प्रदर्शनकारियों ने थाली बजाकर प्रधान के विरोध में गो-प्रधान-गो के नारे लगाए। समय पूरा होने के बाद पहुंची दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से जाने के लिए कहा और उनसे थाली लेने की कोशिश की। दीपके ने दावा किया है कि दिल्ली पुलिस प्रदर्शन स्थल पर खाना, पानी, स्ट्रीट लाइट और वॉशरूम की अनुमति नहीं दे रही है। बैरिकेड की दूसरी ओर लोग खड़े हैं और पुलिस उन्हें आने नहीं दे रही है। प्रदर्शनकारियों की तादाद ज्यादा नहीं थी और पुलिस किसी को जाने नहीं दे रही है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व में वायुसेना की पूर्वी कमांड द्वारा आयोजित एक समारोह में बोले रक्षा मंत्री

भारत की सुरक्षा, समृद्धि और सामरिक ताकत का एक बेहद अहम स्तंभ है पूर्वी क्षेत्र: राजनाथ सिंह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रविवार को शिलांग स्थित वायुसेना के एडवांस लैंडिंग ग्राउंड में योग दिवस के कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को चीन सीमा से लगे हुए भारत के पूर्वी क्षेत्र को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। जिसमें उन्होंने दो टूक अंदाज में कहा कि यह इलाका देश की भौगोलिक सीमाओं का एक हिस्सा मात्र नहीं है। बल्कि यह हमारे देश की सुरक्षा, समृद्धि और सामरिक ताकत का एक बेहद महत्वपूर्ण स्तंभ है। जिसे मैं, भारत की सामरिक नियति का एक सांस्कृतिक हिस्सा मानता हूं। यहां हमारी सीमाएं, नदियां और संस्कृति सब एक-दूसरे के साथ आपस में जुड़ी हुई हैं। जब हम पूर्व की बात करते हैं। तो केवल देश के मानचित्र पर अंकित एक हिस्से की बात नहीं करते हैं। बल्कि हम उस विविधतापूर्ण भाग की चर्चा करते हैं। जहां इतिहास, भूगोल के साथ-साथ सुरक्षा और भविष्य भी मौजूद है। वहीं, इसमें कोई दोराय नहीं है कि इलाके

में हमारी सामरिक स्थिति जितनी मजबूत होगी। उतनी हमारी समूची सुरक्षा भी चाक-चौबंद होगी। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने 20 जून को शिलांग में वायुसेना की पूर्वी कमांड के मुख्यालय में आयोजित किए गए 'रक्षा सांस्कृतिक संध्या' नामक समारोह को संबोधित करते हुए दी है। बताते चलें कि रक्षा मंत्री का यह बयान एक ऐसे समय पर सामने आया है। जब बीते काफी वक्त से चीन पूर्वी सीमा के कई इलाकों के स्वतः ही नाम परिवर्तित कर एक सूची जारी कर रहा है। चीन की इस पूरी कवायद को हालांकि विदेश मंत्रालय समय-समय पर आधिकारिक रूप से खारिज करता आया है।

आज वायुवीरों संग करेंगे योगासन

रक्षा मंत्री रविवार 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर वायुसेना के शिलांग स्थित एडवांस लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) में आयोजित एक कार्यक्रम में योगासन करते हुए नजर आएंगे। जिसे ध्यान में रखते हुए वह 20 से 21 जून तक मेघालय की यात्रा पर हैं। यात्रा की शुरुआत में राजनाथ सिंह ने लेतकोर पीक स्थित वायुसेना 509 सिग्नल यूनिट का दौरा कर वहां वायुवीरों से सीधे संवाद किया। साथ ही यूनिट की परिचालन और सुरक्षा संबंधी तैयारियों की भी समीक्षा की है। रक्षा मंत्री के साथ वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह और बल के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। योग दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रक्षा मंत्री मेघालय के मुख्यमंत्री से भी मुलाकात कर सकते हैं।

व्यापक तैयारी बनाए रखें

उन्होंने ये भी कहा कि वर्तमान में वैश्विक व्यवस्था इतनी तेजी से बदल रही है। जिसमें हर जगह न केवल अनिश्चितता देखने को मिल रही है। बल्कि वह तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में भारत के लिए यह नितांत आवश्यक हो जाता है कि वह अपनी व्यापक तैयारी को बनाए रखे। क्योंकि मौजूदा दौर में युद्धक्षेत्र में बहुत बड़ा बदलाव आया है। आज हाइब्रिड खतरे, सुरक्षा चुनौतियां, सूचना युद्ध, लॉजिस्टिक्स लचीलापन, सप्लाई चेन सुरक्षा और ड्रोन भी बड़े कारक के रूप में उभरे हैं। जिसे देखते हुए सेनाओं के लिए महज परंपरागत तैयारी ही पर्याप्त नहीं है। तकनीकी विकास, सामरिक दूरदृष्टि और संस्थागत नवाचार की भी आवश्यकता है। इस दिशा में भारत की सेनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। पूर्वी क्षेत्र भारत की पूर्व की ओर देखो नीति का भी एक जरूरी हिस्सा है।

पूर्वी कमांड के योगदान को सराहा

राजनाथ ने वायुसेना की पूर्वी कमांड का जिक्र करते हुए कहा, जब इसका नाम आता है। तब हमारे मन में एक मजबूत परंपरा, गहरे जुड़ाव की भावना एक साथ उभरती है। ये कमांड देश के पूर्वी मोर्चे की सुरक्षा का एक अहम स्तंभ है। जिसने देश की सुरक्षा को मजबूत करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। फिर वह युद्धकाल हो, शांति का समय, आपदा राहत अभियान या फिर अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों तक मदद पहुंचाना हो या सीमा प्रबंधन की जिम्मेदारियां। हर मामले में पूर्वी कमांड का योगदान सराहनीय रहा है। यहां तैनात अधिकारियों, वायुसैनिकों ने तमाम तरह की कठिन परिस्थितियों में अपने साहस, समर्पण, त्याग, तपस्या और कर्तव्यनिष्ठा के साथ देशवासियों, राष्ट्र रक्षा का दायित्व निभाया है। जिसके लिए हम सभी आपके ऋणी रहेंगे।

देश की जीवंत संस्थान की अद्भुत मिसाल

उन्होंने कहा कि कमांड द्वारा आयोजित किए गए भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होना मेरे लिए एक सुखद अनुभूति प्रदान करती है। आज की सभी प्रस्तुतियां समृद्ध भारत की जीवंत अभिव्यक्ति थी। हर प्रस्तुति में मुझे अनुशासन, संवेदनशीलता के साथ परंपरा भी देखने को मिली है। सभी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से यह संदेश दिया है कि भारत की सशस्त्र सेनाएं केवल युद्धक ताकत का नाम नहीं है। बल्कि वह एक जीवंत संस्थान है। जिसमें परंपरा, मूल्य, सद्भावना, साहस और सेवा भी समाहित है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सांस्कृतिक विविधता, भारत की विविधता में एकता की भावना को सशक्त बनाती है। सेनाएं हमेशा से ही स्वाभाविक रूप से इस प्राकृतिक एकता की प्रतीक रही हैं। जिनमें भाषा, क्षेत्र, जाति या प्रांत नहीं। बल्कि केवल एक चीज ही सर्वोपरि है। वह है हमारा राष्ट्र।

खबर संक्षेप

गांदरबल में 'नारानाग' पर्यटन स्थल फिर से खुला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को गांदरबल जिले में स्थित पर्यटन स्थल 'नारानाग' को फिर से खोलने का आदेश दिया। पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इसे बंद कर दिया गया था और यह लगभग 14 महीने तक बंद रहा। मध्य कश्मीर के इस जिले में स्थित इस लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर भगवान शिव को समर्पित आठवीं सदी का नारानाग मंदिर भी है। उप राज्यपाल ने कहा कि सुरक्षा की पूरी समीक्षा के बाद नारानाग मंदिर को श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए खोलने का फैसला किया गया है।

भीषण आग से रिसॉर्ट तबाह, 1 की मौत

सैंटो डोमिंगो। डोमिनिकन गणराज्य में एक लक्जरी रिसॉर्ट में भीषण आग लग गई जिसके बाद करीब 1,700 पर्यटकों को वहां से सुरक्षित निकाला गया। आग की इस घटना में इटली के एक पर्यटक की मौत हो गई जबकि कई अन्य पर्यटकों को चिकित्सकीय सहायता दी गई। 'वीवा डोमिनिकस बीच बाय विन्धम रिजॉर्ट' डोमिनिकन गणराज्य के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित बायाहिबे में है, जो अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच एक लोकप्रिय जगह है। आग लगने के कारण की जांच की जा रही है। आसपास के रिसॉर्ट सुरक्षित हैं।

स्लोवाकिया के नए राजदूत होंगे सपकाल

नई दिल्ली। भारतीय विदेश सेवा के वर्ष 1998 बैच के आईएफएस अधिकारी विश्वास विदु सपकाल स्लोवाकिया में भारत के नए राजदूत होंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह घोषणा की है। वर्तमान में वह पेरू में भारत के राजदूत के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मंत्रालय ने बताया कि जल्द ही सपकाल अपनी इस नई जिम्मेदारी को संभालेंगे। पूर्व में वह फिजी, कुक आइलैंड्स, किरिबाती, नाउरू, टोंगा, तुवालु और वानुआतु में भारत के उच्चायुक्त के रूप में कार्य कर चुके हैं।

एक्सियोस को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी की प्रशंसा की

कहा- वे महान इंसान और नेता, लंबे समय तक सत्ता में बने रहना उनकी बड़ी उपलब्धि

इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने कई बार पीएम मोदी की नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी का लंबा राजनीतिक कार्यकाल, मजबूत नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती है

- दुनिया के सबसे सम्मानित नेताओं में शामिल
- राजनीतिक स्थिरता का उदाहरण हैं पीएम मोदी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

फ्रांस में जी7 सम्मेलन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें एक महान नेता और बेहद सख्त व्यक्तित्व वाला इंसान बताया है। एक्सियोस को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने पीएम मोदी को उन वैश्विक नेताओं में शामिल किया, जिनकी वह सबसे अधिक प्रशंसा करते हैं। इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने कई बार पीएम मोदी की नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी का लंबा राजनीतिक कार्यकाल, मजबूत नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती है। ट्रंप ने कहा कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में लंबे समय तक सत्ता में बने रहना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। ट्रंप ने कूटनीति और वैश्विक नेतृत्व जैसे विषयों पर अपने विचार रखे।

जी7 समिट के संदर्भ में किया उल्लेख

हाल ही में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल नेताओं का जिक्र करते हुए ट्रंप ने पीएम मोदी की मौजूदगी को विशेष रूप से याद किया। उन्होंने सरकारों के प्रमुखों और वैश्विक नेताओं की बैठक का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पीएम एक महान इंसान हैं।

मोदी बेहद मजबूत नेता

जब ट्रंप से पूछा गया कि वह एक महान नेता को कैसे परिभाषित करते हैं, तो उन्होंने मोदी को राजनीतिक स्थिरता का उदाहरण बताया। ट्रंप ने कहा कि मैंने जीवन भर भारत के बारे में यही देखा कि वहां नेतृत्व तेजी से बदलता रहा। कोई छह महीने तो कोई एक साल तक रहता था। फिर नरेंद्र मोदी पीएम बने। वे 12 साल से अधिक समय से पद पर हैं और बेहद मजबूत नेता हैं।

शांत लेकिन बहुत सख्त भी

ट्रंप ने कहा कि पीएम मोदी शांति के साथ राजनीतिक सख्ती को भी दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि वह ऐसा आचरण करते हैं जैसे सब कुछ बहुत शांत है, लेकिन वह शांत स्वभाव के इंसान नहीं हैं। वह बहुत सख्त इंसान हैं। मैं उन्हें काफी अच्छी तरह जानता हूं।

भारत काफी बड़ा देश

जब ट्रंप से उन नेताओं के बारे में पूछा गया जिनकी नेतृत्व क्षमता और प्रभाव उन्हें सबसे अधिक प्रभावित करते हैं, तो उन्होंने पीएम मोदी का नाम प्रमुखता से लिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पीएम मोदी बहुत अच्छे हैं। वे एक बेहतरीन नेता हैं। वहां 1.5 बिलियन (150 करोड़) लोग हैं। भारत वास्तव में सबसे बड़ा है।

युद्ध से दूर रहना, समझदारी भरा कदम

ट्रंप ने भारत की हालिया आर्थिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने आर्थिक दृष्टि से कुछ बहुत अच्छे आंकड़ों की घोषणा की है। वह युद्ध से दूर रहते हैं, जो एक समझदारी भरा कदम है।

क्यूबा में हो सकती है सैन्य कार्रवाई: ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को लेकर बड़ा बयान दिया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या क्यूबा में भी वेनेजुएला जैसी सैन्य कार्रवाई हो सकती है, तो ट्रंप ने जवाब दिया कि यह संभव है, ऐसा हो सकता है। ट्रंप ने क्यूबा और वेनेजुएला की तुलना करते हुए कहा कि दोनों मामलों में एक बड़ा अंतर है। वेनेजुएला के पास तेल है, जबकि क्यूबा के पास तेल नहीं है। लेकिन क्यूबा के पास अच्छी प्रॉपर्टी है और शानदार समुद्री तट हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वेनेजुएला नजदीक है और क्यूबा तो बिल्कुल पड़ोस में है। ईरान बहुत दूर है। उनके इस बयान को कई विश्लेषक संभावित सैन्य कार्रवाई की ओर इशारा मान रहे हैं।

लेबनान पर हो रहे इजराइली हमले

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट फिर बंद किया यूएस की बदनीयती पर किए सवाल

- होर्मुज बंद करने के ऐलान से पहले 22 जहाज गुजरे

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइल का लेबनान पर हमला

लेबनान में इजराइल के हमले जारी रहने से नाराज ईरान ने शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद करने की घोषणा की और यह भी कहा कि हालांकि उसके वार्ताकार बातचीत के लिए स्विट्जरलैंड जा रहे हैं, लेकिन वहां से ज्यादा कुछ हासिल होने की उम्मीद नहीं है। इस बीच, प्रमुख मध्यस्थ पाकिस्तान ने कहा कि तकनीकी स्तर की बातचीत रविवार को स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में शुरू होगी, जिसमें कतर के मध्यस्थ भी शामिल होंगे। ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया गया है। उसने यह कदम लेबनान में इजराइल के हमले जारी रहने और अमेरिका की बदनीयती व युद्ध खत्म करने संबंधी वादों के स्पष्ट उल्लंघन की वजह से उठाया गया है। बयान में यह चेतावनी भी दी गई कि अगर हमले जारी रहते हैं, तो आगे के कदम उठाने की योजना बना ली गई है। बता दें, अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून की रात शांति समझौते पर दस्तखत हुए थे।

शनिवार को हुए हमलों में 16 की मौत

शनिवार को इससे पहले, दक्षिणी लेबनान में इजराइली हमलों में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। ये हमले वहां संघर्षविराम समझौते के बाद हुए। शुक्रवार को लेबनान में कम से कम 47 लोगों और 4 इजराइली सैनिकों के मारे जाने के बाद, मध्यस्थ इजराइल और चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के बीच लड़ाई को रुकवाने की कोशिश कर रहे हैं।

आज स्विट्जरलैंड में बैठक

युद्ध के मुद्दे पर अमेरिका के साथ बातचीत करने वाली ईरानी टीम स्विट्जरलैंड जा रही है। वाशिंगटन में, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शनिवार को पुष्टि की कि अमेरिका के मुख्य वार्ताकार-जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ पहले से ही स्विट्जरलैंड में हैं तथा ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर होने वाली संभावित बातचीत की तकनीकी बारीकियों पर काम कर रहे हैं।

3 भारतीय टैंकर ने होर्मुज पार किया

भारतीय झंडे वाले तीन तेल टैंकर शनिवार को सुरक्षित रूप से होर्मुज पार कर भारत के लिए रवाना हो गए। सेंट्रल पोर्ट एंड शिपिंग मिनिस्टर सर्बानंद सोनोवाल ने इसकी जानकारी दी। इन जहाजों में 8.6 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चा तेल और 94 भारतीय क्रू मेंबर शामिल हैं। इसमें से 'देश वैभव' 24 जून को वाडीनार बंदरगाह पहुंचेगा। इसमें 2.9 लाख मीट्रिक टन कच्चा तेल और 37 भारतीय क्रू मेंबर हैं। 'देश विमेर' 24 जून को ही सिक्का बंदरगाह पहुंचेगा। इसमें 2.9 लाख मीट्रिक टन कच्चा तेल और 27 भारतीय क्रू मेंबर हैं। 'सैनमार हेराल्ड' 1 जुलाई को पारादीप बंदरगाह पहुंचेगा। इसमें भी 2.9 मीट्रिक टन कच्चा तेल और 30 भारतीय क्रू मेंबर हैं। होर्मुज बंद करने के ऐलान से पहले 22 जहाज गुजर थे।

दो बम धमाकों से थर्राया पाकिस्तान

खैबर पख्तूनख्वा में 7 की मौत, 3 घायल, घेराबंदी कर जांच शुरू की

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

बम धमाके से क्षतिग्रस्त वाहन

पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में शनिवार को सड़क किनारे हुए दो बम धमाकों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। फिलहाल किसी भी समूह ने इस आत्मघाती कृत्य की जिम्मेदारी नहीं ली है और सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पहला इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट एक यात्री वैन को निशाना बनाकर किया गया, जिसमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके तुरंत बाद, उसी स्थान पर राहत और बचाव कार्य में जुटे लोगों को निशाना बनाकर दूसरा धमाका किया गया, जिसमें दो और लोगों की जान चली गई। यह धमाका बन्नू जिले के मार्का बेरा इलाके में हुआ। बन्नू जिला पुलिस अधिकारी यासिर अफरीदी ने यह जानकारी दी।

4 देश आपसी हितों को लेकर करेंगे चर्चा

मिस्र की राजधानी कायरो में आज 'इस्लामिक नाटो' की अहम बैठक

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

चार इस्लामिक देशों के प्रतिनिधि फाइल फोटो

ईरान युद्ध के बीच मुस्लिम देशों का 'इस्लामिक नाटो' बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया है कि देश के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार रविवार को मिस्र जाएंगे। वहां वे मिस्र, सऊदी अरब और तुर्की के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे। ये चारों देश मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा करने की तैयारी कर रहे हैं। माना जा रहा है कि ये चारों देश नाटो की तर्ज पर एक इस्लामिक संगठन बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिसका मकसद एक देश पर हमला सभी देशों पर हमला माना जाएगा। काहिरा में होने वाली यह आर-4 बैठक इन देशों की चौथी बैठक होगी। बैठक में मिस्र, सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के विदेश मंत्री एक साथ आएंगे और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा करेंगे और शांति, सुरक्षा और स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करेंगे।

न्यूयॉर्क में योग के लिए जुटे लोग

विभिन्न सत्रों में योगाभ्यास किया

न्यूयॉर्क। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में न्यूयॉर्क में हजारों लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया। इस वैश्विक उत्सव का उद्देश्य शारीरिक और आध्यात्मिक कल्याण के साथ-साथ प्रकृति के साथ सामंजस्य को बढ़ावा देना है। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने 'टाइम्स स्क्वायर एलायंस' के साथ मिलकर इस विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न देशों के हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और योग के विभिन्न सत्रों में योगाभ्यास किया।

भारत-दक्षिण कोरिया के बीच जल्द होगा एमओयू

डिजिटल शासन, ई-गवर्नेंस और लोक प्रशासन में सहयोग बढ़ाने पर सहमत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जितेंद्र सिंह और दक्षिण कोरिया के युन होजुंग

केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में दक्षिण कोरिया गणराज्य के गृह एवं सुरक्षा मंत्री युन होजुंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। बैठक में डिजिटल शासन, ई-गवर्नेंस, लोक प्रशासन, क्षमता निर्माण और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत बनाने पर चर्चा हुई।

मंत्रालय में नवाचार पर राजी

बैठक के दौरान डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों देशों के मंत्रालय लोक प्रशासन और सरकारी नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अंतिम रूप देने पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच प्रशासनिक सुधारों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान को और मजबूत करेगा।

एआई और डिजिटल सेवाओं पर चर्चा

वार्ता के दौरान सरकारी सेवाओं के डिजिटल रूपांतरण, लोक प्रशासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग, सिविल सेवकों के क्षमता निर्माण, नागरिक भागीदारी और सार्वजनिक शिकायत निवारण प्रणालियों में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को साझा करने जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। वहीं, कोरियाई प्रतिनिधिमंडल ने स्मार्ट गवर्नेंस, डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं तथा आपदा एवं सुरक्षा प्रबंधन के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए।

बांग्लादेश के रंगपुर में भगवान राम की मूर्ति निर्माण कार्य को रोका

जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने की मांग

विरोध में सड़कों पर उतरे हजारों हिंदू सरकार को दिया 72 घंटे का अल्टीमेटम

- धार्मिक मामलों के मंत्रालय को ज्ञापन सौंपा

एजेंसी ▶▶ ढाका

मशाल जुलूस लेकर विरोध प्रदर्शन करते हिंदू

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किए गए हैं। रंगपुर में भगवान राम की सबसे ऊंची मूर्ति बनाने का विरोध कर रहे कट्टरपंथी इस्लामवादियों द्वारा उनकी तस्वीर का कथित अपमान किए जाने के बाद हिंदू समुदाय के लोग सड़क पर उतरे। मूर्ति का निर्माण कार्य रुकने के बाद, शुक्रवार को ढाका में हजारों हिंदुओं ने मशाल जुलूस निकाला और 'जय श्री राम' के नारे लगाए। लोगों ने इस कथित अपमान के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी की मांग की है। बांग्लादेश में यह नया तनाव उत्तरी गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी में भगवान राम की 81 फीट ऊंची मूर्ति का निर्माण कार्य रोके जाने के कुछ दिनों बाद पैदा हुआ है।

इस्लामी समूहों ने दी धमकी

इस प्रोजेक्ट को चलाने वाली 'श्री श्री राधा गोविंद मंदिर समिति' का दावा है कि अधिकारियों को इस्लामी समूहों से धमकियां मिली थीं। हिंदुओं ने पुलिस द्वारा हिंदुओं को प्रदर्शन करने से रोकने के बाद मामूली झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इस महीने की शुरुआत में गाइबांधा में एक प्रदर्शन के दौरान इस्लामी भीड़ ने भगवान राम की तस्वीर पर जूता रखकर उसका अपमान किया। इस घटना ने मुस्लिम-बहुल बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ा दी हैं।

मामले में केस दर्ज

मामले में केस दर्ज हो चुका है, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। शुक्रवार को कई हिंदू संगठनों और छात्रों ने मुख्य शाहबाग चौराहे पर इकट्ठा होकर नेशनल प्रेस क्लब तक मार्च किया। यह विरोध-प्रदर्शन 'हिंदू महाजोट' ने बुलाया था। संगठन ने नेशनल प्रेस क्लब के सामने मानव श्रृंखला भी बनाई। एक अन्य समूह ने ढाका रिपोर्टर्स यूनिटी (डीआरयू) बिल्डिंग के पास प्रोटेस्ट किया।

देशव्यापी आंदोलन का ऐलान

प्रदर्शनकारियों ने इसमें शामिल लोगों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। इसके अलावा, हिंदू महाजोट ने कहा कि अगर भगवान राम की मूर्ति का निर्माण फिर से शुरू करने की अनुमति नहीं दी गई, तो वे बांग्लादेश के सभी 64 जिलों में एक-एक करके राम मंदिर बनाएंगे। शनिवार को धार्मिक मामलों के मंत्रालय को एक ज्ञापन भी सौंपा।

पिता दिवस विशेष

आम लोग हों या सेलिब्रिटी, हर किसी के जीवन में पिता बहुत मायने रखते हैं। भले ही वे संतान से जुड़ी अपनी भावनाओं को व्यक्त ना करते हों, लेकिन उसके जीवन को संवारने के साथ उसे हमेशा सुरक्षा और संबल देते हैं। अलग-अलग क्षेत्र से जुड़ी कुछ नामचीन हस्तियां यहां बता रही हैं कि अपने पिता से उनकी कैसी बॉन्डिंग रही है, उन्होंने किस-किस तरह से उनका हौसला बढ़ाया, उनके जीवन को संवारा।

उदात्त-अद्वितीय पिता का साया

{ आवरण कथा }

मैं उसी तरह का इंसान हूं, जैसे पिताजी थे

वरुण बडोला, अभिनेता-लेखक

मेरे पिता विश्वमोहन बडोला जाने-माने रंगकर्मी और पत्रकार थे। पढ़ने-लिखने के बहुत शौकीन। बचपन में मेरे सामने भी दो विकल्प थे कि मैं भी उनकी तरह पत्रकार बन जाऊं या कलाकार। मैंने अभिनय को चुना। लिखने का शौक भी मेरे अंदर पिताजी से ही आया। चूंकि मैं एक कलाकार के घर में पल रहा था तो उस वातावरण में मैं बहुत सारी थिएटर, अभिनय और स्टेज से जुड़ी शुरुआती बेसिक स्किल्स, जो लोग बाहर जाकर कोर्स करके सीखते हैं, जैसे- कैसे बोलना है, चलना है, भाषा, उच्चारण आदि, यह सब मैंने पिताजी से घर पर ही सीखीं। उन्हें थिएटर और रेडियो में काम करते हुए देखकर, सुनकर सीखा, समझा। एक कलाकार के घर जन्म लेने का यह फायदा मुझे मिला। जब मैं हताशा और निराशा के पलों में होता तो भी वे मुझे बहुत अच्छी तरह से समझाते थे। मुझे लगता है कि हर पिता में यह दूरदर्शिता होती है और जब बात अपने बच्चों पर आ जाती है, तब वे पहले ही भांप लेते हैं कि जो स्थिति है उसका परिणाम क्या हो सकता है? ऐसा कई बार हुआ, मैं किसी परिस्थिति से जूझ रहा होता और वे मुझे कहते थे कि मुझे ऐसा लग रहा है कि आने वाले दिनों में परिस्थितियां ऐसे बदलेंगी और इस तरीके की एक तस्वीर सामने आएगी। इसके अलावा कोई काम करना चाहिए या नहीं करना चाहिए। या एक ही जगह पर रुक जाना चाहिए? इस तरह की बहुत-सी बातों पर वे अपनी राय रखते थे। आज पापा को गए छह साल हो चुके हैं। मेरा और पापा का रिश्ता बहुत कुछ अनकहे पर आधारित था। हमारी एक-दूसरे को लेकर जो सोच और भावनाएं थीं, वह हम दोनों ने शब्दों में बहुत ज्यादा कभी व्यक्त नहीं की, लेकिन मैं यह मानता हूं कि भावनाओं का आदान-प्रदान बिना कुछ कहे भी हो सकता है। मैं उसी तरह का इंसान हूं, जिस तरह के वे थे। समय के साथ रिश्ते आगे बढ़ते हैं लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि हम दोस्त हो गए। मैं चाहता भी नहीं था कि मेरे पिताजी मेरे दोस्त बने। मैं अपने पिताजी को पिता के रूप में ही देखना चाहता था। *

मेरी सफलता का सारा श्रेय पिताजी को जाता है

अनूप जलोटा, गायक

मेरे पिता श्री पुरुषोत्तम दास जलोटा ने मुझे पढ़ाने-लिखाने पर जितना ध्यान दिया, उतना ही गुरु के रूप में संगीत सिखाने के लिए भी हर संभव प्रयास किया। इस तरह वे मेरे पिता व गुरु दोनों थे। मेरे लिए वे ईश्वरतुल्य हैं, मुझे उनकी बहुत कृपा प्राप्त हुई। मेरी सफलता का सारा श्रेय पिताजी को जाता है। संगीत के क्षेत्र में करियर कैसे बनाना है, आगे कैसे बढ़ना है, सब उन्हीं का मार्गदर्शन रहा। उन्होंने जो कहा, मैंने वैसा किया। उन्होंने मुझे जीवन की एक ऐसी सीख दी, जिसे मैं आज भी याद रखता हूं। उन्होंने कहा था, 'बेटा सबसे प्रेम से मिला करो। चाहे कितना भी सफल हो जाना, घमंड कभी मत करना। ये नेम-फेम क्षणिक होता है। इसलिए अगर लोगों से प्रेम से मिलोगे, उनसे मधुर संबंध बनाओगे तो यह जीवन भर बहुत काम आएगा।'

बतौर संगीत गुरु मेरे पिताजी बहुत सख्त और अनुशासनप्रिय थे। मुझे याद है, मैं जब सात-आठ साल का था, तब वे अकसर मुझे एक तानपुरा देकर कमरे में बंद कर देते और कहते थे कि अब दो घंटे बस एक ही सुर लगाओ। उस समय मुझे यह बहुत मुश्किल लगता था, लेकिन उस समय मैंने जो सुर लगाने का अभ्यास किया, वो आज तक बरकरार है। एक बार मुझे एक प्रोग्राम में गाने के लिए बुलाया गया, लेकिन आयोजकों के पास तबला, हारमोनियम वादक नहीं थे। मैंने सोचा कि मैं बिना संगत के कैसे गाऊंगा? मैंने पिताजी को सारी बात बताई। इस पर पिताजी बोले, 'तुम आज से हारमोनियम बजाना सीखो।' मैंने वैसा ही किया। उस समय मैं आठ वर्ष का था। तब से आज तक गाते समय मैंने कभी किसी हारमोनियम वादक को संगत के लिए नहीं बुलाया। मैं गाते वक्त खुद हारमोनियम बजाता हूं। कहने का मतलब है कि उनकी हर सीख ने बतौर गायक मुझे संवारा। उनकी हर सीख मेरे साथ हमेशा रहती है। *

जीवन के हर पड़ाव पर पापा हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं

स्नेहा चक्रधर, भरतनाट्यम नृत्यांगना

मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि एक ऐसे माहौल में पैदा हुई, जहां साहित्य व संगीत दोनों लगातार मौजूद रहे। ऐसा माहौल आम घरों में आसानी से नहीं मिलता, लेकिन मुझे विरासत में मिला। इसी माहौल ने मेरे व्यक्तित्व का निर्माण किया। बचपन से मैं देखती थी कि मेरे पापा, श्री अशोक चक्रधर जो भी काम करते हैं, बेहद परफेक्शनिज्म के साथ करते हैं। कोई कमी न रह जाए, इसलिए पूरा तन-मन-धन लगा देते हैं। बचपन की एक घटना मुझे याद है कि एक बार मैंने अपनी किसी सहेली से बोला, 'अगर मेरे पापा मोची होते तो दुनिया का सबसे सुंदर जूता बनाते।' मतलब, मैं बचपन से जानती थी कि पापा के काम में कमी निकालना बहुत मुश्किल काम है। मैंने समाजशास्त्र और नृत्य दो विषयों को चुना और इन दोनों को एक साथ देखने, समझने की प्रेरणा मुझे पापा से ही मिली। पापा का व्यक्तित्व बहुआयामी रहा है, चाहे फिल्म निर्माण हो, लेखन, कविता, नाटक, साहित्यिक आलोचना, कला, शिक्षण या प्रशासन हर क्षेत्र में उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनके इसी बहुआयामी दृष्टिकोण से मैंने सीखा कि अलग-अलग रुचियों और ज्ञान क्षेत्रों को जोड़कर ही एक समृद्ध और सार्थक जीवन जिया जा सकता है। जीवन के हर पड़ाव पर पापा हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं। हर चुनौती या मुश्किल समय में उन्होंने मेरा साथ दिया। उनकी बेटी होने के मुझे बहुत फायदे मिले हैं। चाहे दिल्ली के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक और बौद्धिक परिवेश हों या छोटे-छोटे गांव, जहां भी मैं कार्यशालाओं के लिए गई। जब लोगों को पता चलता था कि मैं काका हाथरसी की नातिन और अशोक चक्रधर की बेटी हूं तो जो अपनापन, प्यार, स्वागत, सत्कार मेरा होता रहा है कि उसे शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है। अब मैं अमेरिका में बस गई हूं लेकिन आज भी जब पापा कुछ नया लिखते हैं तो मम्मी के बाद मैं उनकी दूसरी पाठक/श्रोता होती हूं। मैं उनसे रोज बात करती हूं और चाहती हूं कि वे हमेशा स्वस्थ रहें और लिखते रहें। *

प्रस्तुतिः रेणु खंतवाल

अपने पिता को मैं हर सांस में याद करता हूं

चित्तरंजन त्रिपाठी, एनएसडी डायरेक्ट-एक्टर

मेरे पिता श्री विश्वनाथ त्रिपाठी मेरे आदि गुरु हैं। मैंने अपने कला व सामाजिक जीवन में जो कुछ सीखा उसमें उनकी सबसे बड़ी भूमिका रही। पिताजी विद्वान होने के साथ सिंगर व एक्टर भी रहे हैं। वे कहते हैं, 'जीवन में कभी किसी का बुरा न करना, न सोचना। जीवन के हर मोड़ या परिस्थिति में सुकर्म करते रहना।' मूलतः उन्होंने मुझे यही सिखाया।

मुझे याद है, मैं बहुत छोटा था तभी मां का देहांत हो गया। हम तीनों भाई-बहन छोटे थे। उन्होंने हमें अकेले पाला। तमाम घरेलू काम अकेले करना, खाना बनाने से लेकर अपना काम भी करना। वे चाहते तो दूसरी शादी करके अपने जीवन को आसान बना सकते थे, लेकिन उन्होंने पूरा जीवन हम पर लगा दिया। तमाम कठिनाइयों को कठिनाई न मानकर हंसकर करने वाले व्यक्ति मेरे पिता हैं। उनकी परवरिश, देखभाल ऐसी थी कि हमें कभी मां की कमी महसूस ही नहीं हुई। समय पर खाना मिला, साफ धुले कपड़े, बिस्तर। रात को सोने से पहले हमारे पैर के तलवों पर तेल लगाना और रात को हमें दूध का गिलास पिलाना वे कभी नहीं भूलते थे।

संगीत की शुरुआती शिक्षा मैंने उन्हीं से ली। एक बार पिताजी ने मुझे 15 अगस्त पर ब्लॉक स्तर की गायन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भेजा। उस समय मैं बहुत छोटा था, वहां जाकर डर गया और बिना गाए वापस घर आ गया। घर आकर पिताजी को बताया तो उन्होंने कहा, 'जिसका बाप जिंदा हो वह बच्चा कभी हार या डर नहीं सकता।'

अगले साल मैंने फिर उसी प्रतियोगिता में भाग लिया और मुझे पुरस्कार मिला। उसके बाद मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कहने का अर्थ है कि आर्थिक रूप से तंगी के बावजूद पिताजी ने हमें दुनिया के आगे सकारात्मक रूप से कैसे खड़ा होना है, यह सिखाया। यह भी समझाया, 'तुम्हारी सारी जिम्मेदारी मेरी है, तो तुम्हें डर किस बात का!'

मैंने 1998 में जब पहली बार 'ताजमहल का टेंडर' नाटक किया तब उन्हें उड़ीसा से दिल्ली नाटक देखने बुलाया था। नाटक समाप्त होने के बाद जब उन्होंने देखा कि दर्शक लगातार तालियां बजा रहे हैं, मुझे बधाई दे रहे हैं तो उन्हें बहुत गर्व हुआ। रात को खाना खाते वक्त उन्होंने मेरी पीठ थपथपाई और कहा, 'बहुत अच्छा हुआ कि तुमने अपने दिल की आवाज सुनी और किसी नौकरी में खुद को नहीं बांधा।' वे खुद अच्छे कलाकार हैं, इसलिए समझते हैं कि एक कलाकार को जो तालियां और प्रोत्साहन जनता से मिलता है, वह अनमोल होता है। उनसे जुड़ी कई मीठी यादें मेरी स्मृतियों में दर्ज हैं। एक बार मैं स्कॉलरशिप लेकर लंदन पढ़ने गया था। मैंने उन्हें फोन किया और कहा, 'बधाई हो आप लंदन में घूम रहे हैं।' तो बोले, 'मैं लंदन कब चला गया?' तब मैंने कहा, 'मैं आपका अंश हूं, संपूर्ण तो आप हैं। अगर मैं यहां पढ़ रहा हूं, घूम रहा हूं, तो वह आप ही हैं।' इस पर वह मुस्कुरा दिए। आज भी जब मैं अपने घर (ओडिशा) जाता हूं तो पिताजी से खूब देर तक ढेर सारी बातें करता हूं। हालांकि वे 90 वर्ष के हो चुके हैं। लेकिन मेरी बातों को ध्यान से सुनते हैं, अपने मन की बात भी कहते हैं। फादर्स डे के खास मौके पर पर मैं उनसे यही कहना चाहूंगा, 'मैं आपको हर सांस में याद करता हूं। हर पल आप मेरे दिलोदिमाग में रहते हैं। इसलिए मेरे लिए तो रोज फादर्स-डे है।' *

{ कहानी / प्रभा पारीक }

सुरक्षा कवच

पेशे से वकील माथुर साहब के घर में बने ऑफिस वाले कमरे में उनके वृद्ध पिताजी भी बैठे रहते। पिताजी को लगता कि उनकी वजह से बेटे को असुविधा होती होगी। लेकिन एक बार जब उन्होंने अपने पुत्र को पौत्र से उस कमरे और अपने बारे में बात करते सुना तो वे भावविभोर हो गए। पिता-पुत्र के संबंध पर आधारित मार्मिक कहानी।

माथुर साहब के घर का वह कमरा सबसे महत्वपूर्ण था। उनके दादाजी के द्वारा बनवाया गया यह घर आज के जमाने को देखते हुए काफी बड़ा और हवादार था। उसमें भी आंगन वाले इस कमरे की बात अलग ही थी। पूरे दिन सारा कमरा माथुर साहब के पिताजी द्वारा पूजा में चढ़ाए फूलों व अगरबत्ती की खुशबू से सराबोर रहता। इस कमरे की सफाई घर में सबसे पहले होनी चाहिए, यह नियम वर्षों से था। कुछ फालतू सामान कमरे में रखा हो तो माथुर साहब स्वयं बाहर रख आते। प्रतिवर्ष पिताजी की कुर्सी-पलंग, दरवाजे-खिड़कियों पर पॉलिश होती। इसीलिए पूरा कमरा चमकता दिखता।

पेशे से वकील माथुर साहब ने पिताजी के इसी कमरे को अपना ऑफिस बना रखा था। ऑफिस के समय के दौरान घर का कोई भी सदस्य कमरे के अंदर नहीं आता। बच्चे भी दादाजी के पास शाम के बाद ही आते। दिन भर वकील साहब के पास लोगों का आना-जाना लगा रहता। पिताजी को भी इसकी आदत हो गई थी। शुरू-शुरू में एक-दो बार दबी जुबान से बेटे को कमरा बदल लेने की सलाह दी भी थी, पर माथुर साहब ने साफ इनकार कर दिया। फिर पिताजी ने भी इस विषय पर मौन धारण कर लिया था। काफी बड़ा हॉल नुमा कमरा था। माथुर साहब के पिताजी कमरे के एक कोने में बैठ कर किताब या अखबार पढ़ते कभी धीमी आवाज में रेडियो सुनते। कमरे में मौजूद छोटे से मंदिर के पास रैक में रखी धार्मिक पुस्तकें कमरे का अहम हिस्सा थीं। माथुर साहब की ओर से पिताजी के लिए कोई रोक-टोक नहीं थी। वह अपने हिसाब से पूजा-पाठ या मंत्रोच्चार करते रहते। जब उनके लिए चाय आती तब पिताजी को भी देते। पिताजी की खाने-पीने की सीमित आदतों के कारण उन्हें कोई शारीरिक तकलीफ तो नहीं थी, पर उम्र तो थी ही। माथुर साहब के पास वकालत के काम से आने-जाने वाले लोगों को पिताजी भी पहचानते थे, दुआ-सलाम के लिए वो भी अकसर उनके पास आ बैठते।

कुल मिलाकर पिताजी की उपस्थिति से माथुर साहब को कोई तकलीफ नहीं होती। पिता को क्या तकलीफ है इसकी उनको परवाह नहीं थी, ऐसा पिताजी का मानना था। उन्होंने अकसर ऐसा महसूस भी किया था पर पिताजी को इतना संतोष था कि इस बहाने से बेटा पूरे दिन उनकी आंखों के सामने रहता है। उन्हें भी अलग-अलग तरह के लोगों को नजर भर देखते रहने का अवसर मिलता। वर्षों यही सिलसिला चलता रहा। माथुर साहब का बेटा भी अब पढ़-लिखकर वकालत के लिए तैयार हो गया। उनके साथ ही काम करने लगा था। बेटे को भी यह कमरा पसंद था, क्योंकि इस कमरे में सारी सुविधाएं थीं। पर उस कमरे में दादाजी की उपस्थिति पोते को नहीं भाती थी। एक दिन उसने माथुर साहब से कहा, 'दादाजी का कमरा बदल दें या हम अपना ऑफिस किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट कर लेते हैं।' वर्षों से माथुर साहब की पत्नी भी यही चाहती थीं, क्योंकि पिताजी की उपस्थिति के कारण वह कभी पति के पास जाकर बैठ नहीं पाती थीं। लेकिन लंबी बहस के बाद भी जब माथुर साहब इस बात के लिए तैयार नहीं हुए तो बेटा दो दिन रूठा रहा। माथुर साहब ने समस्या की गंभीरता को समझते हुए बेटे को दूसरी जगह, जहां वह चाहे, ऑफिस लेने की अनुमति दे दी, और साथ में आशीर्वाद भी। बेटे से माथुर साहब बोले, 'मैं तो यहीं से काम करूंगा। तुम अपने निर्णय के लिए स्वतंत्र हो।'

अंत में ऐसा ही हुआ, जैसा बेटा चाहता था। नई पीढ़ी हमेशा से नई सोच के साथ ही काम करती है। उसके लिए संस्कार, मूल्य कहां मायने रखते हैं। इसीलिए कुछ केस उसने अनुभव न होने के कारण ऐसे स्वीकार कर लिए, जिसमें अपयश की संभावनाएं अधिक थीं पर उसे तो मोटी फीस नजर आ रही थी। माथुर साहब ने भी सोचा परिपक्वता के लिए ठोकर और असफलता भी जरूरी है। इसी सोच के कारण उन्होंने बेटे के काम में दखल नहीं दिया। अब तो उसके पास इसी तरह के ही केस आने लगे और मुंह मांगी रकम के ऑफर भी। पर अनुभवहीन पुत्र तो पहले वाले केस को ही अभी पूरा नहीं कर पाया था। मुवक्किल का सामना करना भी आसान न था। नतीजा हुआ कि वह बहुत तनावग्रस्त रहने लगा। अपने सारे तनाव व चिंता लेकर वह एक दिन माथुर साहब के पास आकर बैठा। उस दिन किसी मुवक्किल के न होने के कारण पिता-पुत्र कमरे में अकेले थे। पुत्र ने उस दिन अपने मन का सारा तनाव पिता को कह सुनाया। कोने में बैठे उसके दादाजी भी सारी बातें सुन रहे थे। सारी बात सुनकर माथुर साहब ने अपने पुत्र से कहा, 'मेरी सफलता, मान-सम्मान के पीछे अगर किसी की सबसे बड़ी भूमिका है तो यह कमरा और इसमें बैठे रहने वाले तुम्हारे दादाजी हैं। जब मैंने काम शुरू किया तभी से यह कमरा मुझे सुरक्षा देता आया है। तुम्हारे दादाजी ने अनेक बार कहा कि मैं दूसरे कमरे में बैठकर आराम से काम करूं। पर उन्हें नहीं पता कि वे मेरे लिए कितने बड़े सुरक्षा कवच रहे हैं। शुरुआत से अपने पिता की नजरों के सामने रहा, इसीलिए किसी के लिए अपशब्द बोलना मेरी आदत में नहीं आया। पिताजी की उपस्थिति के कारण समय की मर्यादा का पालन करना मेरी आदत बन गई। इसी कमरे के कारण आने-जाने वालों ने भी मर्यादा का सदा पालन किया। तुम्हें आश्चर्य होगा कि मुझे आज तक किसी प्रकार के गलत तरह के पैसे का कोई प्रलोभन नहीं दिया गया, क्योंकि पिताजी की उपस्थिति में स्वीकारना तो दूर की बात थी, किसी को मुझसे अनैतिक कुछ कहने की हिम्मत ही नहीं हुई। इसीलिए बेटा इस पवित्र कमरे को, जिसे मैं अपना सुरक्षा कवच समझता हूं, इसके रहते मुझसे कभी कोई गलत काम नहीं होगा। अभी तक का जीवन सिद्धांतों पर चलकर बीता है, आगे भी बीत जाएगा। तुम्हें मैं यही कहूंगा कि अब समय बदल गया है। नई शैली से काम करने में परहेज मत करना, पर नैतिकता का चलन हर युग में रहा है और रहेगा। यही संस्कार मुझे अपने पिताजी से मिले और यही मैं तुमसे कहना चाहता हूं। मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ है। तुम्हें कभी-भी मेरी आवश्यकता होगी, मैं तुम्हारे साथ रहूंगा।' यह सुनकर उनके युवा पुत्र ने माथुर साहब के हाथों को थामकर, उन्हें आश्वस्त किया।

उधर कमरे के कोने में बैठे पुत्र के मुंह से अपने बारे में ऐसी बातें सुनकर माथुर साहब के पिताजी की बूढ़ी आंखों से झर-झर बहते आंसू बहुत कुछ कह रहे थे। जिसमें असीम खुशी और संतुष्टि घुली हुई थी। *

अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

अमेरिका ने किया राउंड ऑफ 32 के लिए क्वालिफाई

एजेंसी ▶▶| सिएटल

अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिश्चियन पुलिसिच के बिना खेल रही अमेरिका की टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट दौर में प्रवेश कर लिया। यह पहला अवसर है जबकि अमेरिकी टीम ने पहले दो मैचों के बाद ही नॉकआउट राउंड में जगह बना ली। पिछली बार जब अमेरिका ने 1994 में विश्व कप की मेजबानी की थी, तब वह तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक होने के कारण क्वालीफाई कर गया था। तब वह अंतिम 16 में ब्राजील से हार गया था। एसी मिलान के लिए खेलने वाले और 87 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 33 गोल कर चुके पुलिसिच पिंडली की चोट के कारण मैच में नहीं खेल पाए।

96 साल बाद जीते दो शुरुआती मैच

अमेरिका के लिए इस जीत का महत्व सिर्फ क्वालिफ़िकेशन तक ही सीमित नहीं था। 1930 में हुए पहले वर्ल्ड कप के बाद यह पहली बार था जब अमेरिकी टीम ने पुरुषों के वर्ल्ड कप में अपने शुरुआती दो मैच जीते। उस समय अमेरिकियों ने बेल्जियम को 3-0 और पैराग्वे को 3-0 से हराया था और आखरि में तीसरे स्थान पर रहे थे, जो उनका अब तक का सबसे अच्छा वर्ल्ड कप नतीजा है।

आत्मघाती गोल के जरिए बढ़त

अमेरिका ने आत्मघाती गोल के जरिए बढ़त बनाई। बालोगुन ने 11वें मिनट में स्ट्राइकर रिकार्डो पेपी की ओर एक सटीक पास दिया। गेंद पेपी तक नहीं पहुंची और ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर कैमरुन बर्गेस से टकराकर गोल में चली गई, जिससे आत्मघाती गोल हो गया। टीम के सबसे युवा खिलाड़ी 21 वर्षीय एलेक्स फ्रीमैन ने 43वें मिनट में अमेरिका को 2-0 से आगे कर दिया।

ब्राजील से हराकर हैती बाहर होने वाली पहली टीम

फिलाडेल्फिया। विनीसियस जूनियर ने एक गोल किया और मैथियस कुन्हा के दोनों गोल में मदद की, जिससे पांच बार के चैंपियन ब्राजील ने हैती को 3-0 से पराजित करके उसे विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। हैती 1974 के बाद पहली बार विश्व कप में खेल रहा है।

वह मौजूदा विश्व कप में नॉकआउट राउंड की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। दूसरी तरफ ब्राजील ने अपनी लय हासिल करके अगले दौर में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्टार खिलाड़ी कुन्हा को शुरुआती लाइनअप में जगह मिली। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में मौजूद 68,324 दर्शकों में से अधिकतर ब्राज़ील के प्रशंसक थे, जिन्हें कुन्हा ने 23वें मिनट में अपने करियर का पहला विश्व कप गोल करके रोमांचित कर दिया। इसके बाद उन्होंने 36वें मिनट में बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर ब्राजील को हैती की कमजोर टीम पर 2-0 की बढ़त दिला दी। विनीसियस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में तीसरा गोल किया। ब्राजील के फॉरवर्ड राफिन्हा के शुरुआती गोल को ऑफसाइड के कारण अमान्य कर दिया गया था।

मैथियस कुन्हा ने दागे दो गोल

टूर्नामेंट का सबसे तेज गोल

माटियास ने 65 सेकंड में बॉल को नेट में पहुंचाया, पराग्वे ने तुर्किए को हराया

एजेंसी ▶▶| सांता क्लारा

माटियास गलार्जा ने खेल शुरू होने के 65 सेकंड के अंदर गेंद को नेट में पहुंचाकर मौजूदा विश्व कप का सबसे तेज गोल किया, जिससे पराग्वे ने अधिकतर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद तुर्किए को 1-0 से हराया। पराग्वे की इस जीत से यह सुनिश्चित हो गया कि अमेरिका ग्रुप डी में शीर्षक पर रहेगा। इससे तुर्किए की नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें भी लगभग समाप्त हो गई। पराग्वे अगले गुरुवार को ग्रुप चरण के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा, जिसमें ग्रुप में दूसरे स्थान का फैसला होगा। पराग्वे को दूसरा स्थान हासिल करने के लिए यह मैच जीतना जरूरी है। इस मैच में पराग्वे की जीत में गुस्तावो अल्फारो के किए लाइनअप में बदलाव का भी अहम योगदान रहा। माटियास को पहले मैच में नहीं खिलाया गया था, लेकिन तुर्किए के खिलाफ उन्हें शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया।

सैबारी ने दूसरे मिनट में किया गोल मोरक्को ने स्कॉटलैंड को हराया

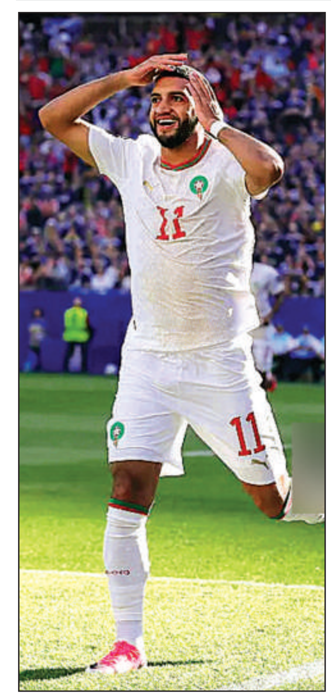

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

इस्माइल सैबारी ने गोल करने की अपनी काबिलियत का एक बार फिर से शानदार नमूना पेश करते हुए दूसरे मिनट में ही स्कोरशीट पर अपना नाम लिखवाया, जिससे मोरक्को ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप सी के मैच में स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया। सैबारी को ब्राजील के खिलाफ विश्व कप में अपने पदार्पण मैच में गोल करने में केवल 21 मिनट लगे थे। लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ जिलेट स्टेडियम में उन्होंने केवल 72 सेकंड में ही गोल कर दिया, जो निर्णायक साबित हुआ। इससे मोरक्को के लगातार दूसरी बार विश्व कप के नॉकआउट दौर में पहुंचने की उम्मीदें जीवंत रहीं। मोरक्को ने मैच की शुरुआत में ही अपनी शानदार पासिंग से स्कॉटलैंड को हैरान कर दिया। सैबारी स्कॉटलैंड के दो डिफेंडरों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़े और ब्राहिम डियाज़ ने उन्हें गेंद पास की।

बहस के दौरान अलमिरोन ने ढका मुंह, मिला लाल कार्ड

सांता क्लारा। पराग्वे के मिडफील्डर मिगुएल अलमिरोन विश्व कप में मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह घटना पराग्वे और तुर्किए के बीच खेले गए ग्रुप डी के मैच के पहले हाफ के इंजरी टाइम के दौरान घटी, जब मिडफील्ड के पास फाउल के बाद अलमिरोन और मर्ट मुल्डर के बीच कहा-सुनी हो गई। अलमिरोन ने मुल्डर से कुछ कहते हुए अपना मुंह ढक लिया। इस पर मुल्डर ने तुरंत रेफरी इवान बार्टन से सजा देने की अपील की। बार्टन ने वीडियो समीक्षा का सहारा लिया और इस साल विश्व कप में लागू किए गए एक नए नियम के तहत अलमिरोन को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया।

टीम इंडिया ने जीती वनडे सीरीज

अफगानिस्तान को 3-0 से किया क्लीन स्वीप

स्कोर बोर्ड

अफगानिस्तान	रन	गेंद	4	6
गुरबाज का रोहित बो प्रसिद्ध	05	7	1	0
जादरान का रोहित बो प्रसिद्ध	11	18	2	0
रहमत का रोहित बो प्रसिद्ध	05	15	1	0
शाहिदी का अय्यर बो प्रसिद्ध बो	102	131	13	1
रसूली का अय्यर बो प्रसिद्ध	01	5	0	0
उमरजई का प्रसिद्ध बो प्रिंस	50	56	5	2
मोहम्मद नबी बो गुरनूर	21	23	1	1
राशिद खान का प्रिंस बो दुबे	05	2	0	0
गजनफर रन आउट	01	1	0	0
फरीद अहमद रन आउट	00	0	0	0
जिया उर रहमान नाबाद	01	7	0	0

अतिरिक्त:16, कुल:44.2 ओवर में 218/10
गेंदबाजी: गुरनूर 8-0-49-1, प्रसिद्ध 8.2-2-23-5, प्रिंस 7-0-38-1, रेड्डी 6-0-42-0, दुबे 7-0-38-1, वाशिंगटन 8-2-23-0

भारत	रन	गेंद	4	6
जायसवाल नाबाद	110	86	14	3
रोहित का स्थानापन्न बो नबी	79	69	9	3
श्रेयस अय्यर नाबाद	20	19	0	2

अतिरिक्त: 15, कुल: 28.4 ओवर में 224/1 रन
गेंदबाजी: उमरजाई 2-0-26-0, रहमान 4-0-21-0, फरीद 5-0-55-0, गजनफर 3-0-15-0, राशिद 7-0-53-0, नबी 7.4-1-47-1

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

प्रसिद्ध कृष्णा के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के दूसरे शतक से भारत ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी के करियर के पहले शतक के बावजूद अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर श्रृंखला में 3-0 से सूपड़ा साफ किया। अफगानिस्तान के 219 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अफगानिस्तान के बेहद खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए जायसवाल और रोहित शर्मा के बीच पहले विकेट की 170 रन की साझदारी से सिर्फ 28.4 ओवर में एक विकेट पर 224 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। अफगानिस्तान ने इससे पहले प्रसिद्ध की तूफानी गेंदबाजी के सामने 10वें ओवर में 36 रन तक 4 विकेट गंवा दिए थे। शाहिदी ने हालांकि अंतिम बल्लेबाज के तौर पर आउट होने से पहले 131 गेंद में 13 चौकों और एक छक्के से 102 रन की पारी खेलने के अलावा अजमतुल्लाह उमरजई (50) के साथ पांचवें विकेट के लिए 117 गेंद में 105 रन की साझेदारी करके टीम को 218 रन के सम्माजनक स्कोर तक पहुंचाया। शाहिदी ने मोहम्मद नबी (21) के साथ भी छठे विकेट के लिए 53 गेंद में 57 रन की साझेदारी की। मेहमान टीम हालांकि अंत में 44.2 ओवर में सिमट गई।

जायसवाल ने धवन को छोड़ा पीछे : अफगानिस्तान के खिलाफ यशस्वी जायसवाल ने लाजवाब पारी खेली। उन्होंने अपने वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा और बड़ा कीर्तिमान अपने नाम किया। जायसवाल ने वनडे में अब तक 6 पारी खेली हैं और दो शतक जड़ दिए है। वह सबसे कम पारी में दो शतक जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। जायसवाल ने पूर्व ओपनर शिखर धवन का रिकॉर्ड तोड़ा। धवन ने सातवीं पारी में वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा था। इससे पहले जायसवाल ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 6 दिसंबर 2025 को शतक जड़ा था।

एशियाई चैंपियनशिप: जूनियर टीम ने जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली। भारत की जूनियर पुरुष कलात्मक जिम्नास्टिक टीम ने चीन के जुनी में खेली जा रही एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। हर्षित दामोदरन, निषाद नरवाने, एसके नबीघ अली, अक्षत बजाज और मोहम्मद जैद अंसारी की युवा भारतीय टीम ने महाद्वीप की कुछ मजबूत टीमों के सामने शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय टीम ने 224.493 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया और पहली बार अपने नाम पर पदक दर्ज कराया।

महिला टी20 विश्वकप : आज शाम 7 बजे से हरमनप्रीत और वोल्वार्ट की टीमों में मुकाबला

लगातार दो जीत, अब द.अफ्रीका से भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

भारतीय महिला टीम टी20 विश्व कप में शानदार शुरुआत के बाद अब रविवार को यहां ग्रुप वन के कठिन मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका जैसी खतरनाक टीम के सामने उस लय को कायम रखने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान पर 64 रन से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की । सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने बल्ले से योगदान दिया जबकि दीप्ति शर्मा ने पांच विकेट चटकाए। नीदरलैंड को दूसरे मैच में भारत ने 95 रन से हराया। अब तक टी20 विश्व कप नहीं जीत सकी टीम इंडिया पांच बार सेमीफाइनल में पहुंच चुकी भारतीय टीम अभी तक टी20 विश्व कप नहीं जीत सकी है।

कार्यालय नगर पंचायत गुरूर, जिला - बालोद (छ.ग.)
Email : nagarpanchayatgurur@gmail.com, Phone No : 07749-299800,

-:: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण द्वितीय सूचना ::-
Main Portal: http//eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक/377/लो.नि.वि./ई-निविदा/2026-27 गुरूर, दिनांक 19/06/2026

नगर पंचायत गुरूर अनुपचारित जल प्रबंधन घटक अंतर्गत निम्नानुसार कार्य के लिये छ.ग. के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा जारी प्रभावशील दर अनुसूची अनुसार लमसम दर पर कार्य संपादन हेतु दिनांक 06/07/2026 तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का नाम	टेण्डर सिस्टम नम्बर	अनु. लागत (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि	प्रभावशील दर अनुसूची
01	02	03	04	05	06	07	08
1	Construction, Testing, Commissioning of all the Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) work including 05 Years of Operation and Maintenance of the Entire System in NAGAR PANCHAY-AT, GURUR under SBM 2.0	193760	388.65	1.94	ब एवं उच्च वर्ग	15 माह	LUM-SUM

उपरोक्त कार्य का निर्धारित अमानत राशि, निविदा की सामान्य शर्तें, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत गुरूर कार्यालय के लोक कर्म शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल Main portal:eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत गुरूर, जिला बालोद (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य,
शासकीय महाविद्यालय बड़ौदा जिला-श्योपुर (म.प्र.) 476337

क्रमांक/362/ स्था. शा./2026 बड़ौदा, दिनांक 19.06.26

निविदा सूचना

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय. महाविद्यालय, बड़ौदा जिला श्योपुर, (म.प्र.) महावि द्यालय हेतु प्रयोगशाला उपकरण (Lab Equipment) के क्रय के लिए मध्यप्रदेश शासन के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से द्वि-बिड प्रणाली के अंतर्गत ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा क्रमांक	निविदा प्रकाशन एवं ऑनलाइन बिड प्रारंभ	ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	तकनीकी बिड खोलने की तिथि
2026_HED_516237_1	18.06.2026	11.07.2026	13.07.2026

निविदा दस्तावेज शर्तें एवं अन्य विवरण मध्यप्रदेश ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल mptenders.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदादाता निर्धारित समयावधि में केवल ऑनलाइन माध्यम से ही निविदा प्रस्तुत कर सकेंगे।

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय, बड़ौदा
श्योपुर (म.प्र.)

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
इंडियन बैंक
टी.टी. नगर शाखा, भोपाल (म.प्र.)
ई-नीलामी विक्रय सूचना

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]
अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित ऋणियों / बंधककर्ताओं एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ **इंडियन बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा **इंडियन बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का **सांकेतिक/भौतिक कब्जा** ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय निम्न वर्णित दिनांक को **इंडियन बैंक, टी.टी नगर शाखा (सुरक्षित लेनदार)** के निम्न वर्णित बकाया राशि को ऋणियों / बंधककर्ताओं एवं जमानतदारों से वसूल करने हेतु ''जैसा है जहां है, जो है जैसा है'' एवं ''जो कुछ भी है'' के आधार पर किया जा रहा है।

शाखा/ऋणी/ जमानतदार/ बंधककर्ता का नाम	चल/अचल संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक / कब्जा दिनांक / बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड वृद्धि राशि
ऋणी : **मेसर्स विस्टेक मल्टीफूड्स प्रा. लिमिटेड** (ऋणी/कंपनी), 2. श्री अमृतम राठौड़ (डायरेक्टर/जमानतदार), 3. श्रीमती सोनाली सिंह (डायरेक्टर/जमानतदार), 4. श्री मांगीलाल मीना (डायरेक्टर/जमानतदार)	(Property ID : IDIB30628110677) संपत्ति का समस्त भू भाग कमर्शियल डायवर्टेड भूमि खसरा नंबर 58/2, क्षेत्रफल 1.179 हेक्टेयर बिलाहेड़ी- 104 (योजना क्षेत्र) एनएच के बाहर, पटवारी हल्का नंबर 137 (बड़नगर) तहसील- नरसिंहगढ़, जिला राजगढ़, मध्य प्रदेश 465667 क्षेत्रफल- 1.179 हेक्टेयर चर्तुसीमाएँ: पूर्व- खसरा संख्या 54/2 वाली भूमि, पश्चिम- कच्चा रास्ता, उत्तर- खसरा नंबर 58/1/2 वाली भूमि, दक्षिण- खसरा नंबर 59 वाली भूमि	20.11.2024 / 04.02.2025 / दिनांक 15.06.2026 को ₹ 1,13,04,343/- + ब्याज एवं अन्य खर्चे	₹ 110.00 लाख / ₹ 11.00 लाख / ₹ 10,000/-

Bank Website : www.indianbank.in E-auction website Property ID : IDIB30628110677

सम्पर्क : 1. श्री प्रवाकर साहू, प्राधिकृत अधिकारी, 8780783580

ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 14/07/2026, को सुबह 11.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक
ई-नीलामी प्लेटफार्म : http://BAANKNET.com पर संपन्न होगी।

निविदाकर्ता को सूचित किया जाता है वे ऑनलाइन नीलामी में भाग लेने हेतु हमारे ई-नीलामी सर्विस प्रदाता PSB alliance Pvt. Ltd., की वेबसाइट http://BAANKNET.com देखें। तकनीकी सहायता हेतु कृपया सम्पर्क करें 8291220220, email ID: support.ebkray@psballiance.com. इच्छुक निविदाकर्ता / क्रेता ई-नीलामी प्रक्रिया में ई-नीलामी सर्विस प्रदाता की वेबसाइट http://BAANKNET.com द्वारा भाग ले सकते हैं।
ई-नीलामी के इच्छुक भागीदार http://BAANKNET.com से विक्रय सूचना, ई-नीलामी की नियम एवं शर्ते नीलामी पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न ई-नीलामी के परिचालन भाग पर उपयोगकर्ता मेनुअल की प्रतियाँ निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं।
निविदाकर्ताओं से निवेदन किया जाता है संपत्ति के बारे में जानकारी हेतु प्रोपर्टी आईडी नं. से वेबसाइट http://BAANKNET.com देखें।
दिनांक : 20.06.2026 , स्थान: भोपाल प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

प्रारूप -28
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्य प्रदेश शासन नगर पालिका परिषद सीहोर

एन.आई.टी. संख्या / 2498 / ई टेंडरिंग दिनांक 12/6/026

निम्नलिखित निर्माण हेतु ठेकेदार और ख्याति फर्म्स से जो निविदा मानदंडो को पूरा करती हो ऑनलाईन बोली आमंत्रित हैं

क्र.सं./पैकेज / कोड	आपूर्तियाँ	जिला (जिले)	संभावित राशि	अवधि (दिन)
2026_UAD _514276_1	CONSTRUCTION OF NALA AT BHOPAL NAKA TO C-2 NALA AND BUTIFICATION, WARD-08	सीहोर	2,12,25,101/-	12 माह

1. इच्छुक बोलीदाता वेबसाईटhttp://mptenders.gov.in पर NIT देख सकते है ।
2. बोली दस्तावेज सार्वजनिक अवकाश को छोडकर दिनांक 10.06.2026 प्रातः 11.00 से 09.07.2025 सांय 17.30 तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है।
3. NIT में संशोधन, यदि कोई होता है, तो केवल, वेबसाईट पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नही ।
4. इसके अतिरिक्त किसी भी स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो तो कृपया श्री विजय कोली सहायक यंत्री नगर पालिका परिषद् सीहोर से संपर्क करें ।
संपर्कः मो. नम्बर, 9340307554

विकास प्रिंस राठौर
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद् सीहोर

सुधीर कुमार
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सीहोर

वर्ल्ड म्यूज़िक डे पर संगीत प्रेमियों के लिए सौगात, आशा ताई को दिया अनोखा ट्रिब्यूट

21 सुरों ने एक सुर में गुनगुनाया... दिल अभी भरा नहीं...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी का गुंजन फाउंडेशन ने 21 जून वर्ल्ड म्यूजिक डे के अवसर पर संगीत प्रेमियों को एक खास सौगात के रूप में आशा ताई को एक अनोखी ट्रिब्यूट दी। इस अवसर पर गुंजन फाउंडेशन के संस्थापक कैलाश यादव सहित 21 गायक गायिकाओं ने आशा ताई को स्वरांजलि देते हुए उनका गीत अभी न जाओ छोड़कर कि दिल अभी भरा नहीं..... गुनगुनाया।

यह जानकारी शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में गुंजन फाउंडेशन के संस्थापक कैलाश यादव ने दी। उन्होंने बताया कि इस तरह का ट्रैक रिकॉर्डिंग भोपाल में पहली बार बना है जिसमें 100 ट्रैक रिकॉर्डिंग शामिल हैं।

आशा ताई को स्वरांजलि देते गायक गायिकाएं।

गायक गायिका सभी की उम्र 60 प्लस

उन्होंने बताया कि रफी साहब और आशा ताई के इस यादगार गीत को एक नए अंदाज में पेश करने की परिकल्पना और संगीत गुंजन फाउंडेशन के सचिव और संगीत गुरु कैलाश यादव की है, और इसमें जिन गायक गायिकाओं ने आवाज दी है वे सभी 60 प्लस हैं, और गुंजन फाउंडेशन अकादमी में आपने गायन को निखार रहे हैं।

इन 21 गायकों ने बिखेरा अपनी आवाज का जादू

आशा ताई को स्वरांजलि देने वालों में कैलाश यादव, रंजीव साहनी, सुनील श्रीवास्तव, डॉ संजय कुमार, प्रभाकांत कटारे, राकेश तिवारी, मयंक सत्संगी, अजय कुमार, अश्वनी कुमार उपमन्यु, दीपक आसाई, मृदुल खरे, संजय बघेल, सीए रोशन मूंदड़ा, निशा श्रीवास्तव, अरुणा साहनी, रीटा देराश्री, डॉ संध्या गद्रे, रचना साहू, हर्षा दवे, मधु तिवारी एवं स्मिता निगम।

आज कई आईएएस, आईपीएस अधिकारी सिंगर बन चुके हैं....

मैंने अपनी पत्नी गुंजन की स्मृति में गुंजन फाउंडेशन की स्थापना की है। आज मैं इस संस्था के माध्यम से कई लोगों को संगीत का अभ्यास करा रहा हूं। इनमें खासतौर पर वे लोग शामिल हैं जो समाज के विभिन्न वर्गों से आते हैं। इसके साथ ही शहर के अनेक आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, व्यवसायी और जनप्रतिनिधि जैसे लोग शामिल हैं, जो मुझसे संगीत सीख रहे हैं और आज उनकी इसी मेहनत का परिणाम है कि वे भी शहर के अच्छे सिंगर्स में शामिल हो गए हैं। **-कैलाश यादव**, संगीत गुरु एवं संस्थापक, गुजन फाउंडेशन

मध्य प्रदेश जनजातीय संग्रहालय में हुआ आयोजन

साइप्रस की प्रतिष्ठित सेलास डांस कंपनी ने दी 'अनेरादा' और 'फ्रेआ' की प्रस्तुति

लोककथाओं और मानवीय संवेदनाओं का संगम प्रस्तुत किया

50 मिनट की प्रस्तुति

कोरियोग्राफर ने इस नृत्य नाटिका को जीवंत स्वरूप दिया

नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देते कलाकार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

संगीत, कल्पना और मानवीय भावनाओं की एक जादुई यात्रा के रुप में साइप्रस की प्रतिष्ठित सेलास डांस कंपनी द्वारा प्रस्तुत 'अनेरादा' और 'फ्रेआ' की प्रस्तुति ने लोक कथाओं और मानवीय संवेदनाओं का ऐसा कलात्मक संगम प्रस्तुत किया जो दर्शकों को एक अलग ही भावलोक में ले गया... लाइव संगीत और मारिया कंबेरी की संवेदनशील कोरियोग्राफी से सजी इस प्रस्तुति का आयोजन शनिवार शाम जनजातीय संग्रहालय में वीर भारत न्यास द्वारा किया गया। 50 मिनट की इस प्रस्तुति में साइप्रस की डेमेट्रिओस का संगीत रहा तो वहीं मारिया कंबेरी की कोरियोग्राफर ने इस नृत्य नाटिका को जीवंत स्वरुप दिया।

कभी नजर आई प्रकृति की कोमलता तो कभी मानवीय अंर्तद्वंद्व की गाथा

साइप्रस की लोककथाओं और मिथकीय पात्रों से प्रेरित इस काव्यात्मक प्रस्तुति में नृत्यांगना के शरीर की हर गति, हर स्वर और हर लय एक नई कहानी कहती है। जहां कल्पना और यथार्थ के बीच की सीमाएं धुंधली हो जाती हैं। मंच पर नर्तकों की गतियां कभी प्रकृति की कोमलता का आभास कराती हैं तो कभी मानव मन के भीतर चल रहे संघर्षों और भावनाओं को अभिव्यक्त करती हैं। संगीत और नृत्य का यह संवाद दर्शकों को प्रेम, स्मृति, आशा, जिज्ञासा और आत्मखोज जैसी अनुभूतियों से जोड़ता प्रतीत हुआ।

कला व संगीत हमें एक दूसरे के करीब लाते हैं

भारत सहित यूरोप, जॉर्डन और अफ्रीका के विभिन्न देशों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुकी सेलास डांस कंपनी की सदस्य डेमेट्रिओस यासेमाइड्स, और मारिया कंबेरी ने कहा कि हमें भारत आकर बेहद अच्छा लगा, उन्होंने कहा कि कला और संस्कृति ऐसी शक्तियां हैं, जो भौगोलिक सीमाओं और दूरियों को सहजता से पाट सकती हैं। भले ही साइप्रस एक छोटा-सा द्वीपीय देश हो और भारत अपनी विशालता, विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए विश्वभर में जाना जाता हो, लेकिन कला, संगीत एक ऐसा माध्यम है जो हमें एक-दूसरे के और करीब ला सकता है।

रवींद्र भवन में स्थापना रंग महोत्सव में नाटक 'गुड़िया की शादी' का मंचन

नाटक 'गुड़िया की शादी' का मंचन करते कलाकार।

सांवले रंग से परे, उजले मन की कहानी....

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रविंद्र भवन में जारी मप्र नाट्य विद्यालय के 15 वें स्थापना दिवस समारोह में शनिवार को नाटक 'गुड़िया की शादी' का मंचन किया गया। समता सागर रचित नाटक में निर्देशन संजय श्रीवास्तव का है। नाटक में दिखाया कि रंग-रूप के पैमानों पर खरा न उतरने वाली एक साधारण-सी लड़की, जो समाज की नजरों में भले ही खूबसूरत न हो, लेकिन जिसकी आत्मा उजाले से भरी हुई है। बुंदेलखंड के एक निम्न मध्यमवर्गीय परिवार की पृष्ठभूमि पर आधारित 'गुड़िया की शादी' केवल एक विवाह की कहानी नहीं, बल्कि उन सामाजिक पूर्वाग्रहों पर तीखा प्रश्न है जो इंसान की पहचान उसके रंग और रूप से तय करते हैं।

नाटक का मंचन करते कलाकार।

असली सुंदरता चेहरे में नहीं, विचारों और व्यवहार में

हास्य, संवेदना और जीवन-दर्शन से बुनी गई यह कहानी बताती है कि असली सुंदरता चेहरे में नहीं, बल्कि विचारों और व्यवहार में बसती है। गुड़यिा अपनी सरल और निश्छल बातों से न केवल परिस्थितियों को बदलती है, बल्कि जीवन को सहजता से जीने का ऐसा दृष्टिकोण देती है, जो दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहता है।

बचपन से तानों का सामना करती गुड़िया

शादी से ठीक एक दिन पहले छोटी से भूल बन जाती है परेशानी

गुड़िया बचपन से ही अपने सांवले रंग के कारण तानों और उपेक्षा का सामना करती है, लेकिन उसकी मासूम मुस्कान और सकारात्मक सोच हर कटुता को सहजता से पीछे छोड़ देती है। कहानी उस मोड़ पर पहुंचती है जब उसकी शादी से ठीक एक दिन पहले हुई एक छोटी-सी भूल पूरे परिवार के लिए बड़ी परेशानी बन जाती है, लेकिन इसी संकट के बीच परिवार के सदस्यों के मन में दबे दर्द, कुंठाएं और अधूरी इच्छाएं सामने आने लगती हैं।

उप्र की कोहबर चित्र परंपरा का अंकन शिविर कल से

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लोक कला एवं पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तरप्रदेश की कोहबर चित्र परंपरा का अंकन शिविर 22 से 24 जून तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से मप्र जनजातीय संग्रहालय में आयोजित किया जा रहा है। तीन दिवसीय शिविर का उद्देश्य उत्तरप्रदेश की समृद्ध कोहबर चित्रकला परम्परा का संरक्षण, संवर्धन एवं प्रलेखन करना है। कोहबर कला भारतीय लोकचित्र परम्पराओं की एक महत्वपूर्ण धरोहर है, जो विशेष रूप से विवाह संस्कारों एवं लोक जीवन से गहराई से जुड़ी हुई है। शिविर के दौरान कलाकारों एवं प्रतिभागियों द्वारा कोहबर चित्रों का सृजन एवं अंकन किया जाएगा।

कर्क रेखा पर रहने वाले लोग स्वयं करके देखें अनूठा प्रयोग

आज प्रदेश के 14 जिलों में दिखेगा महा-खगोल उत्सव, कुछ पलों के लिए गायब हो जाएगी परछाई

भोपाल। प्रदेश के 14 जिलों के कर्क रेखा पर स्थित नगरों एवं स्थानों पर सूर्य अपनी उत्तरायण यात्रा पूरी करने जा रहा है। 21 दिसंबर से आरंभ हुई यात्रा का रविवार दोपहर 1.57 बजे समापन होगा। नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि कर्क रेखा पर स्थित स्थानों में स्थानीय दोपहर के समय सूर्य बिल्कुल सिर के ऊपर होगा, जिससे इन स्थानों पर कुछ पल के लिए परछाई गायब हो जाएगी।

सप्रे संग्रहालय में कर्मवीर सम्मान से विभूषित हुईं पांच विभूतियां

पुरखों की विरासत ही आने वाली पीढ़ी का मार्ग प्रशस्त करती है...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय की ज्ञान संपदा में एक नया आयाम तब जुड़ा जब सुप्रसिद्ध इतिहासविद् और मप्र राज्य गजेटियर एवं अभिलेखागार के पूर्व संचालक शंभुदयाल गुरु का बेशकीमती खजाना संग्रहालय की धरोहर में शामिल हुआ। स्व. गुरु की यह विशाल सामग्री उनके परिजनों ने संग्रहालय को सौंपी है।

यह विरासत यहां का हिस्सा बनने के बाद संग्रहालय में शंभुदयाल गुरु इतिहास प्रभाग की स्थापना की गई है। इस नवीन प्रभाग का लोकार्पण संग्रहालय के 43वें स्थापना दिवस पर की गई। इस अवसर पर प्रदेश की पांच विभूतियों को 'कर्मवीर सम्मान' से सम्मानित भी किया गया। इनमें अध्येता एवं विशिष्ट संग्रहकर्ता डा. सुभाष अत्रे, विश्वरंग के प्रणेता डॉ.संतोष चौबे, संस्कृति सेवी श्रीराम तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार नूरुल हसन नूर और हिन्दी सेवी डा. जवाहर कर्नावट शामिल रहे। कार्यक्रम

के मुख्य अतिथि तुलसी मानस प्रतिष्ठान के कार्यकारी अध्यक्ष रघुनंदन शर्मा ने कहा कि हमें अपने जीवन में एक न एक ऐसा कार्य अवश्य करके जाना चाहिए जो भावी पीढ़ी के काम आये। पुरखों की विरासत ही आने वाली पीढ़ी का मार्ग प्रशस्त करती है जो अंततोगत्वा समाज के ही काम आती है।

भौतिक सुविधाओं से अधिक आवश्यक संस्कार हैं: उमाशंकर पचौरी

विश्व संगीत दिवस पर सजी 'निनाद' शास्त्रीय संगीत की सभा

संस्कार भारती युवा पीढ़ी में सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन का महत्वपूर्ण कर रही कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष्य में संस्कार भारती में संगीत संध्या 'निनाद' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त डॉ. उमाशंकर पचौरी ने कहा कि आज के समय में भौतिक सुविधाओं से अधिक आवश्यक संस्कार हैं और संस्कार भारती अपनी विभिन्न कलात्मक विधाओं के माध्यम से युवा पीढ़ी में सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

राग मालकौंस में छोटा और बड़ा ख्याल की प्रस्तुति

कार्यक्रम में युवा शास्त्रीय गायक आकाश गुंथेवार ने राग मालकौंस में छोटा और बड़ा खयाल प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। तबले पर मनोज पाटीदार और हारमोनियम पर मुनि मालवीय ने संगत दी। वहीं वायलिन वादक मनोज बमरैले ने राग यमन में विलंबित एक ताल और मध्यलय तीन ताल की प्रस्तुति दी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930